धनबाद, बुधवार 01.05.2024
मूल्य- ₹ 3
वर्ष-30 अंक-70 पृष्ठ- 12
वैशाख कृष्ण पक्ष-8
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में 3 महिला सहित 10 नक्सली ढेर, एके-47 और गोला-बारूद बरामद

जगदलपुर (ईएमएस): छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर नारायणपुर के अबूझमाड़ इलाके में मंगलवार सुबह डीआरजी और एसटीएफ के जवानों के साथ हुई मुठभेड़ में १० नक्सली मारे गए। इनमें ३ महिला माओवादी हैं। इन सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। घटनास्थल से एक एके-४७ समेत भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद हुआ है। बताया जा रहा है कि मुठभेड़ के बाद सर्चिंग की जा रही है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि अबूझमाड़ के टेकामेटा इलाके में बड़ी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इस सूचना के आधार पर सोमवार देर रात जवान सर्चिंग पर निकल गए थे। जवान मंगलवार की सुबह जब इस इलाके में पहुंचे तो यहां नक्सलियों ने उन्हें देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में नक्सली मारे गए। पुलिस मारे गए नक्सलियों की शिनाख्त की कोशिश कर रही है। सूत्रों के मताबिक यहां पर माओवादियों के बड़े कैडर्स मौजूद थे।

बस्तर के आईजी पी सुंदरराज ने कहा कि अबूझमाड़ क्षेत्र में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के संयुक्त दल की माओवादियों से मुठभेड़ हुई. उन्होंने कहा, ''इलाके में ५० से ६० नक्सलियों की मौजूदगी की संभावना है. अभियान लगातार जारी है. गर्मी के समय में नक्सली सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं. इसी को देखते हुए सुरक्षाबलों का ऑपरेशन चल रहा है.

इस साल 88 नक्सली ढेर

१६ अप्रैल को कांकेर जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में २९ नक्सली मारे गए थे. पुलिस के मुताबिक, बस्तर क्षेत्र में सुरक्षाबलों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ों में इस साल अब तक ८८ नक्सली मारे गए हैं, जिसमें नारायणपुर और कांकेर सहित सात जिले शामिल हैं.

सभी नक्सली वर्दीधारी हैं. घटनास्थल से बरामद एके-४७ अत्याधुनिक हथियार से अंदाजा लगाया जा रहा है कि मुठभेड़ में मारे गए नक्सली माओवादी संगठन के बड़े कैडर में शामिल हो सकते हैं. फिलहाल, जवानों द्वारा नक्सलियों के शवों को लेकर जिला मुख्यालय पहुंचने के बाद ही उनकी शिनाख्त हो सकती है.

तीसरे चरण की वोटिंग से पहले पीएम मोदी ने बीजेपी और एनडीए उम्मीदवारों को लिखा पत्र

नई दिल्ली (ईएमएस): ७ मई को लोकसभा चुनाव २०२४ को लेकर तीसरे चरण की वोटिंग से पहले पीएम मोदी ने बीजेपी और एनडीए उम्मीदवारों को पत्र लिखा है। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दो पन्ने की चिट्ठी लिखी। चिट्ठी में उन्होंने जहां अमित शाह की तारीफ की और चुनाव में जीतने की शुभकामनाएं भी दी।

पत्र में पीएम मोदी ने अमित शाह को लिखा, तेरह साल की उम्र में आपने आपातकाल के खिलाफ खड़े लोगों को सहयोग देते हुए अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की। ८० के दशक से जनकल्याण के विभिन्न कार्यों में आपने मेरे साथ काम किया, तभी से ही मैंने आपका समाज सेवा और भारत के उत्थान के प्रति अटूट समर्पण करीब से देखा है। पार्टी का अध्यक्ष रहते हुए आपने ऐतिहासिक सदस्यता अभियान चलाए, जिसके परिणामस्वरूप हमने भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनाने के अपने साझा सपने को साकार किया।

पीएम मोदी ने अमित शाह को पत्र लिखकर कहा, पार्टी का अध्यक्ष रहते हुए आपने ऐतिहासिक सदस्यता अभियान चलाए, जिसके परिणामस्वरूप हमने भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनाने के अपने साझा सपने को साकार किया। भारत के गृह मंत्री रहते हुए अनुच्छेद-३७० समाप्त करने से लेकर सीएए और भारतीय न्याय संहिता जैसे महत्वपूर्ण नीतियों को पारित करवाना और नए सहकारिता मंत्रालय की जिम्मेदारी का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना- केंद्रीय मंत्री के रूप में आपने अनेक महत्वपूर्ण निर्णयों में अहम भूमिका निभाई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्र लिखा है। वह पोरबंदर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार भी हैं। इस पत्र में पीएम मोदी ने आशा व्यक्त की है कि इस क्षेत्र की जनता आपका साथ देगी और आपको अपने जनप्रतिनिधि के रूप में जरूर चुनेगी। पीएम मोदी के ▶▶ 4

अवकाश

मजदूर दिवस 1 मई 2024 के अवसर पर बिहार ऑबजर्वर प्रेस और कार्यालय में अवकाश रहेगा। 1 मई श्रम दिवस का अंक आपके हाथों में है। पुनः 3 मई को अखबार आपके सामने होगा। होगा। श्रम दिवस पर ढेर सारी शुभकामनाएं।

सम्पादक

कई जिलों में गंभीर हीट वेव की चेतावनी, अधिकतम तापमान में और होगा इजाफा, 5 और 6 मई को बारिश का भी पूर्वानुमान

रांची (ससे): राज्य में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्य के कई इलाकों में आज गंभीर हीट वेव चलने की चेतावनी जारी की गई है जिसके लिए मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

राज्य के पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला खरसावां, बोकारो, धनबाद, देवघर, जामताड़ा, गोड्डा, पाकुड़, दुमका और साहिबगंज जैसे जिलों में गंभीर हीट वेव की चेतावनी जारी की गई है। वैसे हीट वेव के हालात राज्य के अन्य जिलों में भी ३ मई तक बने रह सकते हैं जिसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। अधिकतम तापमान में भी अगले दो से तीन दिनों के दौरान दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हो सकती है। राहत की बात यह है कि उसके बाद के दो दिनों में इसमें दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। आगामी ४ मई तक आकाश के साफ रहने और मौसम के शुष्क बने रहने के आसार हैं।

वहीं ५ मई को जहां राज्य के उत्तर पूर्वी हिस्सों में आंधी के साथ हल्की बारिश का पूर्वानुमान है। वही ६ मई को राज्य के पूर्वी हिस्सों में आंधी के साथ हल्के दर्जे की बारिश हो सकती है। रांची में भी २ मई तक मौसम के शुष्क बने रहने की संभावना है। तीन से ६ मई तक आकाश में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं हालांकि इस दौरान मौसम शुष्क बना रहेगा।

एटीएस ने अमन साहू गिरोह के दो को अपराधियों पतरातू से किया गिरफ्तार

रांची (ससे): एटीएस को संगठित आपराधिक गिरोह के विरुद्ध बड़ी सफलता मिली है। एटीएस के पुलिस अधीक्षक ऋषभ झा ने मंगलवार को रांची में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि एटीएस ने अमन साहू गिरोह के दो अपराधियों को रामगढ़ जिले के पतरातू से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से रिवाल्वर और जिंदा कारतूस बरामद किया है। राज्य के अलग-अलग जिलों में उनके खिलाफ कई मामले दर्ज है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ के बाद कई मामलों का खुलासा हुआ है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के क्रम में पता चला है कि अमन साहू गिरोह में जितने भी पुराने अपराध कर्मी थे उन्हें छोड़कर नए अपराधियों से अपराध कराया गया है। इन लोगों ने नए अपराधियों की एक पूरी टीम बना ली है।

कुपवाड़ा में लैंडस्लाइड से 5 लोगों की मौत

श्रीनगर (ईएमएस): जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में लैंडस्लाइड और बाढ़ से ५ लोगों की मौत हो गई। जम्मू कश्मीर में से भारी बारिश हो रही है। राज्य के पहाड़ों पर बर्फबारी भी जारी है। कई घरों को नुकसान पहुंचा है और सैकड़ों रहवासी प्रभावित हुए है। जम्मू क्षेत्र के डोडा, रियासी, किश्तवाड़, रामबन और कश्मीर के किश्तवाड़ सहित कई पहाड़ी जिलों में भारी बारिश और भूस्खलन हुआ है। रामबन जिले में कई स्थानों पर भूस्खलन के बाद श्रीनगर-जम्मू बंद कर दिया गया था। कुपवाड़ा में अब स्थिति में सुधार होना शुरू हो गया है। जल स्तर घट रहा है और लोग अपने टूटे घरों में लौट रहे है। कल अचानक आई बाढ़ के कारण सड़क का एक हिस्सा बह गया और कई घरों में घुटनों तक पानी भर गया है।

आज कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह नामांकन दाखिल करेंगी

रांची (ईएमएस): झारखंड की धनबाद सीट से एक मई को कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह धनबाद समाहरणालय मे नामांकन दाखिल करेंगी। इसके बाद गोल्फ ग्राउंड धनबाद में आम सभा होगी। उनके नामांकन में झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर कांग्रेस विधायक दल नेता उपस्थित रहेंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर के निर्देशानुसार नामांकन कार्यक्रमों में पार्टी के प्रबंड से लेकर जिला और प्रदेश स्तर तक के पदाधिकारी भाग लें और प्रत्याशियों का मनोबल बढ़ाएं और देश में संविधान के खिलाफ कार्य करने वाली भाजपा सरकार को चुनाव में सत्ता से बेदखल कर अपनी एकजुटता का परिचय दें।

ड्राई आइस खाने से बच्चे की मौत

राजनांदगांव (ईएमएस): छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में बर्फ समझकर ड्राई आइस खाने से ३ साल के बच्चे की मौत हो गई। शादी समारोह के दौरान मटकियों में ड्राई आइस डालकर धुआं (फॉग) निकाला जा रहा था। दूल्हा-दुल्हन की एंट्री और फोटो-वीडियो शूट होने के बाद इवेंट टीम ने आइस को खुले में ही फेंक दिया था और बच्चों ने इसे बर्फ समझकर खा लिया। ज्यादा तबीयत बिगड़ते पर एक बच्चे की मौत हो गई। लालबाग थाना पुलिस के मुताबिक, जिले के चमाररराय टोला गांव में संतोष साहू के परिवार में शादी समारोह के दौरान पड़ोस में रहने वाली महिला अपने ३ साल के बेटे खुशांश साहू को लेकर पहुंची थी। वह बेटे को छोडक़र दूसरे काम में व्यस्त हो गई। इस दौरान खुशांश स्टेज के पास ही खेल रहा था। स्टेज के पास ही ड्राई आइस को फेंका गया था। वहां खेल रहे बच्चों की नजर ड्राई आइस पर पड़ी तो उन्होंने बर्फ समझकर खा लिया। कुछ देर बाद खुशांश ▶▶ 4

राष्ट्रपति मुर्मू आज राम मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी

अयोध्या (ईएमएस): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कल १ मई को राम मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए अयोध्या आने वाली हैं। राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने आज मंगलवार को कहा कि इस दौरान आम श्रद्धालु भी रोज की भांति दर्शन-पूजन कर सकेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू के विशेष विमान से एक मई शाम करीब ४ बजे अयोध्या पहुंचने की उम्मीद है। उन्हें वीआईपी गेट से होते हुए मंदिर परिसर तक ले जाया जाएगा। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के मुताबिक राष्ट्रपति करीब ३ घंटे तक रहेंगी। इस दौरान उनके स्वागत के लिए उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी मौजूद रहने की उम्मीद है।

इसके लिये लखनऊ-अयोध्या-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग और अयोध्या हवाई अड्डे को राम पथ से जोड़ने वाले मार्ग पर ट्रैफिक डायवर्जन किया जाएगा। शाम को सरयू के तट पर होने वाली आरती के दौरान राष्ट्रपति के आने की उम्मीद में तैयारी की जा रही है। राम मंदिर ट्रस्ट के अनिल मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रपति का विस्तृत कार्यक्रम अभी नहीं आया है लेकिन हम एक मई को राष्ट्रपति के स्वागत की तैयारी कर रहे हैं। इस दौरान आम भक्त भी मंदिर में दर्शन-पूजन करते रहेंगे। ▶▶ 4

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रमुख ने की मांग, भ्रूण की लिंग जांच से रोक हटे

गर्भ में लड़की की जानकारी मिलेगी, तो पैदा होने के बाद उसकी जान बचा सकते हैं

नई दिल्ली (ईएमएस): इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रमुख आरवी अशोकन ने कहा है कि भ्रूण का लिंग पता करने पर रोक लगाने से कन्या भ्रूण हत्या तो रुक सकती है, लेकिन इससे बच्ची के पैदा होने के बाद उसकी हत्या नहीं रोकी जा सकती है। उन्होंने कहा कि आईएमए मौजूदा प्री-कंसेप्शन और प्री-नेटल डायगनॉस्टिक टेक्नीक (पीसी-पीएनडीटी) एक्ट में बदलाव के लिए एक डॉक्यूमेंट तैयार कर रहा है। मौजूदा कानून भ्रूण के लिंग का पता लगाने के लिए प्री-नेटल डायगनॉस्टिक टेक्नीक पर रोक लगाता है और ऐसा करने वाले डॉक्टर को जिम्मेदार ठहराता है। इसमें हमारी तरफ से एक सुझाव ये है कि क्यों न भ्रूण के लिंग का पता लगाया जाए और फिर कन्या भ्रूण की रक्षा की जाए।

अशोकन ने कहा कि एक सामाजिक बुराई के लिए आप मेडिकल सॉल्यूशन पर निर्भर नहीं कर सकते हैं। क्या हमारा सुझाव काम करेगा या क्या ये प्रैक्टिकल है? इस पर बहस करते हैं। अगर आपने सामाजिक बुराई को ठीक नहीं किया, तो कन्या भ्रूण हत्या तो रुक जाएगी लेकिन पैदा होने के बाद बच्चियों को मारा जाना जारी रहेगा। अशोकन ने कहा कि उनके नजरिए से, पीसी-पीएनडीटी एक्ट को पूरी तरह से तोड़-मरोड़ दिया गया है, ये सिर्फ मौजूदा स्थिति को देखता है और एनजीओ की इसमें बड़ी भूमिका रहती है। कन्य भ्रूण हत्या रोकना हमारी भी प्राथमिकताओं में है, लेकिन हम इस एक्ट में बताए गए तरीके से सहमत नहीं हैं। इसकी वजह से डॉक्टरों को बहुत परेशानी उठानी पड़ी है।

सभी डॉक्टरों को गुनहगार और जीवन-रोधी मान लेना गलत

अगर मौजूदा व्यवस्था से एक कानून हटाया जा सके, तो हम पीसी-पीएनडीटी एक्ट को हटाना चाहेंगे। इस कानून को इस व्यवस्था में जगह नहीं मिलनी चाहिए। डॉक्टरों की एसोसिएशन लंबे समय से पीसी-पीएनडीटी एक्ट पर पुनर्विचार करने की मांग कर रहा है। गर्ल चाइल्ड को बचाने के मामले में हमारा नजरिया अलग नहीं है। हमारा ▶▶ 4

नौसेना के नए चीफ बने दिनेश त्रिपाठी

नई दिल्ली (ईएमएस): एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने मंगलवार को नेवी के २६वें चीफ के तौर पर पदभार संभाल लिया है। उन्होंने एडमिरल आर हरि कुमार की जगह ली है। पदभार संभालने से पहले उन्होंने अपनी मां रजनी त्रिपाठी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि विकसित भारत में योगदान के लिए भारतीय नौसेना को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हम काम करेंगे। कम्युनिकेशन एंड इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर के स्पेशलिस्ट माने जाने वाले एडमिरल दिनेश त्रिपाठी अब तक नेवी के वाइस चीफ की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। एडमिरल त्रिपाठी को दिल्ली में नेवी चीफ का पदभार सौंपा गया। ६० साल के एडमिरल त्रिपाठी त्रिपाठी ३९ साल से नौसेना में हैं। उन्होंने कहा- पिछले कुछ वर्षों में हमारी नौसेना एकजुट और विश्वसनीय फोर्स के रूप में डेवलेप हुई है। इसके लिए मैं नौसेना के सभी पूर्व प्रमुखों का धन्यवाद करता हूं। मेरी प्राथमिकता हमारे ह्यूमन रिसोर्सेस को पहले से और भी ज्यादा कुशल बनाना है।

सिसोदिया की जमानत याचिका फिर खारिज

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली के डिप्टी सीएम रहे मनीष सिसोदिया की दूसरी रेगुलर बेल याचिका खारिज कर दी है। सिसोदिया की जमानत का सीबीआई और ईडी ने विरोध किया था। मनीष ने मुकदमे में देरी के आधार पर जमानत मांगी थी। वे फरवरी २०२३ से हिरासत में है। आपको बता दें कि कुछ दिन पहले ही दिल्ली शराब घोटाला मामले में सिसोदिया की जमानत याचिका पर राउज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

जेडीएस से निलंबित किए गए प्रज्वल रेवन्ना

विपक्ष की घेराबंदी के बीच पार्टी ने लिया बड़ा फैसला

बेंगलूरु (ईएमएस): कर्नाटक की राजनीति में हलचल मची हुई है। कई महिलाओं से यौन शोषण के आरोप झेल रहे प्रज्वल रेवन्ना को जेडी-एस से निलंबित कर दिया गया है। जद (एस) कोर कमेटी के अध्यक्ष जीटी देवगौड़ा ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ एसआईटी का स्वागत करते हैं। हमने अपनी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को एसआईटी जांच पूरी होने तक उन्हें पार्टी से निलंबित करने की सिफारिश करने का निर्णय लिया है। बता दें कि मौजूदा लोकसभा चुनाव में रेवन्ना कर्नाटक की हासन सीट से पार्टी के उम्मीदवार है।

राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस के हमलों के बीच पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने कहा था कि प्रज्वल को निलंबित करने को लेकर पहले ही चर्चा हो चुकी है। अब हुबली में कोर कमेटी की बैठक होगी, जिसमें हासन सांसद के निलंबन की सिफारिश की जाएगी। ▶▶ 4

झारखंड से 13 फूल और एक फल नरेन्द्र मोदी को भेंट करें: भजनलाल

धनबाद (ससे): राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को धनबाद के भाजपा प्रत्याशी ढुलू महतो के नामांकन के बाद आयोजित सभा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार भ्रष्टाचार व आतंकवाद के लिए जानी जाती थी और २०१४ के बाद बनी मोदी सरकार विकास के लिए जानी जाती है। देश का मोदी सरकार ने ऐतिहासिक विकास किया है।

उन्होंने मोदी सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से गिनाया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोदी की उपलब्धियों को भी बताया। दावा किया कि राजस्थान में इस बार भी सभी सीटें भाजपा जीतेंगी। उन्होंने कहा कि एनडीए के पास फूल और फल दोनों है। सभी १४ सीटों पर कब्जा करना है।सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड और धनबाद में लोग भय के माहौल में जी रहे हैं। हत्याएं और रंगदारी हो रही है। छह महीने बाद झारखंड में भाजपा की सरकार बनाएंगे तो रातों रात अपराधियों को झारखंड छोड़कर भागने के लिए बाध्य कर देंगे। इस चुनाव में पिछले चुनाव के रिकॉर्ड को तोड़कर जीतने की चुनौती है। मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए यह चुनाव जीतना है।वहीं आजसू के अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि विपक्ष के पास प्रधानमंत्री के लिए कोई चेहरा तक नहीं है।

चंदनकियारी के विधायक व प्रतिपक्ष के नेता अमर बाउरी ने कहा कि हमें झामुमो, कांग्रेस, राजद की सरकार को उखाड़ फेंकना है झारखंड के १३ कमल के फूल और एक फल नरेन्द्र मोदी को देना है। इसके पूर्व नामांकन के बाद ढुलू महतो ने मेमको मोड़ से रोड शो निकाला, जो समास्थल गोल्फ ग्राउंड तक गया। चिलचिलाती धूप में आयोजित इस रोड शो में लोग पैदल करीब पांच किलोमीटर तक चले।

विभिन्न जांच नाकों सहित अन्य स्थानों पर अलर्ट रहें : व्यय प्रेक्षक

धनबाद (कासं) : मंगलवार को लोकसभा आम चुनाव २०२४ के निमित्त निर्वाचन व्यय एवं अनुवेक्षण से संबंधित बिंदुओं पर समीक्षा हेतु न्यू टाउन हॉल धनबाद में व्यय प्रेक्षक निखिल गोयल (आई.आर.एस) एवं आनंद कुमार (आई.आर.ए.एस) द्वारा बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में व्यय प्रेक्षक ने निर्वाचन के दौरान व्यय से संबंधित समितियों व्यय निगरानी सेल, लेखा टीम, फ्लाईंग स्कायड, स्थैतिक निगरानी दल, मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति, व्यय लेखा, वीडियो अवलोकन दल आदि के विषय में जानकारी ली। व्यय प्रेक्षक ने निर्देशित किया कि निर्वाचन के दौरान व्यय से संबंधित समस्त गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जाये।

उन्होंने आचार संहिता के दौरान अभ्यर्थियों द्वारा किए जाने वाले व्यय की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी के व्यय अनुवीक्षण के लिए विशेष ध्यान देते हुए कार्य करने की आवश्यकता है। व्यय अनुवीक्षण कार्य के लिए गठित टीम अभ्यर्थी के खर्च की निगरानी करें। व्यय कार्यों के लिए गठित टीम व्यय के रिकार्ड मेंटेन करते हुए डेली रिपोर्ट निर्धारित प्राप्रूप में उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि एकाउंटिंग टीम प्रतिदिन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। एसएसटी, एफएसटी, वीवीटी और वीएसटी की टीम द्वारा की जाने वाली कार्रवाई के संबंध में जानकारी ली। व्यय प्रेक्षक ने निर्देशित किया कि फ्लाईंग स्कायड, स्थैतिक निगरानी दल तथा निर्वाचन व्यय से संबंधित टीमें विभिन्न जांच नाकों सहित अन्य स्थानों पर अलर्ट रहें।

बैठक में व्यय प्रेक्षक कोषांग के वरीय/नोडल पदाधिकारी, एमसीएमसी कोषांग के वरीय/नोडल पदाधिकारी, एमसीसी कोषांग के वरीय/नोडल पदाधिकारी, सहायक आयुक्त उत्पाद समेत सभी सहायक व्यय प्रेक्षक, सभी अकाउंटिंग टीम, सभी एसएसटी, सभी एफएसटी, सभी एमसीएमसी कोषांग के सदस्य, सभी विविटी, सभी वीएसटी मौजूद रहे।

बस व ट्रक के बीच टक्कर, चालक की मौत

धनबाद (कासं) : जिले के तोपचांची थाना अंतर्गत कोटालअड्डा में मंगलवार अहले सुबह नेशनल हाईवे पर कोलकाता बाबूघाट से बिहार के नवादा जा रही राज बस ने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दिया। घटना में बस चालक की मौत हो गई तथा दर्जन भर यात्री घायल हो गए। मृत बस चालक पटना हाजीपुर निवासी के रुप में हुआ है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार वर्धमान में यात्रियों को खाना खिलाने के बाद चालक बस को काफी तेज गति से चला रहा था। टक्कर के बाद बस का अगला हिस्सा पूरी तरह ट्रक के पीछे घूस गया। बस चालक काफी समय तक ट्रक और बस के बीच फंसा रहा। पुलिस व एनएच कर्मियों की मदद से चालक तथा बस में सवार यात्रियों को बहार निकाला गया। गंभीर रुप से जख्मी लोगों को इलाज़ के धनबाद स्थित एसएनएमएमसीएच अस्पताल भेज दिया गया।

काँग्रेस नेता ललन चौबे ने थामा भाजपा का दामन

धनबाद (कासं) : भाजपा प्रत्याशी के मंगलवार को नामांकन के बाद धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में हुई सभा के बीच बुजुर्ग कांग्रेसी नेता ललन चौबे भाजपा में शामिल हो गए। इसके पहले उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। धनबाद से कांग्रेस उम्मीदवार अनुपमा सिंह को बनाए जाने का वह विरोध कर रहे थे। इस्तीफा देने के बाद आज वह भाजपा में शामिल हो गए। मंच पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने उन्हें भाजपा में शामिल कराया। यह परिवर्तन लोगों को आश्चर्य में भी डाल दिया है। क्योंकि ललन चौबे कांग्रेस के पुराने नेता रहे है। पूर्व सांसद ददई दुबे के वह प्रबल समर्थक बताए जाते है। अनुपमा सिंह को टिकट मिलने के बाद ही उन्होंने इस्तीफा देने की घोषणा की थी।

उसके बाद अनुपमा सिंह के पति अनूप सिंह ने कहा था कि ललन चौबे और ढुल्लू महतो में कोई अंतर नहीं है। मैं इतना असभ्य नहीं हूं कि सारी बातें खोल कर बताऊ। जो भी हो लेकिन इस्तीफा देने के पहले ललन चौबे विधायक अनूप सिंह पर काफी हमलावर थे। इस हमले की परिणिति आज भाजपा में शामिल होकर सामने आई। वैसे भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो तो बोकारो जाकर पूर्व सांसद ददई दुबे से भी मुलाकात की थी। ददई दुबे से उन्होंने जीत का आशीर्वाद लिया था। जो भी हो लेकिन लगता है कि धनबाद में आया राम गया राम का सिलसिला एक बार फिर शुरू होगा। इससे किस पार्टी को कितना फायदा होगा, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। इतना तो तय है कि धनबाद लोकसभा चुनाव घातप्रतिघात का भी गवाह बनेगा।

बीसीसीएल में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के लिए आयोजित हुआ सम्मान समारोह

धनबाद (कासं) : भारत कोकिंग कोल लिमिटेड से अप्रैल महीने में सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के लिए सामुदायिक भवन कोयला नगर में विदाईसह-सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक कार्मिक मुरली कृष्ण रमैया ने की और इस अवसर पर निदेशक वित्त राकेश कुमार सहाय एवं महाप्रबंधक कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध विद्युत साहा भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि आज बीसीसीएल से ९ अधिकारियों सहित कुल १५७ कार्मिक सेवानिवृत्त हुए। कोयला भवन मुख्यालय से ११ कार्मिक सेवानिवृत्त हुए। कंपनी से सवानिवृत्त होने वाले ९ अधिकारियों एवं कोयला भवन मुख्यालय से सेवा सेवानिवृत्त होने वाले ६ कर्मचारियों सहित १५ कार्मिकों (सूची संलग्न) के लिए मुख्यालय द्वारा आयोजित विशेष सम्मान समारोह में सभी कार्मिक अपनेअपने परिवार के सदस्यों सहित उपस्थित हुए। विभिन्न क्षेत्रों में भी कंपनी से सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के लिए विदाई समारोहों का आयोजन किया गया। सेवानिवृत्ति होने वाले कार्मिकों को बीसीसीएल द्वारा पीएफ चेक, पेंशन पीपीओ आदि जरूरी दस्तावेजों के साथ ही तथा शॉल श्रीफल एवं एक स्मृतिचिह्न आदि भी भेंट किया गया।

इस अवसर पर कार्मिकों को शुभकामना संदेश देते हुए निदेशक कार्मिक मुरली कृष्ण रमैया ने कहा सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले आर्थिक लाभ अथवा पैसे का पूरी समझदारी के साथ उपयोग करना चाहिए। कार्मिकों को अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखते हुए अपनी दिनचर्या व्यवस्थित करनी चाहिए। वहीं निदेशक वित्त राकेश कुमार सहाय ने सभी को शुभकामना देते हुए कहा कि कंपनी आज जिस मुकाम पर है उसमें हमारे सभी वरिष्ठ साथियों का महत्वपूर्ण योगदान है। बीसीसीएल उन्नति के पथ पर अग्रसर है इसमें सेवानिवृत्त होने वाले हमारे सभी साथियों का महत्वपूर्ण योगदान है। मौके पर उपस्थित सीएमओएआई के अध्यक्ष ए. के सिंह, इनमोसा के महासचिव सचिव कृश कुमार सिंह एवं स्टॉफ कोऑर्डिनेशन के आशीष सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन पीआरओ उदयवीर सिंह ने किया।

मुख्यालय से सेवा सेवानिवृत्त होने अधिकारी व कर्मियों में सिद्धार्थ शंकर दास, महाप्रबंधक (खनन), माया शंकर पाण्डेय, महाप्रबंधक (वि० एवं यांत्रिक), वी. पलानीचामी, मुख्य प्रबंधक (उत्खनन), अभिजीत पाल, मुख्य प्रबंधक (सिस्टम), दीपक कुमार सिन्हा, वरीय प्रबंधक (सचिवीय), नव कुमार चक्रवर्ती, उप प्रबंधक (खनन), अभिजीत चटर्जी, वरिष्ठ अधिकारी (वित्त), अनिरुद्ध प्रताप सिंह, अधीनस्थ अभियंता (वि० एवं यां०) मुरलीधर प्रसाद वर्णवाल, अधीनस्थ अभियंता (वि० एवं यां०), रवीन्द्र हाड़ी, सफाई कर्मचारी, अजय कुमार हल्खोर, वरीय आदेशपाल, तरनी प्रसाद चौधरी, कार्यालय अधीक्षक, अशोक कुमार राम, वरीय सुरक्षा प्रहरी, सुरेन्द्र कुमार वर्मा, डाटा इंट्री ऑपरेटर, राम प्रसाद महतो,वरीय राजस्व निरीक्षक आदि मौजूद थे।

सुनैना किन्नर के नामांकन में 3 को शामिल होंगी कौशल्यानंद गिरी

धनबाद (कासं) : लोकसभा चुनाव २०२४ को लेकर धनबाद संसदीय क्षेत्र से एकमात्र प्रत्याशी सुनैना किन्नर आगामी ३ मई को नामांकन करेगी। उन्होंने अपना नामांकन पत्र भी ले लिया है और आगामी ३ मई वह नामांकन करेगी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है की कई प्रत्याशी आलाकमान के द्वारा उनके नामांकन के दौरान बड़े नेताओं के साथ बुलाया जाता है परंतु धनबाद से लोकसभा प्रत्याशी सुनैना किन्नर जिसके नामांकन के दिन मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश की राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य व किन्नर अखाड़ा सनातन महामंदेश्वर एवं प्रयागराज नगर निगम के ब्रांड एंबेसडर कौशल्या नंदगिरी किन्नर भाग लेगी। उनकी तैयारी किन्नर समाज जोरों से कर रही है। यह

धनबाद के लिए एक बहुत बड़ी बात है कि झारखंड में पहली बार और धनबाद लोकसभा से कोई किन्नर समाज चुनाव लड़ रही है और उनके नामांकन के दौरान बंगाल और उत्तर प्रदेश, बिहार समेत कई राज्यों से केंद्र समाज के लोग के लावे कई सामाजिक संस्था के लोग भी शामिल होंगे।

2 उम्मीदवारों ने किया नामांकन

धनबाद (कासं) : लोकसभा चुनाव के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा के समक्ष २ उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। सबसे पहले भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी ढुल्लू महतो ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके बाद निर्दलीय उम्मीदवार प्रेम प्रकाश पासवान ने नामांकन पत्र दाखिल किया। मौके पर उपायुक्त माधवी मिश्रा, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला व अन्य लोग मौजूद थे।

विज्ञान संकाय में खुशबू ने जिला में तीसरा स्थान प्राप्त की

पुटकी (ससे) : जैक इंटरमीडिएट परीक्षा२०२४ के परिणाम में विज्ञान संकाय में धोबनी (मुनीडीह) निवासी खुशबू कुमारी ने ४६० अंक अर्जित कर जिला में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। खुशबू शहीद शक्ति नाथ महतो स्मारक महाविद्यालय सिजुआ की छात्रा है। खुशबू ने बताया कि वह भविष्य में इंजीनियर बनना चाहती है। खुशबू मैट्रिक की परीक्षा२०२२ में बालूडीह पब्लिक स्कूल मुनीडीह से ९४.२ प्रतिशत के साथ प्रथम श्रेणी में पास की थी। खुशबू बचपन से ही अपने नाना घर धोबनी में नाना गोकुल महतो व नानी

कौशल्या देवी, मामा संजय एवं मनोज के साथ रहकर पढ़ाई की। खुशबू का पैतृक गांव मानटांड़ (राजगंज) है। खुशबू के पिता का एक जनरल स्टोर की दुकान है माता गृहिणी है।

डीएवी कोयला नगर में प्रथम जूडो बेल्ट टेस्ट का भव्य आयोजन

धनबाद (कासं) : प्रथम जूडो बेल्ट प्रेडेसन का शानदार आयोजन डीएवी कोयला नगर में किया गया। इसकी जानकारी देते हुए धनबाद जिला जूडो संघ के सचिव पप्पू कुमार ने बताया की भारतीय जूडो महासंघ के निर्धारित सिलेबस के अनुसार बेल्ट टेस्ट लिया गया, जिसमे धनबाद के विभिन्न स्कूलों वा क्लबों से चयनित ७३ जूडो का सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीएवी कोयला नगर के प्राचार्य एन.एन.श्रीवास्तव थे।

ग्रेडेसन में राजकमल स.वि.मंदिर, डीएवी कोयला नगर, धनबाद पब्लिक स्कूल हिरक ब्रांच, धनबाद मार्शेल आर्ट सेंटर आदि के खिलाड़ी सम्मिलित हुए। झारखंड जूडो संघ के आदेशानुसार पप्पू कुमार, ब्लैक बेल्ट (सानदान), सुदीप चक्रवर्ती (ब्लैक बेल्ट, सोदान), आरती कुमारी (ब्लैक बेल्ट, सोदान) वा राहुल शर्मा ने खिलाड़ियों का टेस्ट लिया। बेल्ट

ग्रेडेसन में उत्तीर्ण जूडोकाओं के नाम वा उपाधि इस प्रकार है।

ब्राउन बेल्टपलक परमा, आरती कुमारी, निरज मंडल, राहुल कुमार, शशांक शुक्ला। ब्लू बेल्ट रेड स्ट्रिपस्णवीर ठाकुर, अदिति गुप्ता, संजीव कुमार भारती, निकिता मंडल, आदित्य गुप्ता। ग्रीन बेल्ट रेड स्ट्रिपमियूष कुमार सिंह, लक्ष्मी कुमारी, आदित्य गुप्ता, आयुष कुमार सिंह, शुभम कुमार यादव ओरेंज बेल्ट रेड स्ट्रिपतेजस सिंह। येलो बेल्टलड़कियां- रेयना जालुका, अनुप्रिया लाल, सिद्धी कश्यप, शविशाखा कुमारी, अंजली कुमारी, उर्वी चक्रवर्ती, सीता कुमारी, कोमल कुमारी, सिद्धी तरवे, पूजा कुमारी, अनुषिका, कृत्तिका कुमारी, जयंतिका दास लड़के- युवराज सिंह, राजकुमार ठाकुर, शाहिल महतो, संस्कार, आदर्श राज, कृष कुमार हरी, अंशु मंडल, आर्यमन, अरन्व सिंह, अंश सिंह, शिवम विश्वकर्मा, मो.हम्माद, गुरकिरत सिंह, समीर कुमार, आदर्श शर्मा, विवेक कुमार, कुश कुमार, माही कुमार गुप्ता, आयुष कुमार, रूद्र प्रताप सिंह, युवराज सिंह, अभिषेक बनर्जी, आराध्य सिंह, कुशाग्र कश्यप, युवराज कुमार शर्मा, आतिफ हुसैन, आरव आर्या, प्रशांत कुमार हेम्ब्रम, संकेत सेन, मोहित कुमार ठाकुर, मयंक कुमार रवानी, लक्की अग्रवाल, भावेश गांधी,रुद्र प्रताप झा, श्लोक तरवे, सक्षम सिंह, आदित्य गुप्ता, आदर्श सिंह, संस्कार, सामर्थ्य कुमार,कुमार पाथ्र,अदरीमन भट्टाचार्यजी, अभिनव कुमार, लक्ष्मण कुमार सभी उत्तीर्ण खिलाड़ियों को झारखंड जूडो संघ के अध्यक्ष के.एन त्रिपाठी, महासचिव परीक्षित तिवारी, धनबाद जिला जूडो संघ के अध्यक्ष शैयद मतलुब हासमी, राजकमल स.वि.मंदिर के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा, डीएवी कोयला नगर के प्राचार्य एन.एन.श्रीवास्तव, धनबाद पब्लिक स्कूल हिरक ब्रांच की प्राचार्या पूर्णिमा शिल, विनय रिटोलिया, मो. तोराब खान, दिनेश मंडल, पंचम लाल शर्मा, संजय रवानी, अरूण कुमार, गणेश कुमार सिंह, मनोज सिंह ने बधाई दी है।

जामाडोबा कोलियरी जीएम व डीजीएमएस के विरुद्ध होगा प्रदर्शन : संयुक्त मोर्चा

जामाडोबा (ससे) : उक्त बात सेल की जीतपुर कोलियरी में संचालित संयुक्त मोर्चा यूनियन ने प्रेस कांफ्रेंस में कहीं। संयुक्त मोर्चा ने कहा कि टाटा कम्पनी के लापरवाही के कारण जीतपुर कोलियरी में पानी भर रहा है जिसके कारण जीतपुर कोलियरी में उत्पादन ठप हो गई है। डीजीएम एस टीम एवं टाटा कम्पनी के स्थानीय महाप्रबंधक मिला हुआ है। तीन मार्च को टाटा कम्पनी ने सेल एवं डीजीएमएस को एक पत्र दिया जिसमें लिखा हुआ है कि टाटा जामाडोबा ने कहा कि मैं कोलियरी को बंद कर दिया जिसका जानकारी दी जाती है। एक माह बाद डीजीएमएस ने जीतपुर कोलियरी में द्वारा किया और पिछले २२/४/२०२४ से खदान जाने पर मजदूरों पर रोक लगा दिया गया जिसके कारण उत्पादन ठप है।

सेल जीतपुर कोलियरी के प्रबंधक की भी लापरवाही से इंकार नहीं किया जा सकता है। लगभग एक हजार ठेका मजदूर आदि बेरोजगार हो गए और उसके सामने आर्थिक स्थिति गंभीर हो गई। जीतपुर कोलियरी के प्रबंधक भी पानी रिसावों में लापरवाही बरतने में शामिल हैं।

टाटा कम्पनी तत्काल अपने कोलियरी से हो रहा पानी रिसाव पर रोक लगा कर जीतपुर कोलियरी प्रबंधक को खबर करें नहीं तो घेराव प्रदर्शन होगा। प्रेस वार्ता में संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधियों ने संबोधित किया जिसमें सचिन सिंह, अमरजीत पासवान, मो० इस्लाम, रमन मिश्रा, विकास कुमार सिंह, पी के दुबे, महेंद्र चौधरी आदि थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 68991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

जैक आर्ट्स में जिला टॉपर बनी सुहाना परवीन

कतरास (ससे) : जैक आर्ट्स का रिजल्ट आते ही अंगारपथरा में खुशियों का लहर दौड़ गई है। सुहाना परवीन ने ८७ प्रतिशत अंक लकार अपने कतरास कॉलेज सहित जिला टॉपर बनी। परवीन ने बताई की ५०० में ४३५ अंक जो ८७ है। वही डीएवी हाई स्कूल कतरास से मैट्रिक में ८९ लाकर स्कूल में टॉप बनी थी, बताया जाता है कि परवीन के पिता एमडी शाहनवाज अंसारी जो पेशे से कार पेंटर है। मां गृहिणी है।

प्रवीण दो बहनों में बड़ी है जो छोटी बहन मैट्रिक का एग्जाम इस वर्ष दी है। सुहाना प्रवीण ने छात्रों को अपने संदेश में बताई की एक घंटा भी अगर पढ़ाई करते हैं तो काफी लगन से होनी चाहिए। पढ़ाई में अपने मम्मी और मामा को श्रेय देना चाहती हूं जो हमें इस काबिल बनाने का प्रयास किया है और आगे में सीविल इंजिनियर बनना चाहती हूं। मैं अपनी पढ़ाई के दौरान ट्यूशन और यूट्यूब के माध्यम से पढ़ाई को पूर्ण किया हूं।

जैक साइंस का रिजल्ट आते ही नमन विद्या कतरास में खुशी की लहर दौड़ गई। नमन विद्या के छात्रछात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। नमन विद्या की रक्षा कुमारी ८६.४, सानिया कुमारी ८४.८, अजीत कुमार महतो ८३.२, पृथ्वीराज प्रजापति ८१, सुजल कुमार गुप्ता ८१, आरती कुमारी ८०.२, सागर कुमार महतो ७९.२, करण शर्मा ७९, कोमल क्युकुमारी ७८.६, पूजा कुमारी ७७.२, विजय कुमार साव ७७.२, आशीष कुमार साव ७७.२, उदय कुमार रजवार ७७, खुशबू कुमारी ७७, मुस्कान कुमारी ७६.२, दीपक कुमार साव ७६.२, शिवकुमार साव ७६.२, विशाल प्रसाद ७५.६, जितेंद्र दत्ता ७५.२, अजय कुमार मंडल ७५ ,अनुज कुमार साव ७४.८, अमित कुमार साव ७४.६, सौरव कुमार दास ७४, सन्नी कुमार दास ७४, बबलू कुमार पांडे ७४, शानु कुमारी ७३.४, राजेश कुमार महतो ७३.४, कार्तिक कुमार ७३, नारायण कुमार साव ७२.४, सुरुचि कुमारी ७२.२, अनीश हेस्दा ७१.८ , विवेक कुमार महतो ७१.६, अरमान अंसारी ७१, अजय कुमार राजवर् ७१ उर्वशी कुमारी ७१ संदीप कुमार ७१, निशांत कुमार सिंह ७०.६ आदि ने सफलता प्राप्त की। नमन विद्या के निर्देशक कृष्णानंद पांडेय ने सफल छात्र-छात्राओं को बधाई दी एवं नमन विद्या के कोऑर्डिनेटर गुड्डी सिंह, मधु सिंह, वैशाली सिंह एवं ब्यूटी कुमारी शर्मा ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कॉमर्स में परिणीति ने जिले में तीसरा स्थान हासिल की

पुटकी (ससे) : जैक द्वारा जारी इंटर कॉमर्स के परिणाम में चिरूडीह की परिणीति कुमारी ने ४५६ अंक प्राप्त कर जिले में तीसरा स्थान हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। परिणीति ने इंटर की पढ़ाई शहीद शक्ति नाथ महतो स्मारक महाविद्यालय, सिजुआ की छात्रा है। उसके पिता अनिल कुमार महतो चाय नास्ता की दुकान चलाते है जबकि माँ रीता देवी गांव की जेएसएलपीएस में काम करती है। परिणीति ने दसवीं की पढ़ाई आईएसएल मुनीडीह से ६० प्रतिशत अंक के साथ पास किया था। वहीं वो भविष्य में बैंक मैनेजर बनना चाहती है। सेल्फ स्टडी एवं मोबाइल का सही इस्तेमाल कर सफलता प्राप्त किया है। वो अपनी कामयाबी का श्रेय अपने माता - पिता के अलावा अपनी शिक्षिका मासी उषा कुमारी को देती है।

लोकसभा चुनाव को ले बीडीओ ने की बैठक

बलियापुर (ससे) : प्रखंड कार्यालय सभागार में मंगलवार को बीडीओ राजेश कुमार सिन्हा ने लोकसभा चुनाव २०२४ की तैयारी के साथसाथ प्रखंड क्षेत्र में चल रहे विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित किया। बैठक में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सभी मतदान केंद्रों में न्यूनतम सुविधाए सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं के लिए मतदान केंद्रों में सुगम एवं सुखद अनुभव के लिए उन्हें सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। बीडीओ श्री सिन्हा ने उपस्थित कर्मचारियों को मतदान के दिन से ३ दिन पूर्व मतदान केंद्रों पर उपलब्ध एएमएफ का सामाजिक अंकेक्षण ग्रामीण विकास विभाग के सोशल ऑडिट के द्वारा किया जाएगा। अत: सभी मतदान केंद्रों पर पुन सत्यापन कर शत प्रतिशत एएमएफ सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही साथ बैठक में मनरेगा एवं अबुआ आवास योजनाओं की प्रगति के बारे में भी जानकारी प्राप्त की गई। बैठक में निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आवश्यक दिशानिर्देश दिया गया। बैठक में बीपीआरओ मो आलम, बीपीओ विशाल कुमार, प्रखंड को-ऑर्डिनेटर, पंचायत सचिव एवं रोजगार सेवक मौजूद थे।

आमझर के ग्रामीणों ने पानी के लिए किया प्रदर्शन

बलियापुर (ससे) : आमझर गांव में पेयजल को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन। विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया। ग्रामीणों का कहना है कि विगत १५ दिनों से सोलर पानी टंकी खराब है। इसको लेकर मुखिया विभाग की जेई विधायक पत्नी तारा देवी से भी समस्या का अवगत कराया गया। इसके बावजूद समस्या का निदान नहीं हुआ। ग्रामीण महिलाएं दूसरे गांव टोला दूरदराज से पानी ला रही है। ग्रामीणों ने कहा है कि शीघ्र जल समस्या से निजात नहीं किया गया तो प्रखंड कार्यालय मे प्रदर्शन करेंगे । ग्रामीणों का कहना है कि आमझर पंचायत में तकरीबन ८ हजार की आबादी है। पंचायत में नल जल योजना का लाभ नहीं मिल रहा। विभाग द्वारा सिर्फ पाइप बिछाया है। लगें पाइप जहां तहां फट गया है। व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो इसको लेकर जोरदार आंदोलन किया जाएगा। मौके पर समीर प्रमाणिक, संदीप प्रमाणिक, तापस दास, निर्मल गोप, रितेश कार्लिंदी, विकास कार्लिंदी, प्रदीप कार्लिंदी, बबलू कार्लिंदी, कमला डोमीन, सीमा डोमीन, सावित्री डोमीन, रेखा डोमीन, रीना सिंह, विमला देवी, चंपा देवी डोमीन आदि मौजूद थे।

एआईएसएमजेडब्ल्यूए ने दिवंगत पत्रकार के परिवार को दिया श्राद्ध का खर्च

धनबाद (कासं) : ऑल इंडिया स्मॉल एण्ड मीडियम जर्नलिस्ट वैलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव प्रीतम सिंह भाटिया ने जमशेदपुर के दिवंगत पत्रकार बिनोद दास के आश्रितों को पेंशन, आवास, बिजली, पानी, शिक्षा और आर्थिक सहयोग की मांग की है। इस संदर्भ में श्री भाटिया ने जमशेदपुर शहरी जिला महासचिव आशीष गुप्ता के नेतृत्व में कोल्हान आयुक्त को ७ सूत्री मांग पत्र सौंपा है। आयुक्त हरि किशोर केशरी ने पत्रकारों को आश्वस्त किया कि इस संदर्भ में उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम को निर्देशित किया जाएगा और आश्रितों को सभी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में एसोसिएशन के कोल्हान प्रभारी अजय महतो, कोल्हान अध्यक्ष रणजीत राणा और देवेंद्र सिंह मौजूद थे।

इसके अलावा एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव प्रविंद पांडेय ने भी ७ सूत्री मांग पत्र राज्यपाल के नाम ई मेल द्वारा भेजा है।

ऐसोसिएशन के शहरी जिला अध्यक्ष बिनोद सिंह द्वारा भी एक मांग पत्र उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम को सौंपा गया है। उपायुक्त अनन्य मित्तल द्वारा

डीडीसी और एसडीएम को बिनोद दास के आश्रितों को तमाम सरकारी योजनाओं से जोड़ने का निर्देश दिया है। मौके पर प्रदेश सचिव नागेंद्र कुमार, शहरी जिला सचिव अरूप मजूमदार, इंद्रजीत भुल्लर, अमिताभ वर्मा, मनोज शर्मा, दिनेश श्रीवास्तव सहित अन्य कई पत्रकार उपस्थित थे।

इतना ही नहीं बल्कि बिनोद दास के श्राद्ध भोज का पूरा खर्च उठाने के साथ उनके बेटे अभिषेक दास के एकाउंट में लगभग ७० हजार रुपए तीन दिन में ही भिजवा दिया। यह राशि जमशेदपुर व कुछ जिलों के पत्रकारों और समाजसेवियों ने मिलकर अभिषेक के एकाउंट में सीधे फोन पे और गूगल पे के माध्यम से भेजे। इतना ही नहीं पत्रकारों ने अब बिनोद दास की पोती सृष्टि दास को भी पढ़ाने लिखाने का जिम्मा लिया है।

जमशेदपुर में अपने साथी पत्रकार बिनोद दास की मौत पर झारखंड और विशेषकर जमशेदपुर के पत्रकारों ने जो कर दिखाया उसकी चर्चा सभी जिलों में हो रही है। इस तरह का उदाहरण कोई पहली बार नहीं बल्कि इससे पहले भी लातेहार और जामताड़ा में भी ६ माह पहले ही पत्रकारों ने प्रस्तुत किया है। जब जामताड़ा में एआईएसएमजेडब्ल्यूए से जुड़े एक पत्रकार की हालत गंभीर हुई। तब सभी पत्रकारों ने स्थानीय लोगों से सहयोग लेना शुरू कर दिया और आखिर उसकी जान बचाई। इसी तरह लातेहार में पत्रकार अजय सिन्हा की संदेहास्पद मौत के बाद उसकी पत्नी को लातेहार और एसोसिएशन से जुड़े पत्रकारों ने अन्य जिलों से भी मदद भेजी। इस तरह से पत्रकार साथियों ने अजय सिन्हा की पत्नी को न सिर्फ आर्थिक मदद दी बल्कि बल्कि सभी जिलों से ज्ञापन सौंपा गया और घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई।

एआईएसएमजेडब्ल्यूए झारखंड का पहला ऐसा पत्रकार संगठन है जो राज्य के सभी पत्रकारों को बिना किसी भेदभाव के मदद कर रहा है। इस संगठन से जुड़े पत्रकारों को यही सिखाया जाता है कि चाहे किसी भी हाऊस या संगठन से जुड़े पत्रकार हों अगर उन्हें मुसीबत में मदद नहीं मिली तो संगठन बनाने का कोई मतलब नहीं है।

हरि कीर्तन के प्रख्यात गायक प्रहलाद प्रसाद का निधन

केंदुआ (ससे) : राष्ट्रीय जनता श्रमिक संघ के संयुक्त महामंत्री उदय शर्मा के चचेरे भाई वरिष्ठ शिक्षक एवं केंदुआ बाजार ठाकुरबाड़ी रोड निवासी भक्ति संगीत व् अखण्ड हरि कीर्तन के प्रख्यात गायक प्रहलाद प्रसाद ५५ वर्ष का मंगलवार को उपचार के दौरान कोलकाता के वीएम बिड़ला अस्पताल में निधन हो गया। उनका विगत एक सप्ताह से पेट में संक्रमण का उपचार चल रहा था। वे अपने पीछे पत्नी निर्मला देवी पुत्र विक्रम प्रसाद, सूरज प्रसाद, पुत्री काजल कुमारी सहित भरापूरा परिवार छोड गये है। इनके आकस्मिक निधन पर पूर्व मंत्री आबो देवी विकास परिषद के सचिव सुनील सिंह, राष्ट्रीय जनता श्रमिक संघ के महामंत्री अवधेश कुमार ने गहरा शोक

एवं हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए नेता द्वय ने कहा कि श्री प्रसाद का जाना शिक्षा जगत के युग में एक युग का अंत है। वे मृदुभाषी, व्यवहार कुशल व शिक्षाविद् के रूप में जाने जाते थे जो उनके जाने के बाद सदा के लिए रिक्त हो गया। उनका निधन से समाज को अपूर्णिय क्षति हुई है।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं उनके चाहने वाले को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करें। निधन पर शोक व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से राजद पूर्व महानगर अध्यक्ष मंसूर आलम गरीब उत्थान एजुकेशनल फॉण्डेशन के सचिव प्रवीण कुमार विश्वकर्मा बढ़ई कल्याण संस्थान के सचिव रंजीत शर्मा, सीताराम यादव, रंजन शर्मा, प्रेम किशोर विप्लवी, रविंद्र वर्मा, मदन तांती आदि शामिल थे।

धनबाद के इतिहास में पहली बार इंटर कला के टॉप10 में एक भी लड़के नहीं

धनबाद (कासं) : झारखंड अधिविद्य परिषद की ओर से मंगलवार को जारी किए गए १२वीं बोर्ड के परिणाम में

> वाणिज्य के टॉप-1में 13 विद्यार्थियों में 12 लड़कियां

धनबाद में बेटियों का दबदबा रहा। धनबाद का पास प्रतिशत ९३.९९ रहा। परिणाम के आधार पर धनबाद ने राज्य में १४वां स्थान प्राप्त किया। धनबाद से २८१४३ छात्र तीनों संकाय की परीक्षा के लिए पंजीकृत थे। इसमें २६४५१ छात्र परीक्षा में शामिल हुए। इंटर कला में कतरास कॉलेज कतरासगढ़ की सुहाना परवीन ने ४३३ अंक प्राप्त कर जिले में टॉप किया। वाणिज्य में डीएवी प्लस टू हाई स्कूल पाथरडीह की जैनब फातमा ने ४५९ अंक और विज्ञान में प्लस टू हाई स्कूल टुंडी के गौरव कुमार ने ४६५ अंक प्राप्त कर जिले में टॉप किया। वहीं जिले के इतिहास में यह पहली बार है, जब इंटर कला के टॉप-१० में एक भी लड़के नहीं हैं। टॉप१० में १७ लड़कियों ने जगह बनाई है। इसी तरह वाणिज्य में भी टॉप१० की लिस्ट में पहले चार पायदान पर लड़कियां ही हैं। पूरी लिस्ट में कुल १३ विद्यार्थियों में १२ लड़कियां है।

राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियनू की बैठक संपन्न

लोयाबाद (ससे) : राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की एक बैठक मंगलवार को संयुक्त महामंत्री रवि चौबे के आवासीय कार्यालय में हुआ। बैठक में १ मई को धनबाद लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह के नामांकन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का निर्णय लिया गया। रवि चौबे ने बताया कि इस बार के चुनाव में धनबाद से भाजपा का किला धवस्त कर कांग्रेस धनबाद जिला में परचम लहरायेगी।

पूरे देश से एनडीए का ४०० पारा का नारा फ्लाप हो गया है। २ चरण के चुनाव रूझान में इंडी गठबंधन काफी बढ़त बना चुकी है। महगांई, बेरोजगारी से त्रस्त जनता इस बार जुमलो की सरकार को हटाकर इंडी गठबंधन की पूरी बहुमत से सरकार बनाने जा रही। बैठक मे चांद खान, अजय कुमार यादव, प्रदीप कुमार, गया प्रसाद, हकीम खान, संजय कुमार, विजय यादव, राकेश सिंह, राममहेश अधिकारी, उस्मान मियां, ताज खान, संजय चौहान, संतोष कुमार आदि शामिल थे।

पीएम मोदी का गुजरात में तूफानी दौरा आज से

अहमदाबाद (ईएमएस) : १ मई को गुजरात का स्थापना दिवस है और इसी दिन से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार का श्रीगणेश करेंगे। १ मई से दो दिवसीय चुनावी दौरे पर आ रहे पीएम मोदी

पहले दिन उत्तर गुजरात के डीसा और हिम्मतनगर में जनसभा को संबोधित करेंगे। १ मई को दो जनसभा कर पीएम मोदी बनासकांठा, पाटन, साबरकांठा, मेहसाणा और अहमदाबाद पूर्व लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों को कवर करेंगे। पीएम मोदी १ मई को दोपहर ३.३० बजे डीसा एयरपोर्ट ग्राउंड में और शाम ५.१५ बजे हिम्मतनगर के मोदी ग्राउंड जनसभा करेंगे। डीसा और हिम्मतनगर में जनसभा के बाद पीएम मोदी विश्राम गांधीनगर स्थित राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे। राजभवन में पीएम मोदी भाजपा नेताओं के साथ चुनाव संबंधी बैठक कर सकते हैं। गुजरात दौरे के दूसरे दिन पीएम मोदी सुबह ११ बजे आणं के शास्त्री मैदान में चुनावी रैली करेंगे। दोपहर १ बजे सुरेन्द्रनगर के वढवाण के त्रिमंदिर ग्राउंड में, दोपहर ३.३० बजे जूनागढ़ में कृषि यूनिवर्सिटी मैदान और शाम ५ बजे जामनगर के प्रदर्शन ग्राउंड में चुनावी सभा करेंगे। इस प्रकार पीएम मोदी दो दिन में ६ जनसभाएं कर कच्छसौराष्ट्र, उत्तर गुजरात और मध्य गुजरात के लोगों तक अपना संदेश पहुंचाएंगे। ६ जनसभाओं के जरिए पीएम मोदी गुजरात की १४ लोकसभा सीटों को कवर करेंगे।

कन्नूर में कार व लॉरी की टक्कर में 5 परिजनों की मौत

कन्नूर (ईएमएस) : केरल के कन्नूर में सोमवार देर रात एक कार और लॉरी की टक्कर में बच्चे सहित ५ परिजनों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि सभी मृतक कार में सवार थे। मृतकों की पहचान सी सुधाकरन (५२), उनकी पत्नी अजिता (३५), उनके ससुर के कृष्णन (६५) और अजित (अजीता के भाई) के बेटे आकाश (९) एवं कार चालक केएन पद्मकुमार के रूप में हुई है।

यह परिवार कासरगोड जिले के चित्तरिक्कल के पास भीमनदी का रहने वाला था। इन सभी की मौके पर ही मौत हो गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए परियाराम के कन्नूर मेडिकल कॉलेज में रखा गया है। यह दुर्घटना देर रात लगभग २२४५ बजे पुझाचेरी पेट्रोल पंप के पास हुई। ये लोग कार से कोझिकोड में सुधाकरन के बड़े बेटे सौरव से मिलकर अपने घर लौट रहे थे तभी उनकी कार कन्नूर की ओर जा रहे एलपीजी से भरे ट्रक से टकरा गयी। सूत्रों के अनुसार कासरगोड की ओर जा रही एक अन्य लॉरी ने पहले कार को टक्कर मारी जिससे कार अनियंत्रित हो गयी और फिर एलपीजी से भरे टैंकर से टकरा गयी। टक्कर में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और स्थानीय निवासियों व अग्निशमन कर्मियों और कन्नापुरम पुलिस ने कार के दरवाजे तोड़कर शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि कन्नापुरम पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज किया और लॉरी के दो चालकों को हिरासत में ले लिया गया है।

श्योर सक्सेस के छात्रों ने सफलता हासिल की

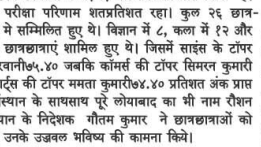

लोयाबाद (ससे) : श्योर सक्सेस जोन के बच्चों ने इंटर की परीक्षा में हर साल की भांति इस साल भी छात्र छात्राओं ने बढ़चढ़ कर सफलता प्राप्त किया है। कोचिंग की परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत रहा। कुल २६ छात्र-छात्राएं परीक्षा मे सम्मिलित हुए थे। विज्ञान में ८, कला में १२ और वाणिज्य में ६ छात्रछात्राएं शामिल हुए थे। जिसमें साइंस के टॉपर प्रीतम कुमार रवानी७५.४० जबकि कॉमर्स की टॉपर सिमरन कुमारी ८०.२० एवं आर्ट्स की टॉपर ममता कुमारी७४.४० प्रतिशत अंक प्राप्त कर कोचिंग संस्थान के साथसाथ पूरे लोयाबाद का भी नाम रौशन किया है। संस्थान के निदेशक गौतम कुमार ने छात्रछात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किये।

कुसुण्डा डीएवी के 5 छात्रों ने जेईई मेंस में की सफलता हासिल

केन्दुआ (ससे) : डीएवी पब्लिक स्कूल कुसुंडा, धनबाद के पाँच बच्चों ने जेईई मेन्स२०२४ की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विद्यालय व अपने मातापिता का नाम रोशन किया है। इसमें सानू झा ने ९७.८०, अभिषेक मंडल ९१.९८, कुमारी मुस्कान ८९.९४, साक्षी कुमारी ८८.५८ व मीनू कुमारी ने ६८.२२ प्रतिशत अंक हासिल किया है। विद्यालय की प्राचार्या झूमा महता ने बच्चों की सफलता पर बच्चों, शिक्षकों व अभिभावकों को बधाई व शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि बच्चों की सफलता उनके कठिन परिश्रम, अभिभावकों व शिक्षकों के आशीर्वाद का परिणाम है। उन्होंने बच्चों का उज्जवल भविष्य की कामना किये।

केजरीवाल को चुनाव पूर्व क्यों किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (ईएमएस) : आम चुनाव से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से सवाल करते हुए जवाब पेश करने को कहा है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने मंगलवार को अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से समय के सवाल पर जवाब देने को कहा।

शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान ईडी से सवाल करते हुए कहा, कि जीवन और स्वतंत्रता बेहद महत्वपूर्ण हैं। आप इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं। इसके साथ ही पीठ ने एसवी राजू से अनेक सवाल किए और जांच एजेंसी से केजरीवाल की उस याचिका पर सुनवाई की अगली तारीख पर जवाब देने को कहा, जिसमें उन्होंने आबकारी नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी हुई है। इस मामले की सुनवाई अदालत में शुक्रवार को होने की संभावना जताई गई है।

गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में २१ मार्च को ईडी ने पूछताछ के दौरान ही गिरफ्तार कर लिया था। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में हैं।

लोस चुनाव के लिए 3 ने खरीदा नामांकन पत्र

धनबाद (कासं) : अपर नगर आयुक्त प्रकाश कुमार ने बताया कि मंगलवार को सामान्य वर्ग के लिए ३ व्यक्ति ने २५२५ हजार का भुगतान करके नामांकन पत्र खरीदे। नामांकन पत्रों की बिक्री कार्यालय अवधि के दौरान कलेक्ट्रेट में की जा रही है। बिक्री काउंटर पर जिला पंचायती राज विभाग के प्रधान सहायक रमेश कुमार तिवारी, शंभु महतो, नंदलाल चौहान मौजूद थे।

गर्म हवा व लू का बढ़ा प्रकोप, बरतें सावधानी : उपायुक्त

बोकारो (ससे): जिले में गर्म हवा/लू का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है जिसके कारण छोटी-छोटी असावधनियों से जान-माल की क्षति की संभावना बनी रहती है। गर्मी के मौसम में संभावित लू से सरकारी/निजी/मान्यता प्राप्त विद्यालयों, कालेजों के छात्रों/मनरेगा एवं अन्य संस्थाओं में कार्य करने वाले श्रमिकों एवं अन्य लोगों पर इसका ज्यादा असर पड़ने की संभावना रहती है। इसको लेकर उपायुक्त विजया जाधव ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को जरूरी दिशा - निर्देश एवं आम जनों को क्या करें और क्या न करें को लेकर अपील जारी किया है।

सिविल सर्जन, बोकारो को निर्देश दिया जाता है कि हीट वेब से बचाव के लिए सदर अस्पताल/पी०एच०सी०/सी०एच०सी०/ एच०एस०सी० में पर्याप्त मात्रा में ओआरएस एवं आवश्यक दवाईयां उपलब्ध रखेंगे। साथ हीं जिले के सभी निजी अस्पतालों में भी ओआरएस एवं आवश्यक दवाईयां की उपलब्धता रखने के स्पष्ट निर्देश जारी करेंगे।

जिला शिक्षा पदाधिकारी/ जिला शिक्षा अधीक्षक, बोकारो जिले के सभी सरकारी/निजी/ मान्यताप्राप्त विद्यालयों एवं कालेजों के बच्चों को हीट वेब से बचाव के लिए ओआरएस एवं आवश्यक सामाग्रियां विद्यालय में उपलब्ध रहें, इसे सुनिश्चित करेंगे।

उप विकास आयुक्त, बोकारो/सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, बोकारो जिला महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, २००५ के दिशा - निर्देश २०१३ की कंडिका-७.१२ में कार्य स्थल पर सुविधाओं की उपलब्धता के संबंधित में दिए गए निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन कर श्रमिकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करायेंगे तथा उससे बचाव हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार कराएंगे।

उप निर्वाचन पदाधिकारी, बोकारो को मतदाओं को हीट वेब से बचाव के लिए मतदान केन्द्रों पर ओआरएस ठंडा पानी एवं अन्य आवश्यक सामाग्रियों की उपलब्धता कराते हुए छाया की व्यवस्था करानी सुनिश्चित करेंगे।

अपर नगर आयुक्त, बोकारो/कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पर्षद, फुसरो को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में हीट वेब से बचाव के लिए ओआरएस एवं अन्य आवश्यक सामाग्रियां उपलब्धता कराएंगे। इस कार्य में अधिनस्थ क्षेत्र के लोक उपक्रमों/एन०जी०ओ० एवं सक्रिय संस्थानों का सहयोग प्राप्त करेंगे। चौक - चौराहे/रेलवे स्टेशन/बस पड़ाव, रैन बसेरा इत्यादि स्थलों पर शुद्ध ठंडा पानी की व्यवस्था करवायेंगे। अपर समाहर्ता, बोकारो को निदेश दिया जाता है कि हीट वेब से बचाव के लिए जिला आपदा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित कराकर सभी आवश्यक उपाय करवाना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही इस संदर्भ में प्रेस कान्फ्रेन्स आयोजित कराकर हीट वेब से बचाव हेतु क्या करें एवं क्या न करें से संबंधित प्रेस/अखबार के माध्यम से अपील जारी करेंगे।

जिला पंचायत राज पदाधिकारी, बोकारो को निदेश दिया जाता है कि सभी माननीय जन प्रतिनिधियों यथा- मुखिया, पंचायत सचिव, वार्ड परिषद, जिला परिषद के सदस्यों, विधायकों से सहयोग प्राप्त कर ग्राम स्तर तक हीट वेब से बचाव के लिए ओआरएस एवं अन्य आवश्यक सामाग्रियां की उपलब्धता सुनिश्चित करवायेंगे। विशेषकर मुखिया/पंचायत सचिव को विशेष निर्देश देते हुए १४वें वित आयोग की राशि से भी उक्त व्यवस्थाएं करावाना सुनिश्चित करेंगे।

जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी, बोकारो को निदेश है कि जिले में अवस्थित लोक उपक्रमों/अन्य संस्थानों के द्वारा सी०एस०आर० मद से हीट वेब से बचाव के लिए ओआरएस एवं अन्य आवश्यक सामाग्रियां उपलब्धता करायेंगे।

कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, चास/तेनुघाट यह सुनिश्चित करायेंगे कि जिले में कहीं भी पीने के पानी की किल्लत नहीं हो। इसके लिए खराब पड़े चापानलों को युद्धस्तर पर ठीक करायेंगे एवं आवश्यकतानुसार नये चापानलों का अधिष्ठापन करवायेंगे। जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी को निदेश दिया जाता है कि हीट वेब से बचाव के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करायेंगें। इसके लिए स्थानीय दैनिक अखबारों में प्रकाशित कराते हुए माईकिंग करायेंगे। लू खतरनाक साबित हो सकती हैं।

बीएसएल से सेवानिवृत कर्मचारियों की विदाई

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट से अप्रैल '२०२४ माह में सेवानिवृत होने वाले कर्मियों के लिए मानव संसाधन विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया. इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महा प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) हर्ष निगम उपस्थित थे।

समारोह के आरम्भ में सहायक महाप्रबंधक (कार्मिक) डॉ नन्दा प्रियदर्शिनी ने आगंतुकों का स्वागत किया तथा सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को अंतिम निपटारा एवं मैत्री भवन से सम्बंधित जानकारी दी तथा प्रत्येक सेवानिवृत हो रहे कर्मियों का बायोडाटा प्रस्तुत किया.मुख्य महा प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) हर्ष निगम ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को उनके निष्ठापूर्ण सेवा के लिए बधाई देते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की.

उन्होंने सेवा निवृत हो रहे कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र तथा उपहार भी भेंट किये. अप्रैल '२०२४ में बी.एस.एल. से कुल ०६ अधिशासी तथा ५५ अनाधिशासी सेवानिवृत्त हो रहे हैं. कार्यक्रम का संचालन डॉ नन्दा प्रियदर्शिनी, सहायक महा प्रबंधक (कार्मिक) ने किया.

मुख्य महा प्रबंधक (रीक्रैक्टरीज) वेद प्रकाश उपाध्याय के लिए निदेशक प्रभारी के सम्मेलन कक्ष में अलग से एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया. विदाई समारोह के अवसर पर कार्यकारी निदेशक प्रभारी, सी आर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रँगानी, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) राजन प्रसाद, सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक उपस्थित थे. कार्यकारी निदेशक- प्रभारी, सी आर महापात्रा ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किये. सभी ने सेवानिवृत्त हो रहे वेद प्रकाश उपाध्याय को उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी.

भाजपा ने एनडीए प्रत्याशी की जीत को ले किया बैठक

डुमरी (ससे): गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र से एनडीए उम्मीदवार चन्द्र प्रकाश चौधरी की दुबारा जीत सुनिश्चित करने के लिए भाजपाईयों ने कमर कस लिया है और जीत में कोई कोर कसर नहीं रहे इसके लिए पार्टी संगठन की लगातार बैठकें आयोजित की जा रही है। इसी निमित्त भाजपा डुमरी,ससारखो एवं निमियाघाट मंडल के मंडल कमिटी के कार्यकर्ताओं,शक्ति केन्द्र के प्रभारी व सह प्रभारी एवं बूथ अध्यक्षों की एक बैठक क्रमशः मंझलाडीह,डुमरी एवं प्रतापपुर में हुई।

उपरोक्त तीनों मंडलों की बैठकों में एनडीए उम्मीदवार सीपी चौधरी उपस्थित रहे।इस दौरान गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र से एनडीए की जीत बरकरार रखने पर विचार विमर्श किया गया साथ ही उपस्थित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने अपने अपने विचार दिये।सभी ने एकमत से निर्णय लिया कि केन्द्र सरकार की जनहित में संचालित योजनाओं एवं सांसद के द्वारा किये गये विकास के मुद्दे पर वोट मांगेंगे।

बैठक में लोकसभा संयोजक प्रकाश सेठ सह संयोजक सुरेन्द्र राज सह संयोजक भरत यादव प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रशांत जयसवाल, प्रदीप साहू, कामाख्या गिरी, कृष्णकांत शर्मा, जिवाधन महतो, निर्मल जायसवाल, प्रदीप मंडल,सुरेन्द्र कुमार,दिनेश महतो, मौजीलाल महतो, केदार महतो आदि दर्जनों पार्टी कार्यकर्ता एवं तीनों मंडल अध्यक्ष उपस्थित थे।

ईसीएल मुख्यालय में सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन

सांकतोड़िया (ससे): ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के मुख्यालय से अप्रैल माह, २०२४ में सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के सम्मान में दिनांक ३०.०४. २०२४ को मुख्यालय में सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस माह ईसीएल मुख्यालय से दो अधिकारी तथा चार कर्मचारी सेवानिवृत हुए।

सेवानिवृत होने वाली अधिकारियों में आनंद प्रताप सिंह महाप्रबंधक (वित्त), प्रिय रंजन मुख्य प्रबन्धक (एमएम), एवं कर्मचारियों में सोमा बैनर्जी सिस्टर-इन-चार्ज, शंकरी मित्रा सिस्टर-इन-चार्ज, सुरेन्द्र नाथ मुर्मु मकैनिकल फिटर तथा बिकाश मण्डल जनरल मजदूर शामिल हैं । सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों ने कंपनी में अपने द्वारा दिये गए योगदान व अपने कार्यकाल के अनुभव को सभी उपस्थितगण के साथ साझा किया, एवं कंपनी को धन्यवाद व्यक्त किया। मुख्यालय की भांति ईसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में भी सेवानिवृत होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए सम्मान समारोह आयोजित किए गए।

उक्त कार्यक्रम में ईसीएल की निदेशक (कार्मिक) आहुती स्वाईं, एवं निदेशक(तकनीकी) संचालन नीलाद्रि रॉय की गरिमामयी उपस्थिती रही एवं उन्होंने सेवानिवृत्त होने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके द्वारा कंपनी में दिये गये योगदान को सराहा तथा उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की । इस अवसर पर मुख्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे ।

निर्दलीय उम्मीदवार ने नामांकन प्रपत्र किया दाखिल

बोकारो (ससे): ०६ गिरिडीह लोकसभा संसदीय क्षेत्र की अधिसूचना जारी होने के दूसरे दिन मंगलवार को नाम-निर्देशन के लिए कुल तीन लोगों ने नामांकन प्रपत्र खरीदा।

जबकि, एक ने निर्वाची पदाधिकारी के समक्ष नामांकन पर्चा दाखिल किया। अब तक कुल १२ लोगों ने नामांकन प्रपत्र खरीदा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी बोकारो सह निर्वाची पदाधिकारी ०६ गिरिडीह लोकसभा संसदीय क्षेत्र विजया जाधव ने कहा कि दूसरे दिन कुल तीन लोगों ने नामांकन प्रपत्र जिला नजारत शाखा से खरीदा है। वहीं, एक निर्दलीय उम्मीदवार उषा देवी, स्व. रविन्द्र नाथ सिंह, ग्राम - पो. फुसरो, पीएस. बेरमो, जिला बोकारो ने नामांकन प्रपत्र दाखिल किया है।

अवैध शराब बरामद 3 गिरफ्तार

जमशेदपुर (ससे): पूर्वी सिंहभूम जिला पुलिस ने कमलपुर से ४०० बॉटल नकली शराब बरामद किया है । इस मामले में पुलिस ने उलीडीह थाना क्षेत्र के शंकोसाईं के रहने वाले बिट्टू कुमार महतो, सिदगोड़ा के न्यू बारीडीह के रहने वाले अमित कुमार और भालूबासा के रहने वाले सचिन प्रसाद को गिरफ्तार किया है। एसएसपी ऑफिस में एसएसपी किशोर कौशल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग अवैध शराब की तस्करी कर रहे हैं। इस पर यह गिरफ्तारी की गई है ।

अपराधियों ने कारोबारी को गोली मारकर घायल किया

पलामू (ससे): डाल्टनगंज पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार की रात अपराधियों ने एक कारोबारी को गोली मारकर घायल कर दिया ।

डीसी मतदाताओं के बीच वोटर स्लिप वितरण में हुए शामिल

गुमला (ससे): गुमला जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी मंगलवार को शहर के बैंक कॉलोनी में पहुंचकर मतदाताओं के बीच वोटर स्लिप का वितरण करते हुए आगामी १३ मई को जिले में होने वाले मतदान दिवस के दिन मतदान केंद्रों में जाकर वोट करने की अपील की। आपको बता दें कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त के निर्देश के आलोक में स्वीप गतिविधि के तहत वैसे मतदान केंद्र जहां मतदान प्रतिशत कम है वहां मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के उद्देश्य से उन इलाकों के मतदाताओं से मिलते हुए उन्हें मतदान करने के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है।

इसी क्रम में शहर के बैंक कॉलोनी स्थित मतदान केंद्र संख्या २०८ में ५१ प्रतिशत की वोटिंग के प्रतिशत को देखते हुए वहां के मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से स्वयं जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने मतदाताओं के घर घर जाकर उनके हाथों में वोटर स्लिप दी साथ ही उन्हें मतदान करने के प्रति प्रेरित भी किए। इस क्रम में कुछ मतदाताओं ने मतदान के प्रति अपनी रुचि नहीं दिखाई जिसे देखते हुए उपायुक्त ने उनके नकारात्मक मानसिकता को सकारात्मक रूप में परिवर्तित करते हुए उन्हें मतदान करने के लिए प्रेरित किया।

भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल करेंगे नामांकन

हजारीबाग (ससे): हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन समर्थित भाजपा उम्मीदवार मनीष जायसवाल आज नामांकन दाखिल करेंगे । नामांकन से जुड़े कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, दीपक प्रकाश, समेत एक दर्जन से अधिक गठबंधन के नेता उपस्थित होंगे । नामांकन दाखिल करने से पहले कर्जन ग्राउंड में नामांकन- सह-आशीर्वाद सभा का आयोजन होगा जिसमें हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सभी पांच विधानसभा हजारीबाग सदर , बड़कागांव , मांडू, बरही और रामगढ़ से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता जुटेंगे ।

ईएसएल स्टील ने अंतर-केंद्र क्विज प्रतियोगिता का किया आयोजन

बोकारो (ससे): वेदांता समूह की कंपनी और भारत में अग्रणी एकीकृत इस्पात उत्पादक ई एस एल स्टील लिमिटेड ने सामाजिक और सामुदायिक विकास के प्रति प्रतिबद्ध है। इसी के निमित ई एस एल स्टील लिमिटेड और अन्य सभी वेदांता कंपनियां उन समुदायों की भलाई के लिए प्रयासरत है।

आज बच्चों को उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में मदद करने और प्रतियोगियों के बीच उपलब्धि और गर्व की भावना पैदा करने के अलावा उनके ज्ञान को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, विशेष रूप से विभिन्न ई एस एल स्टील लिमिटेड के प्रोजेक्ट प्रेरणा केंद्रों (ट्यूटोरियल और ड्राइंग) एवं एक्सेल ३० क्लासेज जैसे शैक्षिक हस्तक्षेप कार्यक्रमों में नामांकित लोगों के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन ई एस एल स्टील लिमिटेड द्वारा अपने कार्यान्वयन भागीदार सार्थक सस्टेनेबल डेवलपमेंट फाउंडेशन के साथ किया गया । ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन के पीछे का विचार छात्रों को अपने पाठ्य ज्ञान से परे देखने और उन्होंने जो सीखा है उसके सिद्धांत और अनुप्रयोग के बीच संबंध स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। ई एस एल स्टील लिमिटेड विज्ञान प्रदर्शनी, कला शो, क्विज़ आदि सहित कई ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता है। ये इंटरैक्टिव मंच हैं जहां छात्र न केवल पुरस्कार लेने या प्रसिद्ध होने के लिए भाग लेते हैं, बल्कि ज्ञान प्राप्त करने, शिक्षाविदों से परे उत्कृष्टता हासिल करने और सुरक्षित होने के अवसर तलाशते हैं। उनका भविष्य साथ ही इनमें से अधिकांश गतिविधियाँ उन्हें अपने टीम वर्क कौशल को निखारने का अवसर भी प्रदान करती हैं।

क्विज़ प्रतियोगिता में छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों सहित लगभग १०० लोगों की बड़ी संख्या में उपस्थिति देखी गई, जो प्रतियोगियों को प्रेरित करने के लिए आए थे। मोइन अंसारी, प्रिंसिपल, एमजेएल स्कूल, बिजुलिया सहित गणमान्य व्यक्ति, मनोज तिवारी, पूर्व मुखिया, चंदाहा पंचायत और संटू रॉय, उपाध्याय, किसान युवा मोर्चा ने इस तथ्य की बहुत सराहना की कि ई एस एल स्टील लिमिटेड ने अपनी सहयोगी कार्यान्वयन एजेंसी के साथ मिलकर क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था और वे इस बात से काफी प्रभावित हुए ।

इस अवसर पर ई एस एल स्टील लिमिटेड के सी एस आर, ई आर और पी आर प्रमुख आशीष रंजन ने कहा ई एस एल स्टील लिमिटेड हमेशा हमारे संयंत्र के आसपास के समुदायों के समग्र विकास और खुशी पर ध्यान केंद्रित करता है। हम अपने छात्रों के बीच रचनात्मकता और अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान करने का प्रयास करते हैं। इस तरह की पहल प्रतिभा को आगे बढ़ाती है, टीम निर्माण प्रयासों को प्रोत्साहित करती है और एक जीवंत सीखने के माहौल को बढ़ावा देती है जो शिक्षा से परे है। हमारे पूरे इतिहास में, वर्तमान में, और भविष्य की ओर देखते हुए, ई एस एल स्टील लिमिटेड चल रहे सी एस आर पहलों के माध्यम से समुदाय की भलाई का समर्थन करने के लिए समर्पित है, जो एक खुशहाल और संपन्न समुदाय को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

पूरी प्रतियोगिता ई एस एल स्टील लिमिटेड में सी एस आर के उप प्रमुख राकेश मिश्रा के देख रेख में की गई। मिश्रा ने कहा कि जो कठिन प्रश्नों या चुनौतीपूर्ण परिदृश्यों से प्रतियोगियों का आत्मविश्वास कम नहीं हुआ। जो अपने बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने आए थे, उन्होंने देखा कि उनके बच्चों को किसी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं है और वे बेहद सफल आयोजन का आनंद भी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे और भी आयोजन करते रहेंगे, जिससे बच्चों के विकास में मदद मिलेगी।

पृष्ठ एक का शेषांश

तीसरे चरण की वोटिंग से---

इस पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए मनसुख मंडाविया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन प्रेरणादायी शब्दों के लिये मैं आपका हृदय से आभार प्रकट करता हूं। पिछले १० वर्ष आपके द्वारा किए गए कार्यों से गरीब, युवा, किसान और नारी शक्ति के जीवन में बड़ा परिवर्तन आया है। आपके इन सुझावों पर हम सब कार्यकर्ता पूरी मेहनत करेंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू आज---

प्रयास है कि राष्ट्रपति के आने से आम लोगों को कोई असुविधा न हो। वहीं अयोध्या के मंडलायुक्त गौरव दयाल ने कहा कि राष्ट्रपति के काफिले की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए यातायात परिवर्तन और अन्य व्यवस्थाएं की जाएंगी।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के---

भी यही मकसद है कि बच्ची की जान बचाई जानी चाहिए। लेकिन, ये माम लेना गलत है कि सभी डॉक्टर्स गुनहगार और जीवन-विरोधी है।

फॉर्म एफ न भरे जाने को कन्या भ्रूण हत्या के बराबर मानना ठीक नहीं

अशोकन ने कहा कि नियम कहते हैं कि मशीनों को एक रूम से दूसरे रूम नहीं ले जाया जा सकता है। यहां तक कि फॉर्म एफ न भरे जाने को कन्या भ्रूण हत्या के बराबर देखा जाता है। पीसी-पीएनडीटी एक्ट के तहत फॉर्म स्न में प्रेग्नेंट महिला की मेडिकल हिस्ट्री और अल्ट्रासाउंड करने की वजह रिकॉर्ड की जाती है। मौजूदा कानून के तहत जो डॉक्टर फॉर्म स्न ठीक से नहीं भर रहे हैं, उन्हें वही सजा दी जा रही है तो भ्रूण की जांच करने पर दी जाती है। सुप्रीम कोर्ट तक ने कहा है कि अगर आप फॉर्म एफ नहीं भरते हैं, तो आप कन्या भ्रूण हत्या कर रहे हैं। ये कैसे स्वीकार किया जा सकता है।

कन्या भ्रूण को टैग करके मां पर नजर रखनी चाहिए

अशोकन ने कोयंबटूर से १५ दिन पुराना एक वाकया सुनाया, जब एक गायनेकोलॉजिस्ट को फॉर्म स्न न भरने चलते अपराधी घोषित कर तीन साल के जेल भेज दिया। ये कानून एनजीओ पर आधारित है, जिसे सुप्रीम कोर्ट से हरी झंडी मिली है। इसे आम आदमी के नजरिए से बनाया गया है। अशोकन ने कहा कि इसलिए हम इसे लेकर चर्चाएं कर रहे हैं और सोच रहे हैं कि क्यों न भ्रूण का लिंग पता किया जाए, कन्या भ्रूण का पता लगाया जाए और फिर उस बच्ची को बचाया जाए। ये संभव है। कन्या भ्रूण को टैग कीजिए, देखिए कि उसे क्या होता है। मां पर नजर रखिए और देखिए कि बच्ची को नॉर्मल तरीके से डिलीवर किया जाए।

कुछ लोगों की गलती की वजह से पूरे मेडिकल प्रोफेशन को कठघरे में खड़ा किया गया

अशोकन ने कहा कि कुछ गलत लोगों की वजह से पूरा मेडिकल प्रोफेशन कठघरे में खड़ा कर दिया गया है, जो कि गलत है। मैं चाहता हूं कि प्रोफेशन को कठघरे से बाहर निकाला जाए। हम ये नहीं कह रहे हैं कि भ्रूण लिंग की जांच को अनुमति दी जानी चाहिए। अगर आप इसे मान सकते हैं, तो मान लीजिए। अगर नहीं मान सकते हैं, तो उन पॉइंट्स को हटा दीजिए जिससे डॉक्टरों को प्रताड़ित किया जाता है। जिस डॉक्यूमेंट पर हम काम कर रहे हैं, वह आईएमए की सेंट्रल वर्किंग कमेटी में डिस्कस किया जाएगा। हमारा मकसद ये है कि अगर जरूरत पड़े तो सुप्रीम कोर्ट में भी इस बारे में चर्चा हो।

चास नगर निगम क्षेत्र में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो (ससे): अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस २०२४ के पूर्व मंगलवार को चास नगर निगम कार्यालय परिसर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां सैकड़ों की संख्या में श्रमिकगण शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर नगर आयुक्त चास सौरव कुमार भुवानिया ने किया। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी चास ओम प्रकाश गुप्ता, स्वीप नोडल पदाधिकारी प्रभाष दत्ता, प्रभारी पदाधिकारी शक्ति कुमार आदि उपस्थित थे।

मौके पर अपर नगर आयुक्त सौरव कुमार भुवानिया ने कहा कि लोकतंत्र का महापर्व सामने हैं। आगामी २५ मई २०२४ को बोकारो जिले में मतदान होना है। शहरी क्षेत्र में मतदान का प्रतिशत संतोषजनक नहीं है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर जिला प्रशासन स्वीप कोषांग द्वारा लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में आज यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने श्रमिकों को मतदान के महत्व एवं लोकतंत्र के मजबूती को लेकर मतदान करने की महत्ता को बताया। आगामी २५ मई को स्वयं मतदान करने एवं दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने को कहा।

मौके पर अन्य वक्ताओं ने भी अपनी बात रख मतदान करने के लिए सभी को प्रेरित किया। बिना डर और भय के लोकतंत्र के पर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। मौके पर सभी श्रमिकों को मतदान करने की प्रतिज्ञा दिलाई गई।

इस दौरान वरीय पदाधिकारियों के नेतृत्व में श्रमिकों द्वारा मतदाता जागरूकता प्रभारी फेरी का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी चास नगर निगम क्षेत्र से शुरू होकर आइटीआइ मोड़ जाकर समाप्त हुई। साथ ही, मतदाता जागरूकता को लेकर क्विज प्रतियोगिता/कुर्सी खेल/ रंगोली आदि का आयोजन विद्यालय के बच्चों के बीच किया गया। वहीं, सेल्फी प्वाइंट पर लोगों ने फोटो खिंचवाई ।

मौके पर जेएसएलपीएस डीपीएम प्रकाश कुमार, सहायक अपर नगर आयुक्त प्रियंका कुमारी सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

चुनाव में मतदान हमारा नैतिक अधिकारः डीसी

गिरिडीह (ससे): गिरिडीह जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए कई उपाय किए गए हैं। गिरिडीह डीसी सह जिला निर्वाचन अधिकारी नमन प्रेयस लकड़ा ने मंगलवार को समाहरणालय में अधिकारियों और पत्रकारों से बातचीत की । उन्होंने कहा कि चुनाव में मतदान हमारा नैतिक अधिकार है। डीसी ने कहा कि मुद्दा निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने भी मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए कई सुझाव दिए हैं जिसपर काम चल रहा है। बीते चुनाव में जिन बूथों पर मतदान कम हुआ उसपर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। डीसी ने सभी योग्य मतदाताओं से मतदान की अपील की हैं।उन्होंने बताया कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के सभी जरूरी उपाय किए जा रहे हैं ताकि मतदाता जागरूक हो।

इंटरमीडिएट स्ट्रांग रूम में मूलभूत सुविधाओं को लेकर डीसी ने की समीक्षा

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित सभागार में मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) ी विजया जाधव ने चास एवं चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र स्थित इंटरमीडिएट स्ट्रांग रूम में मतदान कर्मियों, सुरक्षा बलों के आवासन/मेडिकल व्यवस्था को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा बैठक की। मौके पर उप विकास आयुक्त संदीप कुमार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, एसडीओ चास ओम प्रकाश गुप्ता, डीसीएलआर चास प्रभाष दत्ता, संबंधित प्रखंडों के बीडीओ/ अंचलाधिकारी/ कार्यपालक दंडाधिकारी/ प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

डीईओ सह डीसी ने सभी संबंधित बीडीओ/सीओ से संबंधित इंटरमीडिएट स्ट्रांग रूम भवनों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बैठक में उपस्थित जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे को कहा कि इंटरमीडिएट स्ट्रांग रूम विद्यालय हैं, विद्यालयों की टंकी की साफ - सफाई, पानी का भंडारण, शौचालय की साफ - सफाई आदि को सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने संबंधित प्रखंड के बीडीओ/सीओ को शेड, पर्याप्त रौशनी, पंखा, जेनरेटर, मासक्यूटों क्वाइल, गद्दा, बिछावन - तकिया आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। मतदान कर्मियों/सेक्टर पदाधिकारियों/सुरक्षा बलों के नास्ता/भोजन आदि के लिए माता समिति/दाल भात केंद्रों को टैग# करने का निर्देश दिया। डीईओ सह डीसी ने कर्मियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। ससमय मेडिकल टीम व समितियों को टैग करने एवं नास्ता/भोजना का मेनू निर्धारित करने को कहा। वहीं, एमओआइसी अलर्ट मोड पर चिकित्सा सुविधा के लिए रहेंगे। इसमें कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीईओ सह डीसी ने सहायक निर्वाची पदाधिकारियों एवं सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारियों को बूथ लेवल आफिसर से सुनिश्चित कराने को कहा कि मतदान दिवस के दिन नीबूं - पानी - चीनी का शरबत की व्यवस्था रखेंगी। इसके लिए उन्हें राशि उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही, मतदान दिवस २५ मई से पूर्व मतदाता सूचना पर्ची का वितरण सभी मतदाताओं के बीच सुनिश्चित करेंगे। डीईओ सह डीसी ने कहा कि सभी मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग होगी। इसके लिए संबंधित एजेंसी २३ मई २०२४ को कैमरा अधिष्ठापन का कार्य करेंगे। २४ मई को ड्राई रन होगी, इसके लिए स्थानीय स्तर बूथवार बीआरपी - सीआरपी आदि कर्मियों को टैग करने का निर्देश दिया। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा की गई।

मौके पर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रतीभा कुजूर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी साकेत कुमार पाडेय, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, एमओआइसी चास/चंदनकियारी समेत अन्य उपस्थित थे।

आग लगन से आधा दर्जन फल दुकानों को नुकसान

कोडरमा (ससे): कोडरमा के झुमरी तिलैया स्थित बाजार समिति में मंगलवार दोपहर अचानक आग लग जाने से तकरीबन आधा दर्जन फल दुकानों को नुकसान पहुंचा है। बाजार समिति के फल दुकानों के ऊपर रखे प्लास्टिक के कैरेट बिजली के तार के संपर्क में आ गए, जिससे शॉर्ट सर्किट हुआ और आग लग गई। बाजार समिति में फलों का कचरा भी सूखा हुआ पड़ा था, जिससे देखते ही देखते आग फैल गई और कुछ ही देर में आग में भयावह रूप धारण कर लिया। हालांकि गनीमत यह रही की समय रहते फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तकरीबन आधा दर्जन दुकानों को भारी नुकसान हुआ है।

बताते चले की बाजार समिति परिसर के अंदर अस्थाई फलों का दुकान बनाया गया है, जबकि बाहरी परिसर में कई स्थाई दुकानें भी संचालित होती है। इसके अलावा परिसर में ही फल व्यवसाईयों के द्वारा कचरा फेंका जाता है, जो भी भीषण गर्मी के कारण पूरी तरह से सूख चुका था। जैसे ही दुकानों के छत के ऊपर रखे प्लास्टिक के कैरेट बिजली के तार के संपर्क में आए, तेज हवाओं के कारण कैरेट में लगी आग धीरे-धीरे कचरो तक जा पहुंचा और बाजार समिति का पूरा परिसर आग की चपेट में आ गया। बाजार समिति के सचिव अभिषेक आनंद ने बताया कि फल व्यवसाईयों की लापरवाही के कारण यह आग लगी है। अगर फल व्यवसायी व्यवस्थाओं को दुरुस्त नहीं करेंगे, तो उनकी दुकान भी रद्द की जाएगी। वहीं स्थानीय लोगों के मुताबिक समय से पहुंची दमकल की टीम ने आग से ज्यादा नुकसान होने से बचा लिया ।

कांग्रेस प्रत्याशी के एन त्रिपाठी समेत 5 ने किया नामांकन

चतरा (ससे): चतरा से कांग्रेस प्रत्याशी के एन त्रिपाठी ने मंगलवार को नामांकन दाखिल किया । इस मौके पर राजद के वरिष्ठ नेता सह मंत्री सत्यानंद भोक्ता समेत अन्य नेता मौजूद थे । नामांकन के बहाने इंडी गठबंधन ने इस दौरान शक्ति प्रदर्शन भी किया । मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले १० वर्षों में केंद्र के द्वारा राज्य के विकास के लिए कुछ नहीं हुआ लेकिन वर्तमान सरकार ने शिक्षा और जन वितरण प्रणाली के क्षेत्र में बेहतर कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा की हमारी सरकार ने २० लाख हरा कार्ड धारकों को कार्ड जारी किया है। पलामू प्रमंडल और चतरा एवं लातेहार जिले में राज्य सरकार के विकास की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा की पलामू,चतरा और लातेहार जैसे पिछड़े जिले के लिए राज्य सरकार शिक्षा और चिकित्सा सुविधा दिलाने का कार्य किया है। चतरा लोकसभा सीट के लिए नामांकन दाखिल करने के तीसरे दिन मंगलवार को ०५ उम्मीदवारों ने नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया। नामांकन करने वालों में सुमित कुमार यादव स्वतंत्र रूप से ०२ सेट में, डा० सीताराम सिंह जयप्रकाश जनता दल से ०४ सेट में, संजय कुमार स्नेही स्वतंत्र रूप से ०१ सेट में, दर्शन गंझू स्वतंत्र रूप से ०१ सेट में एवं कृष्णानंद त्रिपाठी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ०२ सेट में अपना नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया। इस तरह नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन तक कुल ०९ उम्मीदवारों ने अपना नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया। वहीं मंगलवार तक कुल २६ फॉर्म क्रय किए गए हैं।

रीतिका बनी सेकेंड स्टेट टॉपर

हज़ारीबाग़ (ससे): हजारीबाग के सुदूरवर्ती कटकमदाग प्रखंड के सुल्ताना गाँव की रहने वाली रितिका ने जैक इंटर साइंस पूरे राज्य भर में दूसरा स्थान प्राप्त किया है । रीतिका हजारीबाग इंटर साइंस कॉलेज की छात्रा हैं जिसने झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा आयोजित परीक्षा में यह गौरव प्राप्त किया है । रीतिका बताती है कि वो दिन भर में ८ घंटे बड़े मेहनत के साथ पढती थी । यह लक्ष्य बनाया था कि इस बार पूरे राज्य भर में टॉप करना है । उसकी आर्थिक स्थिति भी बेहद खराब थी । ऐसे में ट्यूशन पढ़ाकर अपना पढ़ाई लिखाई का खर्चा भी निकालती थी । आज पूरा परिवार उस पर गर्व कर रहा है कि उसने अपना डंका का पूरे राज्य भर में बनवाया है ।

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर डीसी-एसपी ने की बैठक

पलामू (ससे): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित मेदिनीनगर के दौरे को लेकर मंगलवार को उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी शशि रंजन व पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने विभिन्न पदाधिकारियों संग बैठक कीसमाहरणालय के सभागार में आयोजित इस बैठक में डीसी ने प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा के दृष्टिकोण से विभिन्न पदाधिकारी को अलग-अलग टास्क सौंपे।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री दौरे पर आने वाले लोगों को कैसे नियंत्रित करना है,सुरक्षा के दृष्टिकोण से कहां-कहां बैरेकेडिंग होने है इसका आकलन किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने भवन निर्माण के कार्यपालक अभियंता को स्टेज के साइज का आकलन करने व प्रोटोकॉल व नियमानुसार प्रमाण पत्र जारी करने को लेकर निर्देशित किया।इसी तरह स्थल के चारों ओर व विभिन्न स्थानों पर मजिस्ट्रेट का डेप्लॉयमेंट करने को लेकर सदर एसडीओ को जिम्मेदारी दी गयी।इसी क्रम में प्रॉक्सिमिटी पास,वर्क फोर्स पास व प्रतिनियुक्ति मजिस्ट्रेट व पुलिस पास को लेकर नगर आयुक्त जावेद हुसैन को निर्देशित किया गया।सिविल सर्जन को दो हॉस्पिटल को स्टैंड बाई मोड पर रखने व एडवांस्ड लाइफ़ सपोर्ट युक्त एंबुलेंस भी रखने पर बल दिया गया।इसी तरह उन्होंने फूड सेफ्टी ऑफिसर,फायर ऑफिसर को भी उनके क्षेत्र से संबंधित कई टास्क सौंपे गये।वहीं बैठक में पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिस पदाधिकारियों को प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान अलर्ट पर रहने को लेकर निर्देशित किया गया।मौके पर उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य पदाधिकारी व पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

भाजपा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो ने नामांकन किया

जमशेदपुर (ससे): जमशेदपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के रूप में विद्युत वरण महतो ने नामांकन किया। इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, जनजातीय मामलों के एवं कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा, भाजपा महानगर के अध्यक्ष सुधांशु ओझा उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। भारत का भविष्य उज्जवल भविष्य के रूप में बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री जी का जो विजन है, उसे हम लोग मिलकर आगे बढ़ाएंगे और एक सशक्त भारत का निर्माण करेंगे। वहीं केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि केवल झारखंड ही नहीं, पूरे देश भर में कमल खिलेगा और हम लोग ४०० पर करेंगे। वहीं भाजपा उम्मीदवार विद्युत वरण महतो ने कहा कि हम इस बार हैट्रिक करेंगे। इससे पहले साकची बोधी मैदान में सभी नेताओं ने एक जनसभा में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और एक विशाल जुलूस के रूप में उपायुक्त कार्यालय के गेट तक पहुंचे।

उपायुक्त ने कॉलेज में बने डिस्पैच सेंटर का जायजा लिया

सरायकेला -खरसावां (ससे): लोकसभा आम निर्वाचन की तैयारियों के मद्देनजर सिंहम्भूम तथा खूंटी लोकसभा संसदीय क्षेत्र के लिए काशी साहू कॉलेज सरायकेला में बनाए जा रहे डिस्पैच सेंटर का जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला द्वारा निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने अलग-अलग भवन में दोनों विधानसभा सभा क्षेत्र के लिए पोलिंग पार्टी डिस्पैच सेंटर बनाने, ईवीएम वेयर हाउस में आवागमन के लिए रूट चार्ट निर्धारित करने समेत अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसी कड़ी में उपायुक्त ने सेंटर में बूथवार मार्किंग, रोशनी, सीसीटीवी, सुरक्षा व्यवस्था, सिंगल एक्सेस प्वाइंट, बैरिकेडिंग, पार्किंग, सिटिंग अरेंजमेंट के बारे में भी जाना। उन्होंने साफ-सफाई, अग्नि सुरक्षा के उपायों पर भी चर्चा की।

पीएम मोदी 4 को पलामू की धरती से चुनाव प्रचार का शुरुआत करेंगे

पलामू (ससे): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पलामू की धरती से झारखंड में चुनाव प्रचार की शुरुआत करेंगे। वह ४ मई को यहां चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। उनके दौरे को लेकर पार्टी नेताओं ने तैयारी शुरू कर दी है ।२०१४ के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पलामू में चौथी बार सभा करेंगे २०१४ ,२०१९ में दो बार उनकी सभा हो चुकी है ।भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री की चुनावी सभा को लेकर पलामू जिला प्रशासन से अनुमति मांगी थी प्रशासन ने अनुमति प्रदान करती है ।पार्टी ने चुनावी जनसभा के लिए प्रस्तावित स्थल पलामू के चियाकी हवाई अड्डे को निर्धारित किया है प्रधानमंत्री की सुरक्षा से जुड़े अधिकारी मंगलवार को पलामू में पहुंच चुके हैं ।भारतीय जनता पार्टी के पलामू मीडिया प्रभारी शिवकुमार मिश्र ने बताया कि प्रधानमंत्री का दौरा ४ मई को है। वह सुबह ९:३० बजे कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

उपायुक्त ने कॉलेज में बने डिस्पैच सेंटर का जायजा लिया

सरायकेला -खरसावां (ससे): लोकसभा आम निर्वाचन की तैयारियों के मद्देनजर सिंहम्भूम तथा खूंटी लोकसभा संसदीय क्षेत्र के लिए काशी साहू कॉलेज सरायकेला में बनाए जा रहे डिस्पैच सेंटर का जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला द्वारा निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने अलग-अलग भवन में दोनों विधानसभा सभा क्षेत्र के लिए पोलिंग पार्टी डिस्पैच सेंटर बनाने, ईवीएम वेयर हाउस में आवागमन के लिए रूट चार्ट निर्धारित करने समेत अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसी कड़ी में उपायुक्त ने सेंटर में बूथवार मार्किंग, रोशनी, सीसीटीवी, सुरक्षा व्यवस्था, सिंगल एक्सेस प्वाइंट, बैरिकेडिंग, पार्किंग, सिटिंग अरेंजमेंट के बारे में भी जाना।

निर्दलीय प्रत्याशी ने भरा नामांकन पर्चा

हज़ारीबाग़ (ससे): जेबीकेएसएस समर्थित प्रत्याशी संजय मेहता ने मंगलवार को हजारीबाग लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया। संजय मेहता के नामांकन कार्यक्रम की रैली मटवारी गांधी मैदान से निकली और हज़ारीबाग समाहरणालय स्थित निर्वाचन कार्यालय पहुंची । रैली में जयराम महतो समेत भारी संख्या में समर्थक और कार्यकर्ता उपस्थित हुए । उम्मीदवार संजय मेहता ने कहा समर्पित सेवा भाव से अपनी माटी का सेवा करना ही लक्ष्य है जिस तरह पिछले ३ वर्षों से झारखंड बचाने के लिए हमलोगों ने जनता की आवाज बुलंद किया है। आगे भी सड़क से सदन तक झारखंडियत कि आवाज बुलंद करता रहूंगा।

ट्रैक्टर पलटा, पारा शिक्षक और उसके भतीजे की मौत

डालटनगंज(ससे): पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बलपरवा घाटी में सोमवार की शाम छड़-सीमेंट लदा एक टैक्टर पलट गया। छड़-सीमेंट को छतीसगढ़ से लाया जा रहा था। इस घटना में टैक्टर चला रहे चालक सह मालिक पाटन के उताकी के रहने वाले पप्पू सिंह (३०वर्ष) एवं उनके फूफा पारा शिक्षक विजय कुमार सिंह (५७वर्ष) की मौत हो गयी, जबकि भाई लखन सिंह (२०वर्ष) गंभीर रूप से जख्मी है। उसका इलाज किया जा रहा है। पारा शिक्षक विजय कुमार सिंह नावाबाजार थाना क्षेत्र के नेनुआ के रहने वाले थे। विजय कुमार सिंह के मकान की ढलाई होनी है। इसके लिए वे अपने पुत्र लखन सिंह और भतीजे सह टैक्टर मालिक पप्पू सिंह के साथ छतीसगढ़ छड़-सीमेंट लेने गए थे। वहां से सभी सोमवार की शाम लौट रहे थे। रामगढ़-चैनपुर मुख्य मार्ग पर बलपरवा घाटी में अचानक टैक्क्टर अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। टैक्टर मालिक सह चालक की मौके पर मौत हो गयी, जबकि विजय सिंह को इलाज के लिए एमआरएमसीएच लाया गया। यहां कुछ देर इलाज चलने के बाद उनकी भी मौत हो गयी। मंगलवार को पप्पू सिंह एवं विजय कुमार सिंह की डेड बॉडी का पोस्टमार्टम एमआरएमसीएच में किया गया।

4 साइबर अपराधी गिरफ्तार

जामताड़ा (ससे): जामताड़ा जिले के कर्माटांड़ थाना के तारा बहाल एवं बरमुंडी गांव से पुलिस को साइबर अपराध में लिप्त ०४ शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। साइबर डीएसपी अशोक कुमार राम ने बताया कि गिरफ्तार साइबर अपराधियों में अब्दुल कलाम , सद्दाम अंसारी, नाजीर अंसारी एवं हुसैन अंसारी के नाम शामिल हैं। इनके पास से २२ मोबाइल सेट विभिन्न कंपनियों के ३० फर्जी सिम कार्ड बरामद किए गए हैं।गिरफ्तार साइबर अपराधियों को मेडिकल जांच के बाद न्यायालय के समस्त प्रस्तुत किया गया जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जामताड़ा मंडल कारा भेज दिया गया है। जामताड़ा साइबर डीएसपी अशोक कुमार राम ने बताया कि जिले में लगातार साइबर अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान पुलिस को सफलता भी मिल रही है।उन्होंने कहा कि साइबर अपराध को लेकर चर्चित जामताड़ा जिले को साइबर अपराध मुक्त करने को लेकर पुलिस हर स्तर पर कार्रवाई कर रही है।

सीईओ ने मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

सिमडेगा (ससे): मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मंगलवार को सिमडेगा में पिछले चुनाव के दौरान कम वोटिंग प्रतिशत वाले विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर मतदान की तैयारियों का अवलोकन किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री बालिका उत्कृष्ट विद्यालय, सिमडेगा के मतदान केंद्र संख्या १६२ के बीएलओ एवं सुपरवाइजर द्वारा कार्य में लापरवाही बरतने को लेकर उपायुक्त सिमडेगा को उनके विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इन बूथों पर पिछले चुनाव में मतदान प्रतिशत कम रहा था। इस मतदान केंद्र के मतदाता सूची में कई वैसे मतदाताओं के नाम पाये गये, जो अब यहां रहते ही नहीं हैं। कई ऐसे सरकारी कर्मचारियों का नाम था, जिनका स्थानांतरण पूर्व में हो चुका है। ऐसे मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से न तो हटाने का कार्य हुआ और न ही अब्सेंट, शिफ्टेड या डेथ अर्थात एएसडी सूची में अंकित किया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मुख्यमंत्री बालिका उत्कृष्ट विद्यालय के अन्य मतदान केन्द्रों के साथ राजकीयकृत मध्य विद्यालय ठाकुर टोली एवं राजकीयकृत मध्य विद्यालय, सिमडेगा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ से उनके क्षेत्र में मतदाताओं एवं मतदान के लिए की जा रही तैयारियों के बारे में जाना। साथ ही शुद्ध पेयजलापूर्ति, शौचालय एवं अन्य न्यूनतम सुविधाओं का आकलन किया। उन्होंने शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित कराने एवं शौचालय में रनिंग वाटर की तत्काल व्यवस्था कराने का निर्देश दिया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निरीक्षण के दौरान सिमडेगा के जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक सौरभ, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार दोराइबुरू, अपर समाहर्ता ज्ञानेंद्र कुमार, मीडिया कोषांग के नोडल पदाधिकारी-सह-जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पल्टू महतो आदि उपस्थित थे।

महागठबंधन प्रत्याशी विनोद कुमार सिंह करेंगे नामांकन

गिरिडीह (ससे): भाकपा माले के बगोदर विधायक विनोद कुमार सिंह आज कोडरमा लोकसभा क्षेत्र से इंडिया प्रत्याशी के रूप में गिरिडीह समाहरणालय में अपना नामांकन दाखिल करेंगे। भाकपा माले के वरिष्ठ नेता राजेश यादव ने मंगलवार को गिरिडीह में पत्रकारों को बताया कि महागठबंधन प्रत्याशी विनोद कुमार सिंह के नामांकन में मुख्यमंत्री चंपई सोरेन समेत कई बड़े नेता शामिल होंगे। गिरिडीह डीसी सह कोडरमा संसदीय क्षेत्र के निर्वाची पदाधिकारी नमन प्रेयस लकड़ा के समक्ष नामांकन दाखिल करने के बाद एक चुनावी सभा भी आयोजित किया गया है।

नशे के सौदागरों के खिलाफ सख्ती

पलामू (ससे): पलामू में पुलिस नशे के सौदागरों के खिलाफ अनवरत सख्ती दिखा रही है । लेस्लीगंज पांकी के इलाके में पुलिस ने वन भूमि में अफीम की खेती और उसके व्यापार का खुलासा करते हुए एक आरोपी को ४०० ग्राम अफीम और तरल अफीम को ठोस बनाने में उपयोग होने वाले दो किलो ग्राम केमिकल को ज़ब्त किया है । उधर ज़िले के ही मनातू थाना क्षेत्र अंतर्गत मिटार पिकेट स्थित सलैयाटांड़ जंगल में करीब १ क्विंटल जावा महुआ को नष्ट किया गया।

1984 सिख दंगा में मुआवजा से वंचित 33 पीड़ितों की सौंपी गयी सूची

डालटनगंज (ससे): उच्च न्यायालय के निर्देश पर मंगलवार को सतनाम सिंह गंभीर का डालटनगंज पहुंचे। श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा साहिब पहुंचने पर सतनाम को इंद्रजीत सिंह डिंपल एवं चनप्रीत सिंह जॉनी ने स्वागत किया। काफ़ी संख्या में पीड़ित परिवार श्री गुरु सिंह सभा के गुरुद्वारा साहिब पहुंचे हुए थे। इंद्रजीत सिंह डिंपल एवं चनप्रीत सिंह जॉनी ने संयुक्त रूप से १९८४ सिख दंगा के ३३ पीड़ितों की सूची ऑल इंडिया सिख स्टूडेंट्स फेडरेशन के पूर्वी भारत अध्यक्ष सतनाम सिंह गंभीर को सौंपी, जिन्हें अब तक मुआवज़ा नहीं मिला है। ऑल इंडिया सिख स्टूडेंट्स फेडरेशन के पूर्वी भारत अध्यक्ष सतनाम सिंह गंभीर ने कहा कि उनकी कोशिश रहेगी कि एक भी पीड़ित परिवार मुआवज़े से वंचित ना रहे।

परिवारवाद पर अमित शाह के बयान पर सियासत गरम

पटना (एजेंसी): बिहार में परिवारवाद को खत्म करने की बात कह कर अमित शाह ने सियासी तापमान को काफी बढ़ा दिया है. सोमवार (२९ अप्रैल) को बिहार दौरे पर आए केंद्रीय गृहमंत्री ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा था कि अगर बिहार में एनडीए सरकार बनती है तो जातिवाद और परिवारवाद को खत्म कर देंगे. उनके इस बयान पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने पलटवार किया है. तेजस्वी ने कहा कि ये हास्यास्पद है, क्योंकि पहली तो उनकी सरकार नहीं आ रही है और दूसरा ये कि अमित शाह पहले अपने घर से शुरुआत करें. पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि असल में इन लोगों का दिमाग खराब हो गया है, क्योंकि वो लोग हार मान चुके हैं.

तेजस्वी ने कहा कि हमने तो लिस्ट गिनाया था, पहले अपने घर से परिवारवाद को खत्म करें. अमित शाह के ६ महीने में पीएम बदलने वाले बयान पर तेजस्वी ने कहा कि आखिर इन लोगों ने हार मान ली है. ये मान गए हैं कि हमारी सरकार बन रही है. देवगौड़ा के बेटे की कथित वीडियो मामले में तेजस्वी ने कहा कि इस मामले पर अमित शाह और प्रधानमंत्री जवाब क्यों नहीं देते हैं. ढ़ाई हजार बहनों के साथ गलत करने वाला इनके पार्टी का नेता जर्मनी भाग गया था, उसके लिए ये प्रचार कर रहे थे. इनके लिए बलात्कारियों को भगाओ और बलात्कारियों को बचाव वाला नारा हो गया.

वहीं परिवारवाद पर कांग्रेस प्रवक्ता विनोद शर्मा ने कहा कि देश में परिवारवाद कोई मुद्दा नहीं रहा. सभी पार्टियों में परिवार के लोग आ रहे हैं और सभी लोग इसका स्वागत कर रहे है. जहां तक सरकार बनने की बात है तो वोटिंग प्रतिशत निश्चित तौर पर सत्ता पक्ष में दहशत पैदा कर रहा है.

वहीं जेडीयू प्रवक्ता अभिषेक झा ने कहा कि जब भी परिवारवाद और वंशवाद के मुद्दे उठते हैं, तब-तब तेजस्वी यादव और उनके पार्टी के लोग बौखला जाते हैं. अलग-अलग बयान देने लगते हैं. ये इस बात के मुगालते में जी रहे हैं कि एनडीए की सरकार नहीं आ रही है. इनको भी मालूम है कि इनके पास बिहार के अंदर खाता खोलने की चुनौती है.

झूठ बोलने की फैक्ट्री है मोदी : तेजस्वी यादव

सीवान (एजेंसी): सीवान में इंडिया गठबंधन के राजद प्रत्याशी अवध बिहारी चौधरी के नामांकन को लेकर शहर के गांधी मैदान में जनसभा आयोजित की गई. जिसमें पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, वीआईपी पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी और राष्ट्रीय महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी ने शिरकत किया. इस जनसभा में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी. इस दौरान तेजस्वी ने मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला. तेजस्वी ने गाना गाकर पीएम पर तंज भी कसा है.

तेजस्वी यादव ने गाना गाते हुए कहा कि तुम तो धोकेबाज हो वादा करके भूल जाते हो, रोज रोज मोदी जी जो झूठ बोलोगे, जनता जब रूठ जायेगी तो हाथ मलोगे. वहीं जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि मोदी जी ने १० साल में इतना झूठ बोला है कि गोबर को भी हलुआ बना दिया है. मोदी जी झूठ बोलने की फैक्ट्री है, मैन्युफैक्चरर है,होलसेलर है और डिस्ट्रीब्यूटर भी है. उन्होंने जिंदगी भर झूठ ही बोला है. अब सरकार बदलेगा, बिहार से ही परिवर्तन का लहर देश में चलेगा.

उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के दो उपमुख्यमंत्री है लेकिन किसी काम के नहीं है, सिर्फ पगड़ी बांधना और समाज में नफरत फैलाना है. साथ ही कहा कि एक लाउड माउथ और एक फाउंड माउथ है. हम थे तो रात को भी काम करते थे, अस्पतालों में जाकर छापा मारते थे. कर्नाटक के बेंगलुरु में मोदी जी के एमपी ने ढाई हजार महिलाओं के साथ शोषण किया और मोदी जी नारा लगाते है कि बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ. ये नहीं कहते की बलात्कारी बचाओ और बलात्कारी भगाओ. भाजपा में चले जाएगा तो राजा हरिश्चंद्र हो जाएगा.

पूर्व सांसद रामा सिंह ने राजद से दिया इस्तीफा

पटना (एजेंसी): पटना पूर्व सांसद रामा सिंह ने राजद से इस्तीफा दे दिया है. रामा सिंह ने मंगलवार को अपने समर्थकों के साथ राजद छोड़ दिया है. सूत्रों की माने तो राम सिंह शिवहर या वैशाली से लोकसभा का टिकट नहीं मिलने से आहत है. उन्हें टिकट नहीं मिला तो वह पार्टी से नाराज बताए जा रहे है. उन्होंने कहा कि आरजेडी भरोसे लायक जगह नहीं है. लिहाजा वे राजद की प्राथमिक सदस्यता से अपने समर्थकों के साथ इस्तीफा दे रहे हैं. रामा सिंह की पत्नी बीना सिंह राजद की महनार से विधायक है. पत्नी के सवाल पर रामा सिंह ने कहा कि वह अपना निर्णय खुद लेंगी.

राम किशोर सिंह बिहार के वैशाली से सांसद हैं. उन्होंने २०१४ में लोकसभा चुनाव जीता था. राजद के उपाध्यक्ष रघुवंश प्रसाद सिंह को हराया था. उन्हें राजपूत जाति से काफी समर्थन प्राप्त है. १५ सितंबर २०१५ को उन्होंने डगझ से इस्तीफा दे दिया था. उन्होंने रामविलास पासवान की पार्टी पर संगठन में लोकतंत्र खत्म हो जाने का आरोप लगाया था.

एनडीए को साख बचाने की चुनौती, महागठबंधन जीत को लेकर प्रयासरत

पटना (एजेंसी): बिहार की पांच सीटों पर लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में ७ मई को मतदान होना है. झंझारपुर, सुपौल, अररिया, मधेपुरा और खगड़िया लोकसभा सीट पर होने वाले मतदान के लिए सभी दलों ने अपनी ताकत झोंक दी है. इन सभी सीटों पर साल २०१९ के लोकसभा चुनाव में एनडीए ने जीत का परचम लहराया था. इस बार के चुनाव में एनडीए के लिए इन सीटों को बरकरार रखना चुनौती है.

वहीं, महागठबंधन इन सीटों पर जीत को लेकर प्रयासरत है. इन पांच सीटों पर इस बार तीन सीटों पर एनडीए के मुकाबले राजद, जबकि एक सीट पर विकासशील इंसान पार्टी (वीआइपी) और अन्य पर भाकपा के उम्मीदवार सामने हैं. प्रदेश की सबसे चर्चित लोकसभा सीट मधेपुरा है. इस सीट पर सियासी धुरंधर किस्मत आजमाते रहे हैं. यहां से राजद प्रमुख लालू यादव से लेकर शरद यादव और पप्पू यादव चुनाव लड़ चुके हैं.

२०१९ में इस सीट पर जदयू के दिनेश चंद्र यादव ने बड़ी जीत हासिल की थी. इसके पहले साल २०१४ में राजद के टिकट पर पप्पू यादव जीते थे, जबकि २००९ में यहां से जदयू के टिकट पर शरद यादव ने जीत दर्ज की थी. इस बार जदयू ने एकबार फिर दिनेश चंद्र यादव और राजद के प्रो. कुमार चंद्रदीप को मैदान में उतारा है.

झंझारपुर संसदीय क्षेत्र में मुकाबला त्रिकोणात्मक बनाने को लेकर बसपा के गुलाब यादव पूरा जोर लगाए हुए हैं. इस सीट पर जदयू ने एकबार फिर रामप्रीत मंडल को चुनावी मैदान में उतारा है. जबकि महागठबंधन की ओर से विकासशील इंसान पार्टी के सुमन कुमार महासेठ चुनावी रण में ताल ठोंक रहे हैं.

मुख्य मुकाबला इन्हीं दोनों के बीच माना जा रहा था, लेकिन, बसपा ने गुलाब यादव को चुनावी अखाड़े में उतारकर सभी दलों की चिंता बढ़ा दी है. जबकि २००९ में यहां से जदयू के टिकट पर शरद यादव ने जीत दर्ज की थी. इस बार जदयू ने एनडीए की घटक लोजपा के उम्मीदवार महबूब अली कैसर चुनाव जीतते रहे हैं.

उन्होंने २०१४ और २०१९ में यह सीट जीत कर एनडीए की झोली में डाली थी. इसके पहले २००९ में एनडीए के दूसरे घटक जदयू के दिनेश यादव जीते थे. एक बार फिर लोजपा की ओर से राजेश वर्मा चुनाव मैदान में हैं तो महागठबंधन की ओर से माकपा के संजय कुमार उम्मीदवार हैं. बताया जाता है कि यहां पिछड़े और अति पिछड़े चुनावी परिणाम को प्रभावित करते रहे हैं. सुपौल सीट भी काफी महत्वपूर्ण मानी जाती है. इस सीट पर साल २०१९ और २००९ में एनडीए ने जीत दर्ज की तो २०१४ में कांग्रेस की टिकट पर रंजीत रंजन ने चुनाव जीता था. इस बार सुपौल संसदीय सीट पर जदयू के दिलेश्वर कामत और राजद के उम्मीदवार चंद्रहास चौपाल के बीच मुकाबला कांटे का माना जा रहा है.

सुपौल संसदीय क्षेत्र में वैसे तो राजपूत, यादव, ब्राह्मण और मुस्लिम मतदाताओं का प्रभाव है, लेकिन, यहां भी पचपनिया मतदाताओं यानी अति पिछड़ा वोटरों की संख्या ४०-४५ प्रतिशत है. ये मतदाता चुनाव में जीत-हार में बड़ा फैक्टर साबित होते हैं. सीमांचल की सीट अररिया में भी तीसरे चरण के तहत मतदान होना है. अररिया संसदीय सीट २०१९ में भाजपा ने जीती थी, जबकि, २०१४ में यहां से राजद उम्मीदवार सरफराज विजयी रहे थे. इस बार इस सीट पर भाजपा के प्रदीप सिंह और राजद के शाहनवाज आलम के बीच मुकाबला होगा. अररिया सीट तस्लीमुद्दीन के कारण चर्चा में रही है. इस क्षेत्र में मुस्लिम आबादी कभी ४५ प्रतिशत के करीब है.

अतीक अहमद शूटआउट केस: आरोपियों पर फास्ट ट्रैक कोर्ट ने चार्ज किया फ्रेम

प्रयागराज (ईएमएस): माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की पुलिस कस्टडी में काल्विन अस्पताल में मेडिकल कराने के लिए ले जाने के दौरान १५ अप्रैल २०२३ को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मौके पर ही पुलिस ने आरोपितों को पकड़ लिया था। फास्ट ट्रैक कोर्ट में हुई सुनवाई में हत्यारोपियों लवलेश तिवारी, अरुण मौर्य और सनी सिंह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश किया गया। कोर्ट ने तीनों शूटर्स पर चार्ज फ्रेम करते हुए चार्ज पर हस्ताक्षर कराए जाने के लिए कागजात जेल भेज दिया है। मामले की अगली सुनवाई दो मई को होगी।

तीसरे चरण के बाद खराब हो जाएगा प्रधानमंत्री का दिमाग : सांसद मनोज झा

पटना (एजेंसी): बिहार में पड़ रही प्रचंड गर्मी के बीच लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच चुका है. आरोप-प्रत्यारोप का दौर में अब शब्दों की मर्यादा टूटने लगी है. इसी कड़ी में राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए आपत्तिजनक टिप्पणी का इस्तेमाल किया है. पत्रकारों को संबोधित करते समय राजद सांसद ने प्रधानमंत्री को झूठा बताया.

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री झूठा है. इतना झूठा प्रधानमंत्री हमने नहीं देखा. जो बोलते हैं झूठ बोलते हैं. उनके सवालों का हम लोग क्या जवाब दें.

मनोज झा ने कहा कि कर्नाटक के बारे में प्रधानमंत्री क्यों नहीं बोलते हैं? वो देश के प्रधानमंत्री हैं, विपक्ष का कोई प्रधानमंत्री नहीं होता. उन्होंने कहा कि हम शिकायत किस से करें. प्रधानमंत्री सत्य बोलना सीखें. राजद नेता ने आगे कहा कि जिसके बारे में यौन शोषण के क्लिप हैं, प्रधानमंत्री उसके लिए बोलते हैं कि इनको मजबूत करो और मैं मजबूत होऊंगा. मनोज झा ने कहा कांग्रेस और हमने कभी नहीं ऐसा किया. सामाजिक न्याय हमारा है.

मनोज झा ने कहा कि चंडीगढ़ में आप चुनाव में डकैती कर रहे थे. गुजरात में आपने बिना वोट का सांसद दिया. अमित शाह आते हैं तो तरह-तरह की बात बोल कर चले जाते हैं, लेकिन बिहार के बारे में कुछ नहीं बोलते हैं. प्रधानमंत्री जी और उनकी पूरी टीम पिछड़ों दलित और अल्पसंख्यकों के गला घोटने चाहते हैं. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और केंद्रीय मंत्री बार-बार आते हैं. तेजस्वी यादव जो सवाल करते हैं. बीजेपी के लोग उसका जवाब नहीं देते हैं.

स्वास्थ्य विभाग ने हीटवेव के खतरों से निपटने के लिए जारी की एडवाइजरी

पटना (एजेंसी): बिहार में भीषण गर्मी से लोगों का काफी परेशानी का सामना करना पड़ है. दिन पर दिन तापमान में बढ़ोतरी और लू के लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है. मौसम विभाग के अनुसार, अभी तापमान में बढ़ोतरी की आशंका है. इसके चलते स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है. बीते दिन सोमवार को तीसरी बार स्वास्थ्य विभाग ने मेडिकल कॉलेजों और सिविल सर्जनों को एडवाइजरी जारी की है. स्वास्थ्य विभाग ने सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर पुख्ता इंतजाम के निर्देश दिए है. स्वास्थ्य विभाग ने सभी सिविल सर्जन और चिकित्सा पदाधिकारियों को पत्र भेजकर स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए है. इसके साथ ही अस्पतालों में जरूरी दवाएं, वार्ड, विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ पैरा मेडिकल स्टाफ, एंबुलेंस और सभी जांच की सुविधा की उपलब्धता को सुनिश्चित करने को कहा है.

स्वास्थ्य विभाग ने पत्र में मेडिकल कॉलेजों समेत सभी अस्पतालों को हफ्ते के सातों दिन और २४ घंटे खोलने के आदेश दिए है. लू पीड़ितों के लिए दवाएं और जांच करने के आदेश दिए है. वहीं अस्पताल आने वाले पीड़ित की हृदय गति, सांस लेने में परेशानी होना. ऐसे मरीजों की नियमित रूप से जांच होनी चाहिए. पीड़ितों के लिए रक्त गणना, इलेक्ट्रोलाइट्स, ईसीजी और लीवर चेक भी किया जाना है. वहीं सामान्य डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ के साथ-साथ विशेषज्ञ डॉक्टरों को २४ घंटे उपलब्ध रहने के आदेश है. मरीज की मदद के लिए डॉक्टरों को हमेशा मौजूद रहना होगा. पत्र में कहा गया है कि स्वास्थ्य केंद्रों और अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और एंबुलेंस को २४ घंटे अलर्ट रहने को कहा गया है. ताकि मरीज को ज्यादा परेशानी होने पर उसे दूसरे अस्पताल रेफर किया जा सके.

जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त का कार्यालय, जामताड़ा
(जिला निर्वाचन शाखा)
पता : संयुक्त भवन ब्लॉक-ए, जामताड़ा, पिन-815351, Email-id : electionofficejmt3@gmail.com

-शुद्धि पत्र-

कार्यालय आदेश ज्ञापांक 580/जि0नि0, जामताड़ा दिनांक 12.04.2024 एवं पी0आर0 323797 द्वारा Manual on Polling Station- October, 2020 Edition-2 के Chapter 4 Para 4.5 एवं निर्वाची पदाधिकारी की हस्तपुस्तिका-2023, अध्याय-2, कंडिका-2.11.1 में निहित प्रावधान ("मतदान केन्द्र के भवन के नामकरण में परिवर्तन") के अनुपालन में जामताड़ा जिलान्तर्गत 08-नाला विधान सभा क्षेत्र के 28 मतदान केन्द्र भवन एवं 09-जामताड़ा विधान सभा क्षेत्र के 49 मतदान केन्द्र भवनों का नाम में परिवर्तन की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

स्पष्ट करना है कि 08-नाला विधान सभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र उत्क्रमित मध्य विद्यालय भवन झिलुवा परिवर्तित नाम मतदान केन्द्र प्राथमिक विद्यालय भवन झिलुवा का संख्या टंकण भूलवश मतदान केन्द्र संख्या 45 हो गया है, जिसे मतदान केन्द्र संख्या 43 पढ़ा एवं समझा जाय, शेष यथावत् रहेगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, जामताड़ा।

PR.NO.324229 Jamtara(24-25):D

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग।
सहायक श्रमायुक्त का कार्यालय, गिरिडीह।

(संयुक्त श्रम भवन, अरगाघाट रोड, गिरिडीह)

Heat Wave से बचाव के संबंध में आवश्यक सूचना।

नियोजक/मुख्य नियोजक/संवेदक ध्यान दों।

वर्तमान में Heat Wave का प्रकोप जारी है। कार्यरत श्रमिकों के कार्य स्थलों पर निम्न सुविधाएं उपलब्ध कराकर इससे बचा जा सकता है:-

1. सभी कार्य स्थलों पर शीतल पेयजल के लिए प्याउ की सुविधा उपलब्ध कराना।
2. औद्योगिक क्षेत्र/नगरीय क्षेत्र/खनन क्षेत्र एवं मनरेगा क्षेत्र के सभी श्रमिकों के लिए आश्रय स्थलों पर शुद्ध पेयजल, छाँछ, First Aid Kit with Ice Pack के साथ पर्याप्त मात्रा में ORS की व्यवस्था कराना।
3. धूप से बचने संबंधी सावधानी बरतना।
4. Peak Hour में कठिन कार्य के समय को सुविधानुसार परिवर्तित किया जाना।
5. बाहरी गतिविधियों में आराम के समय एवं उनकी आवृत्ति में अभिवृद्धि कराना।
6. उच्च ताप वाले क्षेत्रों में हल्के कार्यो को कम समय के लिए दिया जाना।
7. गर्भवती महिलाओं एवं Medical Condition वाले श्रमिकों को अत्यधिक ध्यान दिया जाना।
8. श्रमिकों को Heat Wave Alert की सूचना समय-समय पर मुहैया कराना।
9. निर्माण संस्थानों (स्थल)/उद्योग संस्थानों/वाणिज्यिक संस्थानों/मनरेगा श्रमिकों को Heat Wave से संबंधित बीमारियों के संबंध में प्रशिक्षण देना।
10. समय-समय पर स्वास्थ्य कैंप अपने प्रतिष्ठान में लगवाना।

सहायक श्रमायुक्त, गिरिडीह।

PR 324243 Labour Employment and Traning(24-25)D

सहायक श्रमायुक्त का कार्यालय, धनबाद
संयुक्त श्रम भवन, बरटोंड़, धनबाद
(Email-id:- alcdhanbad204@gmail.com

Heat Wave के बचाव के लिए औद्योगिक क्षेत्रों/प्रतिष्ठानों/खनन क्षेत्रो/पुल निर्माण/भवन निर्माण/ईट निर्माण/कसर एवं मनरेगा अंतर्गत कार्यरत श्रमिकों को कार्य स्थलों पर नियोजको द्वारा निम्न सुविधाएं उपलब्ध कराया जाना है:-

- कार्य स्थलों पर शीतल पेयजल के लिए प्याउ की सुविधा उपलब्ध कराना।
- औद्योगिक क्षेत्र/खनन क्षेत्र/नगरीय क्षेत्र के श्रमिकों के लिए आश्रय स्थल पर शुद्ध पेयजल, छाँछ First Aid with Ice pack साथ पर्याप्त मात्रा में ORS की व्यवस्था कराना।
- उच्च ताप वाले क्षेत्र में आराम के समय एवं उनकी आवृति में अभिवृद्धि कराना।
- Peak Hour में कठिन कार्य के समय को सुविधानुसार परिवर्तित कराने के संबंध में दिशा निर्देश निर्गत करना।
- गर्भवती महिलाओं एवं Medical Condition वाले श्रमिकों को अत्यधिक ध्यान दिये जाने के संबंध में दिशा-निर्देश निर्गत करना।
- श्रमिकों को Heat Wave Alert की सूचना समय-समय पर मुहैया कराना।

उद्योग/वाणिज्यिक

- संस्थाओं में Heat Wave से संबंधित बिमारियों के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाना।
- स्वास्थ विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर स्वास्थय कैंप लगवाना।

साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के Do's & Don'ts for Heat wave का भी अनुपालन किया जाना है।

श्रम अधीक्षक, धनबाद।

PR.NO.324254 Labour Employment and Traning(24-25):D

झारखण्ड सरकार
उपायुक्त का कार्यालय (जिला बाल संरक्षण इकाई), धनबाद
मिश्रित भवन, Ground Floor, कमरा नम्बर - 7
दुरभाष - 7903353045, Email ID - dcps-dhanbad@jharkhandmail.gov.in

गुमशुदा अज्ञात बालिका की सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, धनबाद को गुमशुदा अज्ञात बालिका प्राप्त हुआ है। जिसकी विवरणी निम्नवत है:-

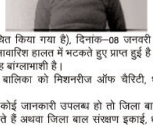

नाम-वर्णाली (बरनाली)
लिंग-स्त्री
पिता का नाम- अज्ञात
माता का नाम- अज्ञात
उम्र- 11 वर्ष लगभग
भाशा - बांग्लाभाशी
रंग- साफ

बालिका वर्णाली (बरनाली), उम्र-11 वर्श लगभग (जैसा सूचित किया गया है), दिनांक-08 जनवरी 2024 को प्रमिला कुमारी, पिता-मोती हरि, सिनीडीह, पो0-टुण्डू, जिला-धनबाद को लावारिश हालत में भटकते हुए प्राप्त हुई है। देखने से बालिका की उम्र अधिक प्रतित होती है। बालिका को मानसिक समस्या है। वह बांग्लाभाशी है।

वर्तमान में बाल कल्याण समिति, धनबाद के आदेशानुसार बालिका को निशनदीप ऑफ चैरिटी, धनबाद में आवासित किया गया है।

आम जनता से अपील है कि इस बालिका के संबंध में अगर कोई जानकारी उपलब्ध हो तो जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, धनबाद के संपर्क नम्बर- 7903353045 पर जानकारी दे सकते हैं अथवा जिला बाल संरक्षण इकाई, धनबाद के कार्यालय मिश्रित भवन के कमरा नम्बर-7 में आकर सूचना दे सकते हैं।

कार्यालय का पता:-
जिला बाल संरक्षण इकाई, मिश्रित भवन के कमरा नं0-7.
धनबाद। संपर्क नं0-7303353045

(साधना कुमारी)
जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी
धनबाद

PR 324245 Social Welfare,Women and Child Development (24-25)_D

कार्यालय, जिला पशुपालन पदाधिकारी, गिरिडीह।
फोन नं0- 7667235159, email - daho.grd@gmail.com

अत्याधिक गर्म मौसम (लू) के दौरान सीधी गर्मी के सम्पर्क से जानवरों की देखभाल करने हेतु पशुपालकों से अपील:-

1. पर्याप्त आश्रय प्रदान करना:- जानवरों को पुरे दिन छायादार जगहों पर रखें। पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों से अस्थायी आश्रयों (झालों) का निर्माण करें या उन्हें सीधे सूर्य की रौशनी से बचाने के लिए पेड़ों या अन्य संरचनाओं से प्रकृतिक छाया प्रदान करें।
2. पानी के कटोरे और बर्तन रखना:- जल संचय योजना गर्मी के तनाव से निपटने की कुंजी है। पानी के कटोरे में साफ, ताजा पानी नियमित रूप से भरें और अधिक गर्मी से बचने के लिए उन्हें छायादार क्षेत्रों में रखें साथ ही कुओं/हैंडपम्प आदि के पास चौड़े, खुले वाले बड़े मिट्टी के बर्तनों या ऐसे कंटेनरों का उपयोग करना चाहिए जिन्हें जानवर आसानी से पलट ना सकें।
3. गर्मी से तनाव के लक्षणों की निगरानी करें:- गर्मी की थकावट या हीटस्ट्रोक(लू) के लक्षणों के प्रति सतर्क रहें, जिनमें अत्यधिक हांफना, सुस्ती, लार टपकना, तेजी से दिल की धड़कन और पतन आदि शामिल है। यदि संकट के कोई भी लक्षण दिखाई दे तो ओ0आर0एस0 (ORS) का उपयोग करें एवं तुरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करें।
4. जागरूकता:- अपने समुदाय के भीतर जानवरों को अत्यधिक गर्मी से बचाने और सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाएं। यदि आवश्यक हो तो सहायता प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पशु क्रुरता की रोकथाम के अधिनियम 1965 के नियम 06 के उप-नियम 03 में कहा गया है कि जहाँ तापमान 37 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक हो वहाँ दोपहर 12:00 बजे से 03:00 बजे के बीच कोई भी व्यक्ति उन क्षेत्रों में वाहन खींचने या भार ढोने के लिए किसी जानवर का उपयोग नहीं करेंगे।

सभी पशुपालकों से अपील किया जाता है कि अत्यधिक गर्मी के प्रतिकूल प्रभावों से बचाने के लिए अपने जानवरों को गर्मी से संबंधित बीमारियों और संकटो से बचाने के लिए सक्रिय उपाय करें। ताकि अत्यधिक गर्मी की स्थिति के कारण जानवरों को कोई अनावश्यक दर्द या पीड़ा न हों। किसी भी आकस्मिक स्थिति में निकटतम पशु चिकित्सालय में सम्पर्क करें।

निवेदक
जिला पशुपालन पदाधिकारी,
गिरिडीह।

PR 324236 Animal Husbandry(24-25)D

पूर्व मध्य रेल

ई ऑक्शन सूचना सं WVM-DHN-03-24

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य) पूर्व मध्य रेलवे, धनबाद द्वारा पांच (05) वर्षों की अवधी के लिए धनबाद मंडल के अंतर्गत A और B श्रेणी स्टेशन पर WVM की स्थापना और संचालन के लिए ई ऑक्शन आमंत्रित किया जाना है। विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:- **सभी ठेके का प्रकार:** WVM की स्थापना और संचालन, **क्र. सं.:** 1, **लॉट संख्या:** MSS-DHN-KQR-WVM-21-24-1, **स्टेशन:** कोडरमा, **क्र. सं.:** 2, **लॉट संख्या:** MSS-DHN-CRP-WVM-24-24-1, **स्टेशन:** चन्दपुरा, **क्र. सं.:** 3, **लॉट संख्या:** MSS-DHN-PNME-WVM-23-24-1, **स्टेशन:** पारसनाथ, **क्र. सं.:** 4, **लॉट संख्या:** MSS-DHN-GHD-WVM-27-24-1, **स्टेशन:** गढ़वा रोड, **सभी लॉट की ठेका अवधि:** 05 वर्ष, **सभी लॉट के लिए ई-नीलामी की शुरौत और समय:** 13.05.2024, 15:00 बजे से **Catalogue No.** WVM-DHN-03-24, **Website: www.ireps.gov.in,**

Note: 4. The e-Auction will be online on the IREPS (e-Auction leasing portal) on the prescribed date and time., 2. Desirous of participating in the e-Auction shall pay Rs. 10000/-+GST (non refundable) Online submission of one time registration is required and also having current account linked to IREPS, Payment/Deduction of Security Deposit (EMD) online from the same account., 3. Complete information about the terms and conditions related to e-Auction is available in the e-Auction leasing selection of the IREPS portal **(www.ireps.gov.in)**

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)/धनबाद

पीआर/00189/डीएचएन/डीआरएमएल/टी/24-25/48

बेटी को प्रताड़ित करने पर पिता ने तलाक दिलाया

कानपुर (ईएमएस): ये मामला कानपुर के निराला नगर क्षेत्र का है जहां बीएसएनएल से रिटायर अनिल कुमार सक्रिता रहते है उन्होंने २०१६ में अपनी बेटी की शादी चकेरी में रहने वाले गोपाल प्रसाद के बेटे आशीष से की थी। शादी के बाद से ही ससुराल वाले बेटी को कम दहेज को लेकर प्रताड़ित करते रहे थे। लड़की के माता-पिता ने अपनी बेटी का घर बचाने के लिए लड़के वालों की सारी डिमांड पूरी की। शादी के बाद दिल्ली में लड़के को फ्लैट लेकर दिया। लेकिन उसके बावजूद ससुराल वाले लड़की को प्रताड़ित करते रहे। वहीं जब लड़की पैदा हो गई तो उसके बाद ससुराल वाले उसको और प्रताड़ित करने लगे और ताने देने लगे। ८ साल बीत जाने के बावजूद ससुराल वालों के स्वभाव में किसी प्रकार का बदलाव न होने की वजह से लड़की के पिता ने फैसला लिया कि वह अपनी बेटी को तलाक दिलाकर उसे अपने घर में वापस लाएंगे।

मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित कर रहे है सरकारी स्कूलों के बच्चे

रांची (ससे): लोकसभा आम निर्वाचन के मद्देनजर राज्य के सरकारी स्कूलों में भी मतदाता जागरूकता हेतु कई कदम उठाये जा रहे है। मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रतिदिन स्कूलों में मतदान से संबंधित रोचक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। स्कूलों में आयोजित होने वाले चेतना सत्रों में भी बच्चो को भारत के विराट लोकतांत्रिक विरासत और इसकी गौरवगाथा के बारे में बताया जा रहा है। बच्चे इन प्रयासों से लोकतांत्रिक इतिहास और मतदान के महत्त्व को आसानी से समझ पा रहे है। इतना ही नहीं, वे अपने टोलो/गांवो में भी जागरूकता अभियान चला रहे है, जिससे मतदाताओं में मतदान को लेकर उत्साह बढे और वे लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी उत्साह के साथ सुनिश्चित करे।

स्कूलों में बनाया गया डेमोक्रेसी रूम

राज्य के सरकारी स्कूलों में छात्रों एवं उनके अभिभावकों को मतदान के लिए प्रेरित करने हेतु 'लोकतंत्र कक्ष' बनाया गया है। इस रूम में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से जुड़े चित्रों, पेंटिंस, आर्ट एंड क्राफ्ट, ईवीएम, वीवीपैट मशीने आदि की प्रतीकात्मक प्रदर्शनी लगाई गयी है। बच्चे इस कक्ष में अपने अभिभावकों के साथ आकर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को आसानी से समझ सकते है। बच्चे प्रतीकात्मक ईवीएम और वीवीपैट मशीन के माध्यम से अभिभावकों के मन में ईवीएम को लेकर उत्पन्न भ्रम को भी दूर करने की कोशिश कर रहे है। इस कक्ष में भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के बारे में भी बच्चे जानकारी प्राप्त कर रहे है।

रोचक बाल संसद का गठन

विद्यालयों में बाल संसद का गठन किया गया है। निर्वाचन प्रक्रियाओं के माध्यम से रोचक बाल संसद का गठन किया जा रहा है। इसके माध्यम से स्कूली बच्चे भविष्य में मतदान करने की प्रक्रियाओं को समझ रहे है। स्कूल में हाउस कप्तान, क्लास मॉनिटर का चयन किया जा रहा है। चुनाव को देखते हुए स्कूल में चुने हुए छात्र प्रतिनिधियों को 'प्रधानमंत्री, मंत्री व सांसद' जैसे पद दिए जा रहे है। जिससे बच्चे काफी उत्साहित भी नजर आ रहे है।

अभिभावक शिक्षक बैठक का आयोजन

राज्य के विभिन्न सरकारी स्कूलों को अभिभावक शिक्षक बैठक का आयोजन करने के संबंध में निर्देश जारी किया गया है। इस बैठक में शामिल होने वाले अभिभावकों को शिक्षकों, प्राचार्य, एसएमसी सदस्यों द्वारा चुनाव में बढ़ चढ़ कर मतदान करने के लिए प्रेरित एवं जागरूक किया जा रहा है। विद्यालय द्वारा टोला टैगिंग कर अभिभावकों से संपर्क किया जा रहा है, तथा बैठक में अनिवार्य रूप से शामिल होने को कहा गया है। पीटीएम के माध्यम से अभिभावकों को चुनावी तिथियों की जानकारी तो दी ही जा रही है, साथ ही उनकी वोटर पर्ची, मतदाता पहचान पत्र, बूथ संख्या आदि से जुड़े शंकाओ को भी दूर किया जा रहा है।

लगातार प्रतियोगिताओं का आयोजन

मतदाता जागरूकता के उद्देश्य से सरकारी विद्यालयों में बच्चो के लिए लगातार चुनाव से संबंधित रोचक प्रतियोगिताओ का आयोजन किया जा रहा है। इसमें रंगोली, पेंटिंग, स्लोगन मेकिंग, वाल पेंटिंग, स्पीच आदि प्रतियोगिताएं शामिल है। स्कूली बच्चे लगातार इन प्रतियोगिताओ में भाग लेकर अपने पाठ्येत्तर कौशल को विकसित कर रहे है, साथ ही चुनाव को लेकर उनकी दिलचस्पी और उत्साह भी बढ़ रही है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा कई विद्यालयों को वोटर अवेयरनेस प्रोग्राम के तहत सम्मानित भी किया गया है।

झारखंड एकेडमिक काउंसिल, जैक ने इंटर का परीक्षाफल जारी किया

रांची (ससे): झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक), रांची द्वारा मंगलवार को इंटर का परीक्षाफल जारी किया गया। मुख्य अतिथि उमा शंकर सिंह, प्रभारी सचिव शिक्षा विभाग, विशिष्ट अतिथि उत्कर्ष गुप्ता, निदेशक माध्यमिक शिक्षा, अनिल महतो जैक अध्यक्ष ने जैक इंटर का रिजल्ट जारी किया। बोर्ड ने इस बार १२वीं आर्ट्स, कॉमर्स और साइंस तीनों स्ट्रीम के रिजल्ट एक साथ जारी किए हैं। इस वर्ष ४०.७८ प्रतिशत छात्रों ने फर्स्ट डिवीजन से १२वीं परीक्षा पास की है जबकि ५५.७१ प्रतिशत छात्रों की सेकेंड डिवीजन आई है। राज्यभर में ७४० एग्जाम सेंटर पर कुल ३ लाख ४४ हजार छात्रों ने परीक्षा दी थी, जिसमें से साइंस स्ट्रीम के कुल ९४४३३ स्टूडेंट्स हैं, इनमें से ६८२०३ पास हुए हैं वहीं ७२.७०% छात्रों को फर्स्ट डिवीजन मिला है । इस साल २५९०७ स्टूडेंट्स ने कॉमर्स स्ट्रीम की बोर्ड परीक्षा दी थी जिनमें से २३२३५ पास हुए हैं, कॉमर्स का ओवरऑल पास प्रतिशत ९०.६०% रहा है, जबकि ६१% स्टूडेंट्स ने फर्स्ट डिवीजन से परीक्षा पास की है । आर्ट्स संकाय में में ९३.३ प्रतिशत छात्र सफल हुए हैं । जैक १२वीं आर्ट्स संकाय में राँची के कांके के सत कनान्दू गांव की जिनन्त परवीन ९४.४ फीसद अंक लाकर स्टेड टॉपर बनी। इस वर्ष इंटर की परीक्षाएं ६ फरवरी से २६ फरवरी, २०२४ तक आयोजित की गईं थीं ।

रांची संसदीय क्षेत्र के लिए एक अभ्यर्थी ने किया नामांकन, 8 अभ्यर्थियों ने नामांकन पर्चा खरीदा

रांची (ससे): रांची संसदीय क्षेत्र के लिए अधिसूचना जारी होने के बाद अब तक कुल २० अभ्यर्थियों ने नाम-निर्देशन पत्र खरीदे हैं। अधिसूचना जारी होने के दूसरे दिन मंगलवार को १२ अभ्यर्थियों ने नाम-निर्देशन पत्र खरीदे जबकि पहले दिन ८ अभ्यर्थियों ने नामांकन पर्चा खरीदा था।

दूसरे दिन नाम-निर्देशन पत्र खरीदने वाले अभ्यर्थी- १. कामेश्वर प्रसाद साव, निर्दलीय २. अरशद अयूब, निर्दलीय ३. निपु सिंह, राष्ट्रीय जनसंघर्ष स्वराज पार्टी ४. प्रवीण कच्छप, संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी ५. यशस्विनी सहाय, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ६. प्रवीण चन्द्र महतो, निर्दलीय ७. सोमा सिंह, जय महाभारत पार्टी ८. रंजना गिरि, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) ९. बीरेन्द्र नाथ मांझी, अबुआ झारखण्ड पार्टी? १०. देवेन्द्र नाथ महतो, निर्दलीय ११. कोलेश्वर महतो, निर्दलीय १२. विनोद उरांव, बहुजन मुक्ति पार्टी।

एक अभ्यर्थी ने दाखिल किया नामांकन

मंगलवार को को अम्बेडकराई पार्टी ऑफ इंडिया के अभ्यर्थी रामहरि गोप ने नामांकन दाखिल किया। समाहरणालय ब्लॉक-ए स्थित निर्वाची पदाधिकारी के कार्यालय में अभ्यर्थी द्वारा नामांकन दाखिल किया गया। अब तक रांची संसदीय क्षेत्र से दो अभ्यर्थियों द्वारा नामांकन दाखिल किया गया है। सोमवार को एसयूसीआई के अभ्यर्थी मिंटू पासवान ने नामांकन दाखिल किया था।

खूंटी की बेटी ने इंटर आर्ट्स में राज्य में द्वितीय स्थान प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया

खूंटी (ससे): खूंटी की बेटी बहामनी धान ने इंटर आर्ट्स में खूंटी में पहला स्थान और राज्य में द्वितीय स्थान प्राप्त कर परचम लहराया। बहामनी धान सरकारी विद्यालय एसएस प्लस टू खूंटी की छात्रा है। बहामनी धान के पिता खेती बाड़ी करते हैं और माता हरदाग के ईंट भट्ठा में काम करती है। कर्रा के कुरसे गांव की रहने वाली बहामनी फिलहाल पढ़ाई के लिए अपने छोटे भाई के साथ खूंटी के कर्रा रोड में किराए के मकान में रहती हैं। माता पिता से दूर रहकर भी बहामनी अपने लक्ष्य से नहीं भटकी और ९३.२प्रतिशत लाकर एसएस प्लस टू सरकारी स्कूल समेत जिला और राज्य का नाम भी रोशन किया। किराए के मकान में रहने वाले चाचा चाची ने रिजल्ट की जानकारी होने पर बहामनी का मुंह मीठा कराया और कहा कि दोनों भाई बहन को अपनी घर से माहौल देते हैं और उनकी जरूरतों को भी पूर्ण करने में सहयोग देते है। घर से दूर रहकर भी बहामनी ने अनवरत पढाई जारी रखा। बगैर ट्यूशन के ही सिर्फ स्कूल की पढ़ाई और रिवाइज कर अपने बलबूते आर्ट्स में राज्य में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रिजल्ट की जानकारी होने पर बहामनी प्रसन्नता जाहिर करती हैं और कहती हैं कि गरीबी के बावजूद माता पिता, चाचा चाची और शिक्षकों के सहयोग से अपनी पढ़ाई बेहतर ढंग से कर पायी। आज खूंटी समेत राज्य में बहामनी धान अन्य गरीब परिवार के छात्र छात्राओं के लिए मिसाल बन गयी है।

झारखंड में अब तक 71 करोड़ 11 लाख रुपये से अधिक की हुई जब्ती , 817 आर्म्स लाइसेंस रद्द किये गये

रांची (ससे): उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नेहा अरोड़ा ने बताया है कि आदर्श आचार संहिता के लागू होने से लेकर अब तक झारखंड में ७१ करोड़ ११ लाख रुपये से अधिक की जब्ती की गई है। इसमें अवैध शराब, ड्रग्स आदि समेत ५ करोड़ १८ लाख से अधिक नकद रुपये शामिल हैं। वह मंगलवार को निर्वाचन सदन, धुर्वा में पत्रकारों से मुखातिब थीं। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में विधि व्यवस्था को लेकर राज्य के १८५७७ आर्म्स लाइसेंस में से ८१७ को रद्द करने की कार्रवाई की गई है। लाइसेंस रद्द हथियारों के मालिकों ने उसका सत्यापन नहीं कराया था। उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नेहा अरोड़ा ने बताया कि फेज ५ के निर्वाचन को लेकर कुल कुल १४ नामांकन हुए हैं। उनमें चतरा में ९, कोडरमा में ४ और हजारीबाग में १ नामांकन हुआ है। वहीं फेज ६ के लिए अब तक कुल ८ नामांकन हुए हैं। उनमें गिरिडीह में १, धनबाद में २, रांची में २ और जमशेदपुर में ३ नामांकन हुए है। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता जागरूकता का अभियान विभिन्न माध्यमों से लगातार जारी है।

जागरूकता अभियानों से मतदाताओं में मतदान के प्रति रुचि बढ़ी

जामताड़ा (ससे): जामताड़ा जिले में स्वीप के तहत मतदाताओं को मतदान के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर जागरूक करने का प्रयास लगातार जारी है। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जेएसएलपीएस की दीदियों के द्वारा संध्या चौपाल, शपथ ग्रहण, जागरूकता रैली जैसे कार्यक्रमों का आयोजन कर योग्य मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है।विशेष कर ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं को मतदान के महत्व की जानकारी देकर सभी कामों को छोड़कर मतदान के दिन अपने बुथों पर जाकर मतदान करने की अपील की जा रही है। पहले मतदान फिर जलपान के स्लोगन के साथ ग्रामीण महिला पुरुष मतदाताओं को प्रदान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस दौरान जामताड़ा जिले के विभिन्न विद्यालयों , पंचायतों में चुनाव आयोग के निर्देश के आलोक में जिले के शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान जागरूकता वाहन के माध्यम से भी मतदान के महत्व की जानकारी देकर मतदान करने की अपील मतदाताओं से की जा रही है। मतदाता जागरूकता अभियान का जामताड़ा जिले में खासा असर कर देखा जा रहा है। मतदाताओं में मतदान के प्रति रुचि बढ़ी है। ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं के बीच मतदान को लेकर चर्चाएं की जा रही है। जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन से जामताड़ा जिले में मतदान का प्रतिशत में सुधार आने की पूरी उम्मीद जताई जा रही है।

रांची में राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग की हुई शुरुआत

रांची (ससे): रांची में मंगलवार से से राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग की शुरुआत हुई। पहले मैच में ओडिशा की टीम ने शानदार हॉकी का प्रदर्शन करते हुए हरियाणा को ४-१ से मात दी। ओडिशा की टीम ने पहले हाफ़ में पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए एक के बाद एक चार गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया। राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग में इसके अलावा कुछ अन्य मैच भी हुए।

झामुमो ने भाजपा नेताओं पर साधा निशाना, सजायाफ्ता राजा पीटर से समर्थन मांगने का लगाया आरोप

रांची (ससे): रांची राजधानी रांची के हरमू स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य तथा विधायक विकास सिंह मुंडा के द्वारा संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया गया। इस संवाददाता सम्मेलन के माध्यम से उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पर खूंटी लोकसभा चुनाव में सजायाफ्ता राजा पीटर से समर्थन मांगने के तथा भारतीय जनता पार्टी के नेता के द्वारा बुंडू में १४०० एकड़ जमीन की लूट का आरोप लगाया। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि राजा पीटर विधायक स्वर्गीय रमेश सिंह गुंडा के हत्या के मुख्य षड्यंत्रकारी थे और ऐसे लोगों से भारतीय जनता पार्टी खूंटी लोकसभा चुनाव में समर्थन मांग रही है । वही बुंडू में १४०० एकड़ जमीन मामले से जुड़े पवन बजाज के साथ अर्जुन मुंडा के गहरे संबंध रहे हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा नेता अंतू तिर्की से संबंध के विषय पर उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम यह चैट का स्क्रीनशॉट उनके पास आया कहां से? यह एक प्रकार का झारखंड मुक्ति मोर्चा के चेहरे को काला करने की कोशिश है। वहीं विकास मुंडा ने कहा कि सिर्फ भारतीय जनता पार्टी राजा पीटर से ही नहीं बल्कि कुंदन पाहन से भी अपनी पार्टी के लिए समर्थन मांग रही है जो काफी संगीन मामला है।

रांची जिला के सभी बैंकों को संदिग्ध निकासी एवं जमा पर सघन निगरानी रहने का निर्देश

रांची (ससे): मोरहाबादी स्थित राज्य अतिथिशाला के सभागार में व्यय पर्यवेक्षक, वीरेंद्र कुमार सिंह द्वारा जिले की सभी एनफोर्समेंट एजेंसीज़ के नोडल पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक की गई। उक्त बैठक में सम्बंधित एजेंसियों को समन्वय के साथ चुनाव आयोग के दिशा-निर्देश के आलोक में सक्रिय रहते हुए कार्य करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।बैठक में व्यय अनुश्रवण कोषांग प्रभारी, सज्जन पाण्डेय, व्यय अनुश्रवण कोषांग के पदाधिकारी एवं सभी एनफोर्समेंट एजेंसीज़ के नोडल पदाधिकारीगण उपस्थित थे।व्यय पर्यवेक्षक वीरेंद्र कुमार सिंह ने सभी नोडल पदाधिकारियों से की गई कार्रवाइयों एवं आगामी कार्य योजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। व्यय की गणना हेतु निर्गत दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया।

व्यय पर्यवेक्षक द्वारा सभी पदाधिकारियों को दिए गए निर्देश:-(१) आईटी एवं पुलिस के नोडल पदाधिकारी को जिले में कैश मूवमेंट पर कड़ाई से नजर रखने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि किसी भी ऐसी गतिविधि जिसमें ऐसे लेन-देन शामिल हों जिससे मतदाता को प्रभावित किया जा सके ऐसे मामलों में नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए चुनाव आयोग को अविलंब रिपोर्ट प्रेषित किया जाये।

(२) बैंक के नोडल पदाधिकारी को बैंकों में संदिग्ध निकासी एवं जमा पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। साथ ही नोडल पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा गया कि ऐसे नकद निकासी एवं जमा सम्बन्धी रिपोर्ट आयकर विभाग एवं व्यय अनुश्रवण कोषांग से साझा करें, ताकि ऐसे लेन देन के मामलों पर प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा सके।

(३) जीएसटी विभाग को निर्देश दिया गया कि जिले में फ्रीवीज के मूवमेंट पर विशेष निगरानी रखी जाए ताकि मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश पर लगाम लगाया जा सके। इस हेतु अगर आवश्यक हो तो टीम का गठन कर संदिग्ध गतिविधि वाले रास्तों पर जाँच प्रारंभ की जाए।

(४) राज्य उत्पाद विभाग द्वारा चुनाव घोषणा से आज तक की गई शराब की ज़ब्ती संबंधी प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए उत्पाद विभाग को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि प्रत्येक शराब दुकान का दैनिक बिक्री संबंधी प्रतिवेदन प्राप्त किया जाये ताकि किसी क्षेत्र में मतदाताओं को प्रभावित करने हेतु शराब की ख़रीद संबंधी जानकारी ससमय प्रशासन को प्राप्त हो सके।

आईसीएआई की फाउंडेशन व इंटरमीडिएट की परीक्षा अब छात्र तीन बार दे सकेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस): सीए बनने के लिए सबसे पहले स्तर के रूप में फाउंडेशन की परीक्षा देनी होती है। जिन छात्रों ने बारहवीं की परीक्षा पास की हो वे फाउंडेशन स्तर की परीक्षा में बैठ सकते हैं। इसको पास करने के बाद वह इंटरमीडिएट में प्रवेश करते हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की फाउंडेशन व इंटरमीडिएट की परीक्षा अब छात्र तीन बार दे सकेंगे। यह परीक्षा मई-जून व सितंबर व जनवरी में आयोजित की जाएंगी। अब तक फाउंडेशन व इंटरमीडिएट की परीक्षा साल में २ बार देने का अवसर मिलता था। फाइनल परीक्षा पहले की तरह मई व नवंबर में ही होती रहेगी। संस्थान ने छात्रों की सुविधा के लिए ३ बार परीक्षा आयोजित करने की घोषणा की है। फाउंडेशन कोर्स की सितंबर २०२४ होने वाली परीक्षा के लिए पंजीकरण कल तक कराया जा सकता है। वहीं इंटरमीडिएट की जनवरी २०२५ में होने वाली परीक्षा के लिए भी पंजीकरण करने की अंतिम तिथि कल ही है।

झारखंड लूटने में सरकार और जेएमएम दोनों शामिल : प्रतुल शाहदेव

रांची (ससे): भाजपा प्रदेश मीडिया सेंटर हरमू में प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि झारखंड लूटने में सरकार और जेएमएम दोनों शामिल है । इसमें शक की कोई गुंजाइश ही नहीं है ईडी ने अंतू तिर्की को रिमांड में लेने के लिए जो दस्तावेज पेश किए हैं उसमें फेक दस्तावेज बड़गाई के जमीन से जुड़े हुई है । इससे स्पष्ट है कि हेमंत सोरेन ने बंड़गाई की जमीन पर कब्जा करके रखा है। उन्होंने अंतू तिर्की और सुप्रियो भट्टाचार्य के बीच का चैट का जिक्र करते हुए कहा कि अंतूतू तिर्की और उनके सहयोगी कमीशन के तौर पर ट्रांसफर पोस्टिंग कराते थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में सुप्रीयो भट्टाचार्य चुप क्यों है वह सच बताये।

झारखण्ड सचिवालय सेवा संघ ने चलाया सम्पर्क अभियान

रांची (ससे): को झारखण्ड सचिवालय सेवा संघ द्वारा संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद के नेतृत्व में नेपाल हाउस स्थित सचिवालय के विभिन्न विभागों में सम्पर्क अभियान चलाया गया।

मौके पर अध्यक्ष ने संघ के सदस्यों के साथ सचों के दौरान बताया कि सरकार द्वारा सचिवालय सेवा के पद सृजन मामले में लंबे समय से सकारात्मक पहल नहीं की जा रही है। पद सृजन के विपरीत कार्मिक विभाग द्वारा पदों में कटौती का प्रस्ताव लाया गया है, जो निंदनीय है। संघ के मांगों के प्रति सरकार के अन्यायपूर्ण, संवेदनहीन व उदासीन रवैया संघ को भविष्य में आंदोलन के लिए बाध्य कर रही है। आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने के निमित्त अध्यक्ष ने सभी विभागों से विभागीय प्रतिनिधि मनोनीत करने का आग्रह किया, ताकि विभाग एवं संघ के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सके। उक्त सम्पर्क अभियान में संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद के साथ उपाध्यक्ष विनय कुमार बरनवाल, संयुक्त सचिव देबाशीष सिन्हा, संगठन सचिव प्रणव कुमार पांडा, कोषाध्यक्ष हेम नारायण सिंह आदि पदाधिकारीगण शामिल थे।

हमारे संविधान निर्माताओं ने संविधान में शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (ईएमएस): उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि शिक्षा का दान समाज के लिए सबसे बड़ा दान है। उपराष्ट्रपति आज जयपुर में, राजस्थान पत्रिका के संस्थापक स्वर्गीय कर्पूर चन्द कुलिश जी की स्मृति में कोठरी परिवार द्वारा स्थापित द कुलिश स्कूल के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित छात्रों, उनके अभिभावकों, शिक्षकों और अन्य गणमान्य अतिथियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज में बदलाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। हर क्षेत्र में वही लोग नेतृत्व कर रहे हैं जिन्होंने शिक्षा में भी अपना स्थान बनाया। इस संदर्भ में उन्होंने अपने जीवन में अपने सैनिक स्कूल, चित्तौड़गढ़ के संस्कारों और अनुभवों के महत्व को याद करते हुए कहा कि मेरा असली जन्म तो सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ में ही हुआ।

उपराष्ट्रपति ने जोर दिया कि हर बच्चे को उसकी रुचि के अनुरूप अपनी प्रतिभा को अभिव्यक्त करने के पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारे संविधान में हमारी ५ हजार साल पुरानी संस्कृति में शिक्षा के महत्व पर विशेष ध्यान दिया है। इस संदर्भ में उन्होंने संविधान की मूलप्रति जिस पर संविधान सभा

के सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे, उस पर अंकित चित्रों का जिक्र किया। संविधान की मूलप्रति के भाग २ के पृष्ठ पर गुरुकुल का चित्र बना है तो भाग ४ वाले पृष्ठ पर कुरुक्षेत्र में श्री कृष्ण द्वारा गीता उपदेश का प्रसंग अंकित है।

उन्होंने कहा ये चित्र, संविधान सभा द्वारा शिक्षा को दिए गए महत्व को दर्शाते हैं।

उपराष्ट्रपति ने स्वर्गीय कर्पूर चन्द कुलिश जी की प्रतिमा का अनावरण भी किया। उन्होंने कहा कि कुलिश जी की यह प्रतिमा विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगी।

धनखड़ ने कहा कि कुलिश जी स्वयं वेदों के विद्वान थे तथा शिक्षा में भारतीय संस्कृति और संस्कारों के प्रबल समर्थक थे। उपराष्ट्रपति ने इस स्कूल की स्थापना के लिए कोठारी परिवार को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह स्कूल उनकी एक महत्वपूर्ण विरासत है।

उपराष्ट्रपति ने उन्हें हिंदी पत्रकारिता का पुरोधा बताया। उन्होंने कहा कि कुलिश जी पाठकों को भगवान मानते थे। यद्यपि उस समय के बड़े राजनेताओं से उनके आत्मीय संबंध थे तथापि उन्होंने दबावों और प्रभावों से निस्पृह रह कर, पाठकों के हित में निष्पक्ष पत्रकारिता की।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने भारत की बढ़ती आर्थिक क्षमता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि १९९१ में भारत की अर्थव्यवस्था लंदन-पेरिस जैसे शहरों के बराबर थी, लेकिन आज हम विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं।

संपादकीय | घाटी में चुनावी माहौल और सीमा पार की साजिश

जिस समय जम्मू-कश्मीर में लोकसभा के लिए मतदान हो रहा था, उसी दौरान बारामूला में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ चल रही थी। उसमें सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया, हालांकि दो सैनिक भी जख्मी हो गए। यह मुठभेड़ दो दिनों तक चली। सुरक्षाबलों को उस इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। गनीमत है कि चुनाव के दौरान किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने से पहले आतंकियों को मार गिराया गया। बारामूला नियंत्रण रेखा पर स्थित जिला है। वहां सीमा पार से घुसपैठ कर आतंकियों के आने में पाकिस्तानी सेना का भी सहयोग मिलता है।अनेक मौकों पर देखा गया है कि घुसपैठ कर आए आतंकियों की भारतीय सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ होती है, तो उधर से पाकिस्तानी सेना भी गोलीबारी शुरू कर देती है, ताकि उन्हें लक्षित स्थान तक पहुंचाया या फिर वापस लौटने में मदद की जा सके। मगर भारतीय सेना पाकिस्तानी सेना और आतंकियों की ऐसी रणनीतियों से वाकिफ है और उन पर लगातार नजर बनाए रखती है। इस समय भारत में लोकसभा के चुनाव चल रहे हैं, जाहिर है वे आतंकी इसमें खलल डालने के इरादे से ही इधर आए थे। भारतीय सेना की सक्रियता और तत्परता का ही नतीजा है कि सीमा पार से प्रशिक्षण पाए आतंकियों की घुसपैठ में काफी कमी आई है। यह भी उल्लेखनीय है कि चुनाव के इस माहौल में घाटी में आतंकी घटनाएं नहीं होने पाई हैं। जबसे जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त हुआ है, अलगाववादी ताकतें स्थानीय लोगों को भड़काने और वहां उग्रवाद को तेज करने का प्रयास करती रही हैं। पाकिस्तान लगातार इसे जम्मू-कश्मीर की

संप्रभुता पर हमला करार देता रहा है। मगर अब वह पहले की तरह स्थानीय लोगों को भड़काने और बरगलाने में कामयाब नहीं हो पा रहा है।लगातार तलाशी अभियान और सीमा पर कड़ी नजर रखी जाने से घुसपैठ कराने की उसकी योजनाएं सफल नहीं हो पातीं। पहले वह सड़क मार्ग से तिजारती सामान में हथियार वगैरह छिपा कर इस तरफ पहुंचाने में कामयाब हो जाता था, मगर जबसे तिजारत के रास्ते बंद हैं, वह ऐसा नहीं कर पाता। पंजाब के कुछ इलाकों में ड्रोन के जरिए हथियार, गोला-बारूद और पैसे गिराने की कोशिश करता है, पर वहां भी अत्याधुनिक निगरानी प्रणाली स्थापित हो जाने से उसे मुंह की खानी पड़ रही है। हालांकि सरकार का दावा है कि घाटी में आतंकी गतिविधियों पर काफी हद तक नकेल कसी जा चुकी है, पर अब भी स्थानीय लोगों में भरोसा पैदा होने का दावा करना मुश्किल है। घाटी में पाकिस्तान की तरफ से आतंकवाद को मिल रहे समर्थन पर जरूर अंकुश लगा नजर आ रहा है, मगर स्थानीय युवाओं को दहशतगर्दी के रास्ते से अलग कर मुख्यधारा में शामिल करना अब भी चुनौती है। पिछले कुछ महीनों में शैक्षणिक संस्थानों में आतंकी तैयार करने वालों की पहचान होने, बाहरी लोगों को निशाना बना कर मारने और कई मौकों पर सुरक्षाबलों के काफिले पर हमला करने की घटनाओं से जाहिर है कि घाटी में आतंक की जड़ें अभी बनी हुई हैं और मौका पाकर कहीं फोड़ना शुरू कर देती हैं। ऐसे प्रमाण भी मिले हैं कि स्थानीय युवाओं में हथियार उठाने की दर बढ़ी है। इसलिए ऐसी रणनीति पर गंभीरता से काम करने की दरकार महसूस की जाती है कि जिससे स्थानीय लोगों में शासन पर भरोसा कायम किया जा सके।

सोशल मीडिया से...

आज ये लोग एक झटके में गरीबी हटाने का दावा करते हैं, लेकिन इनकी 60 साल की सरकार, इनकी कई पीढ़ियों का काम गवाह है कि वंचित वर्ग के लिए इनकी मानसिकता क्या रही है। उनके दुख, उनकी तकलीफ से कांग्रेस और उनके साथियों को कोई वास्ता नहीं था।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

आप सभी जानते हैं कि 7 चरणों में होने वाले चुनाव के 2 चरण समाप्त हो चुके हैं। इन दो चरणों के बाद हमारी पार्टी के इंटरनल असेसमेंट के हिसाब से भाजपा और साथी दल मिलकर 100 के आगे निकल चुके हैं। और हम बड़े विश्वास के साथ जनता के आशीर्वाद और समर्थन से 400 पार के हमारे लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

कांग्रेस देश के गरीबों, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों सहित हम सबका मेहनत से कमाया हुआ धन छीनना चाहती है। यह लोकतंत्र में कभी नहीं हो सकता। कितना दुर्भाग्य है कि कांग्रेस हमेशा से हिन्दू-मुसलमानों के बीच में फूट डालकर शासन करती रही।

डॉ. मोहन यादव, सीएम मप्र

अंकल (पीएम मोदी) ने आपका मूड खराब कर दिया है और मैं उसे ठीक करने आया हूं। अगर मोदी जी 20-25 अरबपति बना सकते हैं तो कांग्रेस पार्टी करोड़ों लखपति बना सकती है। दिल्ली में सरकार आते ही हम प्रफुल्ल पटेल को यहां से दो मिनट में आउट कर देंगे।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

आज का कार्टून

कम मतदान होने का अर्थ क्या...!

अवधेश कुमार

> इस बात से इंकार करना कठिन है कि मतदाताओं की उदासीनता चुनाव में आरंभ से ही बनी हुई है। हालांकि विपक्ष के प्रचार के विपरीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को लेकर आम जनता के अंदर कहीं व्यापक आक्रोश या भारी विरोधी रुझान बिल्कुल नहीं दिखा है। कल्याण कार्यक्रमों के लाभार्थी तथा विकास नीति की प्रशंसा करने वाले हर जगह दिखाई देते हैं। श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से लेकर समान नागरिक संहिता एवं नागरिकता संशोधन कानून आदि पर विपक्ष के रवैये ने भाजपा के समर्थकों और मतदाताओं में प्रतिक्रिया भी पैदा की है। आम प्रतिक्रिया यही है कि प्रधानमंत्री तो नरेंद्र मोदी को ही होना चाहिए। लोग अगर वोट डालते समय यह विचार करेंगे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ही बनाना है तो वह किसका समर्थन करेंगे? कार्यकर्त्ताओं, नेताओं और समर्थकों के एक समूह के असंतोष का कुछ असर हो सकता है।

प्रथम चरण एवं दूसरे चरण में लगातार मतदान की गिरावट देश में चिंता का विषय बनी है तो यह स्वाभाविक है। अब तक कुल 12 राज्यों केरल, राजस्थान, त्रिपुरा, तमिलनाडु, उत्तराखंड, अरुणाचल, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम नागालैंड, सिक्किम तथा 3 केंद्र शासित प्रदेशों अंडमान, लक्षद्वीप और पुडुचेरी का मतदान संपन्न हो चुका है। हालांकि राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो औसत मतदान में गिरावट नहीं है। राज्यों एवं राज्यों के अंदर संसदीय क्षेत्र में भी मतदान प्रतिशत कहीं ठीक-ठाक है तो कहीं गिरा है। अगर दोनों चरणों की कुल 190 सीटों पर 2019 के मतदान प्रतिशत से तुलना करें तो यह मोटा मोटा दो प्रतिशत की गिरावट ही दिखाता है। दूसरे चरण में लगभग 68.49 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि 2019 में 70.05 प्रतिशत से ज्यादा हुआ था। त्रिपुरा में सर्वाधिक 79.66 प्रतिशत लोगों ने मताधिकार का उपयोग किया तो मणिपुर में 78.78 प्रतिशत ने।

असम में 2019 में 76.45 की जगह 77.35 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 75 प्रतिशत प्रतिशत की जगह 75.16 प्रतिशत, कर्नाटक में 68.21 की जगह 68.47 प्रतिशत, केरल में लगभग 80 प्रतिशत की जगह 70.21 प्रतिशत, बिहार में करीब 60 प्रतिशत की जगह 56.81 प्रतिशत, मध्यप्रदेश में 67.75 प्रतिशत की जगह 58.26 प्रतिशत, महाराष्ट्रमें 61.93 में 59.63 प्रतिशत, प. बंगाल में 80 प्रतिशत की जगह 73.78 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 62. 39 प्रतिशत की जगह 54.8 प्रतिशत मतदान हुआ। तो मध्यप्रदेश में 9 प्रतिशत तथा उत्तर प्रदेश में 8 प्रतिशत से ज्यादा मतदान की गिरावट असाधारण है। निश्चित रूप से इन दो चरणों ने मतदान की प्रवृत्तियों का आकलन कठिन बना दिया है। तो क्या मायने हैं मतदान प्रतिशत की इन गिरावटों का?

अभी तक 2019 के लोकसभा चुनाव में मतदान उच्चतम स्तर पर पहुंचा था। वर्तमान मतदान को देखते हुए तत्काल यह मानना होगा कि हमारे देश में 2019 ने रिकार्ड स्तर प्राप्त किया और तत्काल इससे आगे बढ़ाने की संभावना नहीं है। जब एक बार कोई भी प्रवृत्ति ऊंचाई छूती है तो उसके बाद उसे नीचे आना ही पड़ता है। हालांकि राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा और जन जागरूकता को देखते हुए मतदान प्रतिशत में निस्संदेह वृद्धि होनी चाहिए थी। नहीं हुआ तो यह सभी राजनीतिक दलों, मीडिया के साथ सक्रिय नागरिकों के लिए दुश्चिंता का विषय होना चाहिए और आगे के दौर में सभी कोशिश करें कि ज्यादा से ज्यादा लोग निकल कर मतदान करें, किंतु राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट को देखकर ज्यादा निराश होने का कोई कारण नहीं हो सकता। नागालैंड में इसलिए मतदान प्रतिशत ज्यादा गिरा क्योंकि 6 जिलों में ईस्टर्न नागालैंड पीपुल्स फ्रंट (ई.एन.पी.ओ.) ने अलग राज्य की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार किया था।

इन 6 जिलों के 20 विधानसभा क्षेत्रों में चार लाख से अधिक मतदाता हैं। जब इतनी संख्या में मतदाता मत डालेंगे नहीं तो उसे गिरना ही है। इसे मतदान की प्रवृत्ति नहीं मान सकते। करीब डेढ़ दशक पहले मतदान घटने का अर्थ सत्तारूढ़ घटक की विजय तथा बढ़ने का अर्थ पराजय के रूप में लिया जाता था और प्रायःऐसा देखा भी गया। किंतु 2010 के बाद प्रवृत्ति बदली है। मतदान बढ़ने के बावजूद सरकारें वापस आई हैं और घटने के बावजूद

गई हैं। पिछले 17 लोकसभा चुनावों के मतदान की प्रवृत्ति का आकलन करें तो 5 बार मतदान घटा है और 4 बार सरकार बदल गई और 7 बार मतदान बढ़ा तो उसमें 4 बार सरकारें बदल गईं। इसलिए इसके आधार पर कोई एक निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। दूसरे, हर जगह मतदान प्रतिशत ज्यादा गिरा भी नहीं है। तीसरे, बंगाल में साफ दिखाई दे रहा है कि दोनों पक्षों के मतदाताओं में एक-दूसरे को हराने और जीताने की प्रतिस्पर्धा है। संदेशखाली से लेकर अन्य मामलों के कारण वहां दुश्चिंताओं के बड़े समूह के अंदर ममता बनर्जी को लेकर आक्रोश है।

सबसे ज्यादा चर्चा उत्तर प्रदेश की है तो क्षेत्र के हिसाब से देखें तो कुछ जगहों में बहुत ज्यादा गिरावट नहीं है किंतु ज्यादातर में कमी आई है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इस इलाके में मतदान प्रतिशत घटना सामान्य स्थिति का परिचायक नहीं है। इस क्षेत्र को जातीय और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का विशेषण प्राप्त है। तो यह आकलन करना कठिन है कि जहां मतदान प्रतिशत गिरा वहां किनके मतदाता नहीं आए। पिछले चुनाव में भाजपा के लिए यह चुनौतीपूर्ण क्षेत्र था तथा बसपा सपा ने उसे गंभीर चुनौती दी थी। अगर भाजपा विरोधी उसे हराना चाहते थे तो उन्हें भारी संख्या में निकलना चाहिए। कहा भी जा रहा है कि सपा के कोर मतदाता यानी मुसलमान और यादवों का बड़ा समूह आक्रामक होकर मतदान कर रहा था। कांग्रेस को भी इसका लाभ मिला होगा। किंतु विरोधी भारी संख्या में निकलेंगे तो समर्थक भी इसका ध्यान रखेंगे।

हालांकि उम्मीदवारों के चयन, दूसरे दलों से आए लोगों को महत्व मिलने तथा कहीं-कहीं,गठबंधन को लेकर भाजपा समर्थकों और कार्यकर्त्ताओं में थोड़ा असंतोष है तथा एक जाति विशेष ने भी विरोधात्मक रूप अख्तियार किया था। बावजूद यह कहना कठिन होगा कि भाजपा समर्थक मतदाता ही ज्यादा संख्या में नहीं निकले। समर्थक कार्यकर्त्ता थोड़ा असंतुष्ट हों तो इसका असर होता है किंतु विरोधी तेजी से हराने के लिए निकले और इसके बावजूद वह प्रतिक्रिया न दें इस पर विश्वास करना कठिन होता है।

इस बात से इंकार करना कठिन है कि मतदाताओं की उदासीनता चुनाव में आरंभ से ही बनी हुई है। हालांकि विपक्ष के प्रचार के विपरीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को लेकर आम जनता के अंदर कहीं व्यापक आक्रोश या भारी विरोधी रुझान बिल्कुल नहीं दिखा है। कल्याण कार्यक्रमों के लाभार्थी तथा विकास नीति की प्रशंसा करने वाले हर जगह दिखाई देते हैं। श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से लेकर समान नागरिक संहिता एवं नागरिकता संशोधन कानून आदि पर विपक्ष के रवैये ने भाजपा के समर्थकों और मतदाताओं में प्रतिक्रिया भी पैदा की है। आम प्रतिक्रिया यही है कि प्रधानमंत्री तो नरेंद्र मोदी को ही होना चाहिए। लोग अगर वोट डालते समय यह विचार करेंगे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ही बनाना है तो वह किसका समर्थन करेंगे? कार्यकर्त्ताओं, नेताओं और समर्थकों के एक समूह के असंतोष का कुछ असर हो सकता है।

उन्होंने अगर काम नहीं किया या उनमें से कुछ ने मतदान से अपने को अलग रखा तो परिणाम पर इसके प्रभाव से इंकार नहीं किया जा सकता। भाजपा नेतृत्व को इसका संज्ञान लेते हुए दूर करने का प्रयास करना चाहिए। हालांकि जिनके अंदर असंतोष है उनमें भी यह भाव है कि अगर यह सरकार हार गई तो कहा जाएगा कि दुश्चिंतुत्व विचारधारा की हार हो गई है। जिस जाति के विद्रोह की चर्चा हो रही है वहां भी लोगों के अंदर भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर सहानुभूति का भाव दिखता है। इसलिए यह मानने में भी कठिनाई है कि इन्होंने बिल्कुल एक मस्त आक्रामक होकर भाजपा के विरोध में मतदान किया होगा।

ऐसा होने का अर्थ मतदान बढ़ना होना चाहिए। मतदान कम होने को भाजपा विरोधी संकेत मानना उचित नहीं होगा। मतदान प्रतिशत सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के एक-दूसरे के विरुद्ध प्रखर वायुमंडल बनाने से ही बढ़ता है। सत्ता पक्ष अपने कार्यकर्त्ताओं, समर्थकों के साथ आम लोगों के एक समूह के अंदर यह संवेग पैदा कर दे कि हर हाल में उसी की सत्ता में वापसी उनके एवं देश के हित में है तथा विपक्ष के आने से अहित होगा तो लोग अपने आप बाहर निकलते हैं।

इसी तरह विपक्ष यदि अपने समर्थकों, कार्यकर्त्ताओं एवं गैर-दलीय मतदाताओं के अंदर यह भाव बिठा देगा कि यह सरकार आपके हितों के विरुद्ध काम कर रही है, इसका जाना ही आपके हित की रक्षा करेगा तो वह भी सरकार को हराने की मानसिकता में भारी संख्या में निकलेंगे। मतदान में गिरावट का अर्थ है कि या तो यह दोनों स्थिति नहीं बनी या कम बनी है या फिर इनमें से किसी एक में अवश्य कमी है।

आसपास का दृश्य समाज का बाहरी परिवेश ही निर्धारित करता है

> अपनी वास्तविक चेतना के अनुसार जीना और उस दिशा में कार्य करना एक व्यक्ति के रूप में दृष्टा की पहचान होती है। पूर्व निर्धारित और प्रचलित धारणाओं से अलग जिसका नया, मौलिक और स्वंतत्र अस्तित्व होता है, उसका जीवन दर्शन और दृष्टि किसी बाहरी प्रभाव और मान्यताओं पर आश्रित नहीं होते और वह अकेला भी अपने व्यक्तित्व में हिमालय के शिखर की तरह खड़ा हो सकता है। आत्मविश्वास अपने आप में जो शक्ति देता है, उसके साथ वह किन्हीं हालात का सामना करता है। वह एक निश्चित अवधारणा और लीक का अनुकरण करने की अपेक्षा विकल्प की नई चुनौतियों को स्वीकार कर सकता है जो जीवन के लिए अपने मुक्त दृष्टिकोण के प्रति उसके प्रबुद्ध दृष्टा होने का प्रमाण होगा।

मीना बुद्धिराजा

दृश्य और दृश्य की सत्ता अलग-अलग है, लेकिन दोनों का संयोग ही समस्या और दुख का मूल कारण बनता है। जबकि दृश्य की उपादेयता ही दृष्टा को मुक्त और स्वतंत्र करने में होती है। उसे कहने भर को मात्र भोक्ता न बनाकर एक साक्षी के रूप मे स्थापित करना है। जीवन के प्रवाह में तटस्थ रहकर उसके सभी अनुभवों को मुक्त होकर देखने में ही दृश्य और दृष्टा की सार्थकता है। दृश्य में ही अनुरक्त हो जाना दर्शक का उससे बाहरी अर्थ में एकरूप हो जाना है और अगर दोनों में कोई भेद नहीं रहा तो उसके वास्तविक अर्थ तक पहुंचना असंभव हो जाता है, जो आमतौर पर सतह पर दिखाई देते स्थूल दृश्य में अंतर्निहित होकर नेपथ्य की गहराई में छिपा होता है। हमारे आसपास का जो विशाल दृश्य है, उसे समाज का बाहरी परिवेश ही निर्धारित करता है। व्यक्ति के आतरिक और स्वंतत्र अस्तित्व की उसमें कोई भूमिका नहीं होती। वास्तव में दृश्य का अस्तित्व दृष्टा के बिना कुछ नहीं है, क्योंकि मानवीय चेतना निरतंर विकासशील होती है, जो व्यक्ति के आत्मविवेक और जागृति पर आधारित है। उसकी संवेदना और विचार से माध्यम होते हैं, जिसके कारण वह अपने आसपास के परिवेश के यथार्थ से अपना एक अलग सबंध जोड़

सकता है। यह सबंध अगर समाज के वर्तमान परिदृश्य से एकता का हो सकता है तो उससे विपरीत और भिन्नता का भी संभव हो सकता है। यह बोध और पहचान की प्रवृत्ति न केवल बाहर की जड़ और यांत्रिक परिस्थितियों से प्रतिक्रिया करती है, बल्कि उसमें अपनी चेतना और स्थिति का मूल्यांकन भी करती है।

मगर विचारक और दृष्टा जानता है कि जीवन सतत बदलता है और उसमें कोई भी चीज स्थायी नहीं है। इसलिए प्रकृति के इस स्वभाव को स्वीकार कर लेना जरूरी है। अपने अस्तित्व को उसके सभी अनुकूल-प्रतिकूल दृश्यों के रूप और सभी मनोदशाओं के साथ इस सतत प्रवाह में आगे बढ़ना ही जीवन का अर्थ हो सकता है। एक ही स्थिति में जीने की चाह और जीवन के एक ही दृश्य के साथ स्थायी और जड़ होकर बंध जाने में जो बंधन और तकलीफ है, वह मुक्त होकर नई संभावनाओं की तलाश और स्वतंत्रता को रोक देती है। यह पता भी नहीं चल पाता है कि कब किस चीज का रास्ता किसने रोक दिया। हमारी साधारण वृत्ति दूसरे पर निर्भरता की रहती है, क्योंकि जीवन के रोजमर्रा के अनुभव किसी न किसी की स्वीकृति के सिद्धांत को पुष्ट करते हैं। हमारा भौतिक अस्तित्व प्रमाणित करता है कि पूर्णता के अनुभव के लिए दूसरे का आश्रय और अनुकरण जरूरी है। ज्यादातर दृश्यों में भी देखी जा रही विषयवस्तु ही सच का प्रमाण मानी जाती है जो किसी भीड़ के लिए एक जैसा होते हुए भी किसी दृष्टा के लिए उसका सच नहीं हो सकता। दृश्य इस अर्थ में स्थिर और जड़ न होकर निरंतर परिवर्तनशील होता है, क्योंकि बदलाव को न देखने की साधारण आदत के कारण हम किसी वस्तुगत यथार्थ को उसी रूप में देखने के अभ्यस्त हो जाते हैं। अपनी वास्तविक चेतना के अनुसार जीना और उस दिशा में कार्य करना एक व्यक्ति के रूप में दृष्टा की पहचान होती है। पूर्व निर्धारित और प्रचलित धारणाओं से अलग जिसका नया, मौलिक और स्वंतत्र अस्तित्व होता है, उसका जीवन दर्शन और दृष्टि किसी बाहरी प्रभाव और मान्यताओं पर आश्रित नहीं होते और वह अकेला भी अपने व्यक्तित्व में हिमालय के शिखर की तरह खड़ा हो सकता है। आत्मविश्वास अपने आप में जो शक्ति देता है, उसके साथ वह किन्हीं हालात का सामना करता है। वह एक निश्चित अवधारणा और लीक का अनुकरण करने की अपेक्षा विकल्प की नई चुनौतियों को स्वीकार कर सकता है जो जीवन के लिए अपने मुक्त दृष्टिकोण के प्रति उसके प्रबुद्ध दृष्टा होने का प्रमाण होगा। जीवन में विभिन्न अनुभव होना एक अलग बात है और उन अनुभवों को गहराई से समझना और सीखना अलग बात है। यह दृश्य से पूरी तरह तादात्म्य करके नहीं, बल्कि साक्षी भाव से और कुछ दूरी रखकर समझा जा सकता है, क्योंकि साध्य तक पहुंचने के लिए साधन सिर्फ माध्यम होते हैं। जो दृश्य में अपने होने की संकीर्ण सीमाओं से खुद को आजाद करता है, वही जीवन के उद्देश्य तक यानी मंजिल तक पहुंचा सकता है। दृष्टा के भाव में जीने के लिए जीवन अनंत संभावनाओं से भरा होता है और उसके लिए उन्मुक्त उदार दृष्टि रखने से परिपूर्ण कई नए रास्ते भी खुलते रहते हैं।यही जीवन की विधि और स्वभाव होना चाहिए कि उसकी दृष्टि कहीं जड़ और स्थिर होकर ठहरती नहीं, क्योंकि जो दृष्टि भोगना नहीं चाहती, वह जीवन के असीमित विकल्पों की खोज कर सकती है। इस दृश्य के विस्तार में कोई अंतिम बिंदु नहीं होता, क्योंकि अतीत के बोझ और भविष्य की आकांक्षा से मुक्त सिर्फ वर्तमान ही वह अकेला केंद्र होता है, जिस पर दृष्टा की चेतना कार्य करती है। दृश्य और दृष्टा का यही संबंध एक सहज, स्वतंत्र और गतिशील जीवन को निर्धारित करता है, जिसमें अपनी-अपनी सीमाओं से आजाद होकर दोनों का मुक्त अस्तित्व संभव है। इसमें दृष्टा की बुद्धिमता और संवेदनशीलता दृश्य को नया आयाम देती है और जीवन की यथास्थिति को हिलाकर उसे सार्थकता का सौंदर्य और सृजनात्मक ऊंचाई की दिशा दिखाती है।

पाकिस्तान को कम से कम एक आईसीसी ट्रॉफी दिलाना चाहते हैं कोच गैरी क्सर्टन

टी20 विश्व कप को लेकर कही यह बात

कराची, एजेंसी। क्सर्टन के मुताबिक पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग के शीर्ष चार से पांच पद में से एक है और दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों के साथ काम करने का प्रस्ताव उन्हें आकर्षित कर रहा था। पाकिस्तान के नवनियुक्त मुख्य कोच गैरी क्सर्टन चाहते हैं कि उनकी टीम अगले तीन साल में आईसीसी के तीन टूर्नामेंट्स में से कम से कम एक ट्रॉफी जीते। कर्स्टन इस साल जून में होने वाले टी20 विश्व कप के अलावा 2025 में होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 में होने वाले टी20 विश्व कप में पाकिस्तान टीम की कोचिंग करते दिखेंगे। भारत की विश्व कप (2011) विजेता टीम के मुख्य कोच रह चुके क्सर्टन चाहते हैं कि बाबर आजम और उनकी टीम इन तीन में से कम से कम एक टूर्नामेंट जीते।

वनडे-टी20 में पाकिस्तान के हेड कोच हैं क्सर्टन- मौजूदा समय में आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मार्गदर्शक (मेंटर) कर्स्टन को रविवार को वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए पाकिस्तान का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व बल्लेबाज के पाकिस्तान के इंग्लैंड दौरे से पहले 22 मई से अपनी नई जिम्मेदारी संभालने की उम्मीद है।

पाकिस्तान टीम के साथ यह है क्सर्टन का लक्ष्य- कर्स्टन से उनके कार्यकाल के दौरान उनके लक्ष्यों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पॉडकास्ट में कहा- अगर आप उन तीन आईसीसी प्रतियोगिताओं में से एक जीत सकते हैं तो यह एक शानदार उपलब्धि होगी। चाहे वह आगामी टी20 विश्व कप हो या अब से दो साल बाद।

टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे- उन्होंने कहा, मेरा काम यह सुनिश्चित करना है कि टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे। यदि टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही है तो हमारे पास हमेशा ट्रॉफी जीतने का अच्छा मौका होगा। इसलिए मेरे लिए यह समझना वास्तव में महत्वपूर्ण होगा कि टीम अभी कहां हैं और टीम को शीर्ष पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होने के लिए कहां जाने की जरूरत है।

टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिए कम समय बचा- क्सर्टन के मुताबिक पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग के शीर्ष चार से पांच पद में से एक है और दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों के साथ काम करने का प्रस्ताव उन्हें आकर्षित कर रहा था।

टी-20 वर्ल्डकप के लिए भारतीय टीम का ऐलान

- शिवम दुबे को जगह, पंत-सैमसन विकेटकीपर
- गिल और रिंकू सिंह रिजर्व प्लेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और वेस्टइंडीज में 2 जून से शुरू हो रहे टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। बीसीसीआई ने मंगलवार को टूर्नामेंट के लिए रोहित शर्मा की कप्तानी में 15 मेंबर्स वाला स्कॉड जारी किया है।

आईपीएल में बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे संजू सैमसन और ऋषभ पंत को विकेटकीपर के तौर पर चुना गया है। पेस बॉलिंग ऑलराउंडर की कैटेगरी में हार्दिक पंड्या के साथ-साथ शिवम दुबे भी चुने गए हैं। शुभमन गिल और रिंकू सिंह मुख्य स्क्वॉड में जगह नहीं बना पाए हैं। ये ट्रैवलिंग रिजर्व का हिस्सा बनाए गए हैं।

पाकिस्तान से 9 जून को भिड़ेगी टीम इंडिया

टीम इंडिया पहला मुकाबला 5 जून को आयरलैंड से खेलेगी। टीम का दूसरा मुकाबला 9 जून को पाकिस्तान, 12 जून को तीसरा मुकाबला अमेरिका और 15 जून को चौथा मुकाबला कनाडा से होगा।

कनाडा और अमेरिका के बीच होगा ओपनिंग मैच

इस बार टी-20 वर्ल्ड कप 2 से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच कनाडा और होम टीम अमेरिका के बीच डलास में होगा। फाइनल मैच 29 जून को वेस्टइंडीज के बारबाडोस शहर में होगा। सुपर-8 और नॉकआउट मैच वेस्टइंडीज में होंगे।

17 जून तक होंगे ग्रुप स्टेज के मुकाबले

टी-20 वर्ल्डकप में ग्रुप स्टेज के मुकाबले 2 से 17 जून तक होंगे। 19 से 24 जून तक सुपर-8 स्टेज के मुकाबले होंगे। फिर 26 जून से नॉकआउट स्टेज शुरू होगा।

वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने 2-2 बार जीता है खिताब

इस बार टी-20 वर्ल्ड कप का 9वां एडिशन खेला जाएगा।

इंग्लैंड डिफेंडिंग चैंपियन है, टीम ने 2022 में पाकिस्तान को हराकर दूसरी बार खिताब जीता था। इससे पहले 2010 में टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार ट्रॉफी जीती थी। वेस्टइंडीज भी 2012 और 2016 में 2 बार खिताब जीत चुकी है। भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका ने एक-एक बार विजेता की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम

सर्दिनिया विश्व शतरंज फेस्टिवल राउंड- 2

जर्मनी के लेव ने तीसरे वरीय किरिल को हराया , भारत के भरत की दूसरी जीत

ओलबिया, इटली, एजेंसी। सर्दिनिया विश्व शतरंज फेस्टिवल में दूसरे दिन 40 देशो के लगभग 300 खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में लगातार दूसरे दिन बड़े उलटफेर देखने को मिले ।मास्टर्स वर्ग में दूसरे दिन ही टॉप सीड खिलाड़ी स्लोवेनिया के वल्दिमीर फेडोसीव अपनी वरीयता कायम नहीं रख पाये और उन्हे नॉर्वे के 41वे वरीय बेंजामिन हलडोसेन में आधा अंक बांटने पर मजबूर कर दिया ।

वहीं तीसरे बोर्ड पर दिन का सबसे बड़ा उलटफेर सामने आया जब रोमानिया के तीसरे वरीय सावचेंको किरिल को जर्मनी के 42वें वरीय लेव यांखेलविच में पराजित करते हुए दिन का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया । हालांकि प्रमुख खिलाड़ियों में दूसरे वरीय हंगरी के सनन सुगिरोव नें मेजबान इटली के वालेरिओ कानीकेली को पराजित करते हुए और चौथे वरीय स्पेन के एलन पीचोट में इटली के गेब्रियल लूमाची को पराजित करते हुए लगातार अपनी दूसरी जीत दर्ज की है ।

भारतीय खिलाड़ियों में भरत सुब्रमण्यम नें

इज़राइल के वागमन रॉय को मात देते हुए दूसरी जीत दर्ज की तो 50वीं वरीय वन्तिका अग्रवाल में नौवे वरीय स्पेन के मकसीम चिगेव को ड्रॉ पर रोका ।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल प्लेऑफ के करीब पहुंची केकेआर

इन टीमों पर अभी भी संकट के बादल

नईदिल्ली, एजेंसी। जीत के रथ पर सवार हुई ऋषभ पंत की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स अब एक और हार का सामना करना पड़ा है। इस बीच श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली कोलकाता नाइटराइडर्स ने जीत दर्ज कर अपनी प्लेऑफ में जाने की संभावनाओं को और भी मजबूत कर लिया है। खास बात ये है कि अब तक लीग में 47 मुकाबले हो चुके हैं, लेकिन ना तो कोई टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हुई है और ना ही कोई टीम इसमें एंट्री कर पाई है। आने वाले वक्त में मैच और भी रोचक होने की उम्मीद है।

राजस्थान रॉयल्स अभी भी टेबिल टॉपर

आईपीएल की ताजा अंक तालिका पर नजर डालें तो हम पाते हैं कि संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स की टीम इस वक्त टॉप पर चल रही है। टीम ने 9 में से अपने 8 मुकाबले जीते हैं और 16 अंकों के साथ टॉप पर चल रही है। टीम को प्लेऑफ में जाने के लिए यहां से बस एक और मैच जीतना जरूरी होगा। वहीं डीसी पर जीत हासिल करने के बाद केकेआर की टीम अभी भी दूसरे नंबर पर है। केकेआर ने अब तक 9 मुकाबले खेले हैं, इसमें से 6 जीतकर उसके पास कुल 12 अंक हो गए हैं।

पाकिस्तान के नए टेस्ट कोच गिलेस्पी ने कहा

वह बनने की कोशिश मत करो जो तुम नहीं हो

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी ने कहा कि पाकिस्तान के नए टेस्ट कोच के रूप में उनका सिद्धांत यह होगा कि कुछ ऐसा बनने की कोशिश न करें जो वो नहीं हैं। पाकिस्तान के टेस्ट कोच के रूप में गिलेस्पी का पहला कार्यभार अगस्त में बांग्लादेश के साथ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला होगी, जिसमें टीम वर्तमान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर है। यह पहली बार है कि गिलेस्पी किसी अंतरराष्ट्रीय टीम के कोच होंगे। इससे पहले वह यॉर्कशायर के मुख्य कोच के रूप में काम कर चुके हैं, साथ ही ससेक्स और साउथ ऑस्ट्रेलिया को भी कोचिंग दे चुके हैं।

उन्होंने पंजाब किंग्स (पूर्व में किंग्स इलेवन पंजाब) और एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ टी20 कोचिंग भूमिकाएं भी निभाईं। जेसन गिलेस्पी ने कहा, देखो, मैं बस इतना चाहता हूं कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम उस शैली की क्रिकेट खेले जो उनके अनुकूल हो, मेरे लिए यही महत्वपूर्ण है। मेरा मानना है कि कुछ ऐसा बनने की कोशिश मत करो जो तुम नहीं हो! टेस्ट क्रिकेट प्रारूप की लोकप्रियता में योगदान देने पर, गिलेस्पी ने कहा, मुझे टेस्ट क्रिकेट पसंद है। यह शारीरिक और मानसिक रूप से आपके खेल के हर हिस्से का टेस्ट लेता है। यह टेक्नीक का परीक्षण करता है और यही सच्ची परीक्षा है। आपको केवल दुनिया भर के खिलाड़ियों से बात करनी है और वे सभी टेस्ट खेलना पसंद करते हैं। हम प्रशंसकों, खिलाड़ियों, कोचों, मीडिया, सभी को इसका लुत्फ उठाते देखते हैं। इससे पता चलता है कि विश्व कैलेंडर में टेस्ट क्रिकेट को कितना महत्व दिया जाता है।

रिंकू का नाम 15 सदस्यीय टी-20 विश्व कप टीम में होना चाहिए : श्रीकांत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मुख्य चयनकर्ता रहे कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा कि बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंहको आगामी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिए। रिंकू आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स की पारी की आखिरी पांच गेंदों पर पांच सिक्स जड़ने के साथ सुर्खियों में आए।

आईपीएल में उन्होंने लगातार अपनी फिनिशिंग टच से फैंस का दिल जीता है। इतना ही नहीं पिछले सीजन में अपने दमदार प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने साल के अंत में भारत के लिए टी20 में डेब्यू किया और 15 मैचों में 356 रन बनाए, जिनमें से सात मैच में 176.23 की स्ट्राइक रेट से नाबाद रहे। केकेआर के शीर्ष क्रम ने आईपीएल 2024 में अब तक टीम के लिए बड़े पैमाने पर स्कोरिंग की है

। रिंकू को बल्लेबाजी के लिए ज्यादा समय नहीं मिला है, उन्होंने आठ मैचों में 157.74 की स्ट्राइक-रेट से 112 रन बनाए हैं। श्रीकांत भारत की 2011 विश्व कप विजेता टीम के मुख्य चयनकर्ता थे। उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम शो के टिकट टू वर्ल्ड कप एपिसोड में कहा कि रिंकू सिंह मेरे 15 खिलाड़ियों में से एक है। उसे आईपीएल में बल्लेबाजी करने के ज्यादा मौके नहीं मिले हैं, लेकिन आप उसका अंतर्राष्ट्रीय ट्रैक रिकॉर्ड देखें, यह अद्भुत है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि आईपीएल के जरिए कई भारतीय युवा खिलाड़ी को अपना दमखम दिखाने का मौका मिला है, जिनकी अब आगामी पुरुष टी20 विश्व कप की चयन दौड़ में चर्चा हो रही है।

2007 संस्करण का विजेता भारत, अपने पुरुष टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत 5 जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ करेगा। उसे ग्रुप ए में पाकिस्तान, कनाडा और टूर्नामेंट के सह-मेजबान अमेरिका के साथ रखा गया है।

थॉमस कप बैडमिंटन-

भारतीय टीम क्वार्टर फाइनल मे

- आखिरी ग्रुप मुकाबले में इंग्लैंड को 5-0 से हराया
- अब मुकाबला इंडोनेशिया से होगा

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने सोमवार को चेंगदू, चीन में अपने दूसरे ग्रुप सी मुकाबले में इंग्लैंड को 5-0 से हराकर थॉमस कप 2024 के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारत क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया ने भिड़ेगा। थॉमस कप पुरुष टीमों के बीच होने वाला मल्टीनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट है। महिलाओं के इस टूर्नामेंट को उबर कप कहा जाता है। इन टूर्नामेंट दो टीमों के एक मुबाले में तीन सिंगल्स और 2 डबल्स मैच खेले जाते हैं।

- एचएस प्रणय ने जीता पहला मैच

भारत-इंग्लैंड मुकाबले की शुरुआत सिगल्स मैच से हुई। भारत की ओर से वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट एचएस प्रणय उतरे। वहीं, इंग्लैंड के लिए दुनिया के 106वें नंबर के खिलाड़ी हैरी हुआंग आए। प्रणय ने यह मैच 42 मिनट में 21-15, 21-15 से जीत लिया।

सात्विक-चिराग की जोड़ी तीन गेम में जीती- दूसरा मैच डबल्स का खेला गया। दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 19वीं रैंकिंग वाली जोड़ी बेन लेन और सीन वेंडी को हराया। भारतीय जोड़ी ने यह मुकाबला एक घंटा और पांच मिनट में 21-17, 19-21, 21-15 से जीता। तीसरा मैच सिंगल्स का हुआ। इसमें भारत के पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 किदांबी श्रीकांत ने नदीम दलवी को 21-16, 21-11 से हराया। दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन को इस मुकाबले के लिए आराम दिया गया था। चौथे मैच में एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला ने रोरी इंस्टन और एलेक्स ग्रीन को 21-17, 21-19 से हराया। आखिरी मैच सिंगल्स का हुआ। इसमें दुनिया के 36वें नंबर के खिलाड़ी किरण जॉर्ज ने 209वें नंबर के चोलन कायान को 21-18, 21-12 से हराया। साल 2022 में भारत ने पहली बार थॉमस कप जीता था। भारत ने फाइनल में इंडोनेशिया को 3-0 से हराया था। 1948-1949 के बाद से आयोजित 30 थॉमस कप टूर्नामेंटों में से केवल छह देशों ने खिताब जीता है। इंडोनेशिया सबसे सफल टीम है, जिसने 14 बार जीत हासिल की है। चीन, जिसने 1982 से पहले प्रतिस्पर्धा शुरू नहीं की थी, 10 खिताबों के साथ इंडोनेशिया से पीछे है, जबकि मलेशिया ने 5 खिताब जीते हैं।

Uber Cup

चीन के आगे फीका पड़ा भारत का युवा जोश

चेंगदू (चीन), एजेंसी। कनाडा और सिंगापुर के खिलाफ लगातार मुकाबलों में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम ने अश्मिता चालिहा को 15 बार की चैंपियन टीम के खिलाफ मुकाबले में नहीं उतारा।

भारत की महिला टीम को मंगलवार को चेंगदु में चल रहे उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए मैच में चीन ने 5-0 से रौंद दिया। युवा सनसनी अनमोल खरब टखने में चोट के कारण आंखों में आंसुओं के साथ कोर्ट से हटना पड़ा। कनाडा और सिंगापुर के खिलाफ लगातार मुकाबलों में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम ने अश्मिता चालिहा को 15 बार की चैंपियन टीम के खिलाफ मुकाबले में नहीं उतारा। भारत इस टूर्नामेंट में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के बिना खेल रहा है जिन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया। इसके अलावा अश्विनी पोनप्पा-तनीशा क्रास्तो और त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद के बिना भारतीय टीम यह टूर्नामेंट खेल रही है।

नई टी20 प्रतियोगिता शुरू करने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने डब्ल्यूबीबीएल में की कटौती

मेलबर्न, एजेंसी। महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के आयोजन में थोड़ी कटौती की जाएगी और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया एक नई राज्य-आधारित टी20 प्रतियोगिता जल्द शुरू करने वाला है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने महिला क्रिकेट में निवेश करने, जमीनी स्तर पर भागीदारी बढ़ाने और व्यावसायिक राजस्व बढ़ाने के लिए 10-वर्षीय कार्य योजना का अनावरण किया। डब्ल्यूबीबीएल, जिसका 2015-16 में शुरू होने के बाद से 9 सीजन में प्रत्येक में 56 मैच का नियमित सीजन था, अब 40-मैचों का होगा, जो इसे पुरुषों के बीबीएल फाइनल के तय समय के साथ जोड़ता है। टीमें अब 14 के बजाय 10 नियमित सीज़न मैचों में प्रतिस्पर्धा करेंगी। क्लबों के लिए वेतन में कोई बदलाव नहीं होगा।

नई राज्य-आधारित टी20 प्रतियोगिता, जिसके कुछ विवरणों को अभी भी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है, के 50 ओवरों की महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग के साथ चलने की उम्मीद है।

क्रिकेट.कॉम.एयू वेबसाइट के अनुसार, नई प्रतियोगिता की शुरुआत का मतलब है कि घरेलू क्रिकेटरों के लिए अधिक शीर्ष स्तर के खेल के अवसर प्रदान करने वाले टूर्नामेंट के साथ महिलाओं के खेल में कोई समग्र कमी नहीं होगी। अगले सीजन में, नई प्रतियोगिता से महिला घरेलू खिलाड़ियों के वेतन में वृद्धि होगी। डब्ल्यूबीबीएल और राज्य दोनों प्रतियोगिताओं में अनुबंध रखने वालों के लिए महिला घरेलू खिलाड़ियों का औसत वेतन आठ प्रतिशत बढ़कर एयू163,322 हो जाएगा।

सीए ने ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख स्टेडियमों में आयोजित होने वाले मैचों की संख्या बढ़ाने का वादा किया है, जिसमें प्रमुख स्थानों पर महिला अंतर्राष्ट्रीय और डब्ल्यूबीबीएल की उपस्थिति को अधिकतम करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

मरुस्थलीकरण (रेगिस्तान का फैलना) आज विश्व भर में एक विकट समस्या बन गया है। उससे बड़ी संख्या में मनुष्य प्रभावित हो रहे हैं क्योंकि रेत का साम्राज्य बढ़ने से अन्न का उत्पादन घटता है और अनेक प्राकृतिक तंत्रों की धारण क्षमता कम होती है। पर्यावरण भी उसके कुप्रभावों से अछूता नहीं रह पाता। मरुस्थलीकरण से तात्पर्य उस प्रक्रिया से है, जिससे विश्व भर के शुष्क क्षेत्रों में उपजाऊ जमीन अनुपजाऊ जमीन में बदल रही है। मानव गतिविधियां और भौगोलिक परिवर्तन, दोनों इसके लिए जिम्मेदार हैं। शुष्क क्षेत्र उन इलाकों को कहते हैं, जहां उतनी बारिश नहीं होती कि घनी हरियाली पनप सके। विश्व के कुल स्थल भाग का लगभग 40 प्रतिशत, अथवा 5.4 करोड़ वर्ग किलोमीटर शुष्क है। मरुस्थलीकरण इन्हीं शुष्क भागों में अधिक देखने में आता है।

मिट्टी हो रही रेत

भारत का 69.6 प्रतिशत भूभाग (22.83 करोड़ हेक्टेयर) शुष्क माना गया है। यद्यपि इन शुष्क इलाकों की उत्पादकता काफी कम है, फिर भी दूध, मांस, रेशे, चमड़ा आदि के उत्पादन में वे काफी योगदान देते हैं। देश की आबादी का एक बहुत बड़ा भाग शुष्क इलाकों में रहता है। भारत में 17.36 करोड़ हेक्टेयर, अथवा देश के कुल क्षेत्रफल का 53 प्रतिशत, मरुस्थलीकरण से प्रभावित है। ये इलाके अक्सर सूखे की चपेट में भी रहते हैं। सूखा मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया को तेज कर देता है। राजस्थान का पश्चिमी भाग और गुजरात का कच्छ जिला लगभग सदा सूखे की गिरफ्त में रहते हैं।

मनुष्य तथा उसके पालतू पशु सदा से ही रेगिस्तानी इलाकों में रहते आ रहे हैं। विश्व के अन्य शुष्क इलाकों की तुलना में भारत के शुष्क इलाकों में मानव आबादी का दबाव कहीं ज्यादा है। भारत के पास विश्व के कुल स्थल भाग का मात्र 2.4 प्रतिशत है, लेकिन कुल मानव आबादी का 16.67 प्रतिशत भारत में रहता है। इतना ही नहीं, भारत में विश्व में मौजूद चरागाहों का मात्र 0.5 प्रतिशत हो है, पर यहां विश्व में मौजूद मवेशियों का 18 प्रतिशत पलता है। मनुष्य और मवेशियों का यह असहनीय दबाव मरुस्थलीकरण को बढ़ावा दे रहा है। थार रेगिस्तान के भीतरी भागों तक में खेती और पशुपालन का प्रसार हो रहा है। रेगिस्तानी इलाकों में पानी की सीमित उपलब्धि वानस्पतिक उत्पादकता की सीमा बांध देती है। वहां वर्षा भी बड़े ही अनियमित ढंग से होती है, जिससे अन्न के उत्पादन में बड़ी-बड़ी अनियमितताएं देखी जाती हैं। इससे पैदा हुई अन्न की किल्लत से गरीब तबके के लोग सर्वाधिक प्रभावित होते हैं। जीवित रहने के लिए उन्हें रेगिस्तान की वनस्पति पर अत्यधिक निर्भर होना पड़ता है। जैसे-जैसे मनुष्यों और मवेशियों की संख्या बढ़ती जाती है, यह निर्भरता भी बढ़ती है। किसी भी प्राकृतिक-तंत्र की धारण क्षमता सीमित होती है। इस सीमा का उल्लंघन होने पर वह तंत्र बिखरने लगता है।

शुष्क इलाकों का प्राकृतिक तंत्र भी मनुष्य द्वारा डाले गए दबाव से आखिरकार चरमरा जाता है। यदि समय रहते इस विघटनकारी प्रक्रिया को रोका नहीं गया, तो सारा तंत्र रेगिस्तान की भेंट चढ़ जाता है, अथवा अत्यधिक चराई और लकड़ी के लिए पेड़ों की छंटाई के कारण उस तंत्र में उपयोगी पौधों की तादाद घट जाती है। उनका स्थान अनुपयोगी और अखाद्य पौधे ले लेते हैं। नतीजा यह होता है कि वह तंत्र अब पहले से भी कम संख्या में मनुष्यों और मवेशियों को पोषित कर पाता है। यही दुश्चक्र मरुस्थलीकरण को गति देता है।

यद्यपि शुष्क इलाकों में बारिश कम होती है, पर जो बारिश होती है, वह काफी तेज और तूफानी ढंग की होती है। इससे इन इलाकों में बारिश अक्सर बाढ़ का रूप धारण करके उपजाऊ मिट्टी को बहा ले जाती है। एक अनुमान के अनुसार बंजर इलाकों में हर हेक्टेयर क्षेत्र से हर साल पानी के कटाव से 16.35 टन मिट्टी बह जाती है। इससे देश के बहुत बड़े-बड़े इलाकों में खड्ड और नाले बन गए हैं और वे खेती के लिए निकम्मे हो गए हैं। काफी इलाकों में रेत के टीलों ने अधिकार जमा लिया है। इस प्रकार अनुपयोगी बनी जमीन को पुन: उपजाऊ बनाने का काम वहां की मिट्टी की जिजीविषा शक्ति पर निर्भर करता है, पर यदि समय रहते कदम न उठाए गए, तो यह मिट्टी ही लुप्त हो जाती है। बार-बार आने वाला सूखा मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया को त्वरित कर देता है, यद्यपि सूखे का प्रभाव क्षणभंगुर ही होता है।

अभी हाल तक हर गांव में नदी-तालाब होते थे, जिनका पानी फसल उगाने के लिए पर्याप्त था। गांव के गोचरों में मवेशियों के लिए चारा पैदा होता था। आसपास के जंगलों से चूल्हे के लिए लकड़ी मिल जाती थी। आज इन्हीं गांवों का हाल बिलकुल बदल गया है। नदी-तालाब सूख गए हैं, अथवा उनमें पानी बहुत कम रह गया है। जो जलाशय बचे हैं, उनमें से कई तो इतने प्रदूषित हो गए हैं कि उनका पानी पीने लायक नहीं रह गया है।

गांव की स्त्रियों को पानी, चारा और ईंधन लाने के लिए मजबूरन कोसों चलना पड़ रहा है। यह दुखद स्थिति गांवों तक सीमित नहीं है, अनेक शहरों की भी यही दशा है। मिट्टी के कटाव का एक अन्य दुष्परिणाम यह है कि पानी के साथ बह आई मिट्टी जलाशयों में जमा होकर उनके जलधारण क्षमता को घटा रही है। इससे बाढ़ की स्थिति और गंभीर हो जाती है और लाखों लोगों को हर साल बारिश के मौसम में बेघर होना पड़ता है। हमारे देश में ऐसे व्यक्तियों की तादाद बहुत ज्यादा है जिनके लिए बारिश का मौसम अभिशाप बनकर आता है, क्योंकि वह मौत, बीमारी और तबाही का पैगाम भी साथ लाता है। बड़ी-बड़ी पनबिजली योजनाओं के सरोवरों में मिट्टी भर जाने से उनसे निर्मित बिजली की मात्रा घटी है और इन योजनाओं की आयु कम हो गई है।

मिट्टी को पहुंचे नुकसान से कृषि की उत्पादनशीलता में जो कमी आई है, उसे लगभग 23,200 करोड़ रुपए आंका गया है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि हमारे जैसे निर्धन देश में बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कृषि की उत्पादकता को बढ़ाने की जरूरत है, न कि घटाने की।

मरुस्थलीकरण एक बहुआयामी समस्या है जिसके जैविक, भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक आदि अनेक पक्ष हैं। इसलिए उससे निपटने में केंद्र और राज्य सरकारों की अनेक संस्थाएं योगदान दे रही हैं। मरुस्थलीकरण से लड़ रहे मुख्य मंत्रालयों में शामिल हैं पर्यावरण और वन मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि मंत्रालय और जल संसाधन मंत्रालय।

सन 1985 में राष्ट्रीय भूमि-उपयोग एवं परती विकास परिषद को उच्चतम नीति-निर्धारक एवं समायोजक एजेंसी के रूप में गठित किया गया। यह परिषद देश भर की जमीनों के प्रबंध से जुड़ी समस्याओं पर विचार करती है तथा नीतियां बनाती है। इस परिषद के अध्यक्ष स्वयं प्रधान मंत्री हैं। यह परिषद राष्ट्रीय भूमि-उपयोग एवं संरक्षण बोर्ड, राष्ट्रीय परती भूमि विकास बोर्ड और राष्ट्रीय वनीकरण एवं पारिस्थितिकी-विकास बोर्ड के कामों की देखरेख करती है। राज्य स्तर पर राज्य-स्तरीय भूमि-उपयोग बोर्ड गठित किए गए हैं। इनके अध्यक्ष संबंधित राज्य के मुख्य मंत्री होते हैं। ये बोर्ड भूमि विकास संबंधी कार्यक्रम चलाते हैं।

पिछले कई सालों से शोध संस्थाएं कृषि विश्वविद्यालयों के सहयोग से मरुस्थलीकरण और सूखे के प्रभावों पर गहन अनुसंधन कार्यों में लगी हुई हैं। इन अनुसंधानों की प्राथमिकता रही है मरुस्थलीकरण रोकना और सूखा-पीड़ित इलाकों की उत्पादकता बढ़ाने की कार्यक्षम विधियां विकसित करना। इन अनुसंधान कार्यों को आर्थिक मदद देने के लिए केंद्रीय और राज्य स्तर की अनेक अनुसंधान संस्थान गठित किए गए हैं। इनमें शामिल हैं, हैदराबाद का केंद्रीय शुष्क खेती अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, करनाल का केंद्रीय क्षारीय जमीन अनुसंधान संस्थान, देहरादून का केंद्रीय मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान संस्थान, झांसी का भारतीय वन एवं चरागाह अनुसंधान संस्थान और नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के परिसर में स्थित जल प्रौद्योगिकी केंद्र। देहरादून के भारतीय वन अनुसंधान एवं शिक्षण परिषद के मार्गदर्शन में अनेक शोध संस्थाएं शुष्क प्रदेशों के वनों के पुनरुद्धार के कार्य में लगी हैं तथा इन वनों की उत्पादकता में वृद्धि लाने के तरीके खोज रही हैं। ये सब संस्थाएं शुष्क क्षेत्रों के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकियां विकसित करने के साथ-साथ कर्मचारियों को विभिन्न विषयों में प्रशिक्षण भी देती हैं। इन संस्थाओं के कार्यों को समर्थन देने के लिए काफी धनराशि उपलब्ध कराई गई है और नीतिमूलक संरचनाएं एवं विधि-कानून बनाए गए हैं।

सन 1992 में ब्राजील के रियो द जनेरियो में हुए पृथ्वी सम्मेलन में विश्व समुदाय ने मरुस्थलीकरण रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संधि पर हस्ताक्षर किए। 15 जून 1994 को इस संधि को कानूनी स्वरूप दिया गया। भारत ने उसे 17 दिसंबर 1996 को अनुमोदित किया। इस संधि का उद्देश्य है मरुस्थलीकरण रोकना तथा मरुस्थलीकरण और सूखे के कारण मानव समुदायों पर पड़ रहे विपरीत प्रभावों को कम करने के लिए सभी देशों के बीच सभी स्तरों पर सहयोग बढ़ाना। मरुस्थलीकरण रोकने के भगीरथ कार्य में पारंपरिक ज्ञान की अहम भूमिका है क्योंकि वह समयसिद्ध ही नहीं है, बल्कि साधारण जनता की दैनंदिन की समस्याओं को सुलझाने में कामयाब भी रहा है। इनमें से कुछ पारंपरिक विधियों का संक्षिप्त विवरण आगे दिया जा रहा है।

थार रेगिस्तान में वर्ष के कुछ ही महीने फसल उगाने के लिए उपयुक्त होते हैं। अत: वहां के लोगों ने अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए खेती के साथ पशुपालन भी करना सीख लिया है। गर्मियों में वे बाजरा आदि खुरदुरे अनाजों की खेती करते हैं, जिन्हें बहुत कम पानी चाहिए होता है। लेकिन पालीवाल नामक एक काश्तकार समुदाय वर्षाजल संचित करके सर्दियों की फसल भी उगाने में सफल हुआ है। इस विधि को खदीन प्रणाली कहते हैं। आज 500 से भी ज्यादा छोटे-बड़े खदीन हैं जो 12,140 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचित कर रहे हैं। बिहार में इससे मिलता-जुलता एक दूसरा तरीका है जिसे अहर कहा जाता है।

ये हैं दुनिया के रहस्यमयी प्राणी

जर्सी डेविल

जर्सी डेविल के बारे में 1800 से लेकर 20वीं सदी तक कई तरह की बातें की जाती रही। इसे न्यू जर्सी के दक्षिणी क्षेत्र में देवदार वृक्ष के जंगल में देखे जाने की बात सामने आई थी। जर्सी डेविल के बारे में कहा जाता था कि उसके दो पैर, चमगादड़ की तरह पंख और घोड़े की तरह मुंह था। इस विचित्र प्राणी को लेकर यह प्रचलित था कि एक चुड़ैल जब अपने 13वें बच्चे को जन्म दे रही थी उस समय उसने शैतान को जगा दिया था। इस कारण जन्म लेते ही इस बच्चे का विचित्र ढंग से रूप बदल गया।

फ्लैटवुड मॉन्स्टर

फ्लैटवुड मॉन्स्टर भी किसी परलौकिक प्राणी की तरह दिखाई देता था। वेस्ट वर्जीनिया में ब्रेक्सटन काउंटी के फ्लैटवुड कस्बे में 12 सितंबर, 1952 को इसे देखा गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार वह 10 फीट लंबा था और उसका चेहरा लाल रंग का था। उसका विचित्र चेहरा और आंखें इंसानों जैसी नहीं थीं। ऐसा लगता था कि वह गहरे रंग की स्कर्ट पहने हुए है।

लिजर्डमैन

दुनिया के सबसे डरावने विचित्र प्राणियों में अमेरिका का लिजर्डमैन भी है। साउथ कैरोलिना की ली काउंटी के स्वाम्पलैंड क्षेत्र में इसे 29 जून, 1988 को देखा गया था। हरी त्वचा वाले इस विचित्र प्राणी की लंबाई 7 फीट 2 इंच लंबी थी। रिपोर्ट्स के अनुसार लिजर्डमैन के हर पैर में तीन अंगूठे और हर हाथ में तीन अंगुलियां थीं। वह दीवारों और सीलिंग पर चढ़ जाता था। एक प्रमाण यह भी है कि उसने एक कार को भी नुकसान पहुंचाया था। वह इतना ताकतवर था कि उसने कार तक को तोड़ दिया था।

डोवर डीमन

इस विचित्र और डरावने प्राणी को अमेरिका में देखा गया था। मैसाचुसेट्स के डोवर टाउन में [illegible] को दिखाई दिया था। इसके विचित्र रूप के कारण इसके एलियन या किसी प्रयोग का कोई हिस्सा होने के अनुमान लगाए जाते रहे। वह हाइब्रिड एलियन भी हो सकता था। कुछ लोगों का कहना है यह किसी दूसरे लोक से आया था। डोवर डीमन का सिर बड़ा था, आंखें ऑरेंज कलर की और हाथ-पैर पतले दिखाई देते थे। बताया जाता है कि यह बिना बालों का था। इसमें फेशियल फीचर्स बहुत कम थे। यह विचित्र प्राणी लगभग तीन फीट लंबा था। डोवर डीमन सांप की तरह फुफकारता और बाज की तरह चीखता था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह किसी दूसरे ग्रह से आया होगा या जैविक कारणों से धरती के ही किसी जीव का आकार बदल गया होगा।

गोटमैन

बकरी और इंसान के फीचर्स लिए यह विचित्र जीव पहली बार अमेरिका में देखा गया था। इसके बारे में पहली रिपोर्ट 1957 में आई थी। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार उसने बालों और सींग वाला एक दैत्य जैसा दिखने वाला प्राणी देखा था। इसे फॉरेस्टविले और अपर मार्लबोरो के प्रिंस जॉर्ज काउंटी में देखा गया था। यह 1962 तक छिपा रहा लेकिन एक दर्जन बच्चों और दो वयस्क लोगों की हत्या कर दी। यह लोगों पर कुल्हाड़ी से हमला करता था और शवों को कई टुकड़ों में काट डालता था।

संक्षिप्त समाचार

उत्तरी काकेशस में रूसी पुलिस चौकी पर आतंकी हमले में 2 पुलिसकर्मी, 5 हमलावरों की मौत

मॉस्को , एजेंसी। रूस के उत्तरी काकेशस क्षेत्र में आतंकवादियों के एक समूह ने एक पुलिस चौकी पर हमला बोल दिया। इस हमले में दो अधिकारियों की मौत हो गई, जबकि पांच बंदूकधारी मारे गए। क्षेत्र के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि आतंकवादी रविवार रात कराची-चर्केसिया क्षेत्र में चौकी के पास पहुंचे और गोलीबारी की।

इस गोलाबारी में दो पुलिस अधिकारी मारे गए और चार अन्य अधिकारी घायल हो गए। इसमें सभी पांच हमलावर भी मारे गए। उत्तरी काकेशस के बहु-जातीय क्षेत्र में आपराधिक गिरोहों या उग्रवादी इस्लामवादियों और सुरक्षा बलों के बीच अक्सर खूनी झड़पें होती रहती हैं।

अधिकारियों ने कहा कि रविवार को हमला करने वाले वही हमलावर 22 अप्रैल को पुलिस चौकी पर हुए हमले के लिए जिम्मेदार थे, जिसमें दो अधिकारी मारे गए थे। ताजा घटना में उनके पास विस्फोटक उपकरण होने की बात भी कही गई है।

लाल सागर में हूती विद्रोहियों ने फिर दागीं ताबड़तोड़ मिसाइल

साना, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में सोमवार को एक कंटेनर पोत को निशाना बनाकर कथित रूप से मिसाइल से हमला किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। इस अहम समुद्री मार्ग पर अंतरराष्ट्रीय पोतों के खिलाफ उनके अभियान की कड़ी में यह नया हमला है।

ब्रिटेन की सेना की 'यूनाइटेड किंगडम मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर' ने कहा कि यह हमला यमन में मोखा के अपतटीय क्षेत्र में हुआ। इसके अलावा उसने और कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई। उसने क्षेत्र से गुज़रने के दौरान पोतों से सतर्कता बरतने का आग्रह किया है। निजी सुरक्षा कंपनी 'अम्ब्रे' ने कहा कि माल्टा का ध्वज लगे कंटेनगर पोत को ताबड़तोड़ तीन मिसाइल के जरिए निशाना बनाया गया है। यह कंटेनर ज़िबूती से सऊदी अरब के जेद्दा की ओर जा रहा था। 'अम्ब्रे' ने कहा कि पोत को इसलिए निशाना बनाया गया, क्योंकि इसके सूचीबद्ध संचालक का इज़रायल के साथ व्यापारिक संबंध है। हालांकि पोत के संचालक ने कहा कि पोत ज़िबूती में ही है और घटना में इसे निशाना नहीं बनाया जा सकता है। हूती ने तत्काल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है,लेकिन शक उनपर ही है।

अमेरिका में अपराधी को गिरफ्तार करने गई पुलिस पर दागीं गोलियां 4 अधिकारियों की मौत

चार्लोट, एजेंसी। अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना में एक चौंकाने वाली घटना हुई हैं। यहां पुलिस जिन बदमाशों को पकड़ने गई थी उन्ही ने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इससे चार अधिकारियों की मौत हो गई। वहीं, चार अन्य अधिकारी घायल हो गए। यह सभी अधिकारी बंदूक रखने के आरोप में वांछित एक अपराधी के वारंट की तामील करने उत्तरी कैरोलिना के एक घर में गए थे। तभी बदमाशों ने गोलीबारी शुरू कर दी जिसमें चार पुलिस कर्मियों की मौत हो गई तो वहीं चार घायल हो गए। चार्लोट-मैकलेनबर्ग पुलिस प्रमुख जॉनी जेनिग्स ने कहा कि मारे गए अधिकारियों की पहली खेप को बचाने के लिए चार्लोट पड़ोस में पहुंचे कुछ अधिकारी घायल हो गए क्योंकि वांछित व्यक्ति को मारने के बाद दूसरे शूटर ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर अमेरिकी मार्शल सेवा ने पुष्टि की है कि उत्तरी कैरोलिना के चार्लोट में एक भगोड़े वारंट अपराधी को पकड़ने के लिए चलाए गए ऑपरेशन के दौरान एक उप अमेरिकी मार्शल की गोली मारकर हत्या कर दी गई है।

हमास नेता बोला- दूसरा युद्धविराम संभव

हमास को नए समझौते से कोई दिक्कत नहीं; अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा- जल्द ऑफर स्वीकार करें

काहिरा, एजेंसी। जंग के 6 महीने बाद इजराइल और हमास के बीच दूसरा युद्धविराम हो सकता है। हमास के नेता याहया सिनवार के मुताबिक, हमास ने इजराइली बंधकों को छोड़ने के समझौते पर अपनी सहमति जताई है। हमास ने कहा है कि उन्हें मिस्र और इजराइल के प्रपोजल से किसी भी तरह की परेशानी नहीं है।

इसके लिए इजराइलियों का एक प्रतिनिधिमंडल आज यानि 30 अप्रैल को काहिरा जाने के लिए तैयार हो गया है। इजराइल हमास से 130 बंधकों में से 40 को रिहा करने की मांग कर रहा है और वो इसके बदले में फिलिस्तीनी कैदियों को भी रिहा कर देगा।

वहीं, दूसरी तरफ अमेरिकी विदेश मंत्री ने भी कहा है कि हमास को जल्द ही ऑफर स्वीकार कर लेना चाहिए। ब्लिंकन वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम में हिस्सा लेने के लिए सऊदी अरब पहुंचे थे। यहां उन्होंने हमास फिलिस्तीन के मुद्दे पर बात की।

एक अधिकारी के हवाले से बताया कि जब तक इजराइल कोई दिक्कत पैदा न करें, हमास को मिस्र के प्रपोजल पर कोई खास परेशानी नहीं है। हमास के अधिकारी ने कहा कि सीनियर लीडर खलील अल-हैय्या के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल आज यानि 30 अप्रैल को काहिरा (कायरो) में मिस्र और कतरी मीडिएटर्स के सामने प्रपोजल पर हमास का जवाब देगा।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि हमास को ऑफर स्वीकार कर लेना चाहिए। उनके पास ऐसा प्रस्ताव है, जिसे वो कभी अस्वीकार नहीं कर सकते हैं। 29 अप्रैल को वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम पर बोलते हुए ब्लिंकन ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि हमास जल्द ही सही फैसला करेगा। ब्लिंकन ने कहा, मैं आशा कर रहा हूं कि हमास इजराइली बंधकों को छोड़ने वाले वाले इजराइल का दरियादिली वाला ऑफर स्वीकार करें। इसके बदले इजराइल गाजा पर अपने हमलों को रोकेगा।

समझौता करवाने में जुटे हैं मिस्र, कतर और अमेरिका: मिस्र, कतर और अमेरिका साथ मिलकर हमास और इजराइल के बीच युद्धविराम करवाने की कोशिश कर रहे हैं। तीनों देशों ने शुक्रवार 26 अप्रैल को प्रपोजल पर बातचीत करने के लिए एक हाई-लेवल डेलिगेशन इजराइल भेजा था। अब दोनों देशों के बीच युद्धविराम को लेकर काहिरा में बातचीत होगी।

इससे पहले कतर और मिस्र की मध्यस्थता के बाद नवंबर में इजराइल-हमास के बीच पहली बार 4 दिन के लिए युद्धविराम हुआ था। इस दौरान हमास ने 112 बंधकों को रिहा किया था। वहीं इजराइल ने भी जेल में बंद 240 से ज्यादा फिलिस्तिनियों को छोड़ा था।

गाजा में कई रियायतें देने के लिए तैयार इजराइल

हमास और इजराइल के बीच युद्धविराम और बंधकों को छोड़ने के समझौते से जुड़ी डीटेल्स सामने नहीं आई है। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक इसमें 33 इजराइली बंधकों की रिहाई की बात है। इसके बदले इजराइल बड़ी संख्या में जेल में बंद फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ेगा। हिब्रू मीडिया चैनलों के मुताबिक इजराइल उत्तरी गाजा में फिलिस्तीनियों को लौटने की इजाजत देने जैसी कई बड़ी रियायतें देने को तैयार है। हालांकि इजराइल का यह भी कहना है कि वो बंधकों की रिहाई के बदले गाजा में युद्ध खत्म नहीं करेगा।

इजराइल ने हमास को दिया है आखिरी मौका : 6 महीने की जंग में इजराइल ने राफा छोड़कर पूरे गाजा पर कब्जा कर लिया है। राफा पर हमले से पहले इजराइल ने हमास को समझौते का आखिरी मौका दिया था। इजराइल ने कहा था कि अगर हमास समझौता स्वीकार नहीं करता है, इजराइल राफा पर बड़ा हमला करेगा।

इसी कारण मिस्र का डेलिगेशन दोनों पक्षों में समझौते करवाने को कोशिश कर रहा है। पिछले दिनों रिपोर्ट आई थी कि मिस्र बंधकों को छोड़ने के लिए हमास पर दबाव बनाने की तैयारी कर रहा है। दरअसल राफा मिस्र की बॉर्डर के पास है। इसलिए उसे डर है कि अगर इजराइली सेना राफा पर हमला करेगी, तो बड़ी संख्या में शरणार्थी मिस्र में घुसने की कोशिश करेंगे।

इसी से बचने के लिए इजिप्ट का एक डेलिगेशन इजराइल और हमास के बीच शांति समझौते करवाने की कोशिश में जुटा है। इस समय 10 लाख से ज्यादा फिलिस्तीनियों ने राफा शहर में पनाह ली हुई है।

हमास ने 5 साल के युद्धविराम की इच्छा जाहिर की : कुछ दिन पहले हमास के एक सीनियर अधिकारी ने 5 साल के युद्धविराम की इच्छा जाहिर की थी। न्यूज एजेंसी क्कको दिए इंटरव्यू में खलील अल-हैय्या ने कहा था कि अगर फिलिस्तीन एक अलग और आजाद देश बनता है तो हम हथियार डाल देंगे और एक साधारण राजनीतिक पार्टी के तौर पर काम करेंगे।

हालांकि, 7 अक्टूबर के हमले के बाद हमास का खात्मा करने की कसम खा चुका इजराइल इस समझौते के लिए सहमत नहीं है। अल-हैय्या का कहना था कि अगर फिलिस्तीन को 1967 की जंग से पहले के इलाके दिए जाते हैं तो वो इजराइल के खिलाफ युद्ध नहीं लड़ेगा।

हैती में व्यवस्था बहाल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सेना में शामिल होने को बांग्लादेश सहमत

वाशिंगटन, एजेंसी। हैती में व्यवस्था बहाल करने में मदद करने के लिए बांग्लादेश एक अंतरराष्ट्रीय सेना में शामिल होने के लिए सहमत हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी।

यूएन के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने सोमवार को कहा कि बांग्लादेश उन छह देशों में से एक है, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को लिखा है कि वे हैती में बहुराष्ट्रीय सुरक्षा सहायता मिशन (एमएसएसएम) में कर्मियों का योगदान देंगे।

गौरतलब है कि सुरक्षा परिषद ने हैती में स्थिति को सुधारने में मदद करने के लिए एमएसएसएम मिशन का गठन किया है। यह मिशन संयुक्त राष्ट्र से स्वतंत्र रूप में कार्य करेगा। केन्या के नेतृत्व वाली सेना में बहामास, बारबाडोस, बेनिन, चाड और जमैका शामिल हैं।

गौरतलब है कि हैती की राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस सहित देश के कई हिस्सों में सशस्त्र गिरोह अराजकता फैलाए हुए हैं। इस दौरान हजारों लोग मारे गए हैं। 1.4 मिलियन लोगों को अकाल का सामना करना पड़ रहा है और चार मिलियन लोगों को गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। इस साल फरवरी में हैती के प्रधानमंत्री एरियल हेनरी, देश छोड़कर अमेरिका भाग गए थे। उन्होंने पिछले सप्ताह अमेरिका में निर्वासन के दौरान इस्तीफा दे दिया। 2021 में राष्ट्रपति जोवेनेल मोइज़ की हत्या कर दी गई थी।

कंगाल पाकिस्तान को 110 करोड़ अमेरिकी डॉलर लोन की मिली मंजूरी

वाशिंगटन , एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान को राहत पैकेज के तहत 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर की तत्काल मदद को मंजूरी दे दी है। आईएमएफ ने कहा कि देश को अपनी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत है।

इस संबंध में निर्णय अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यकारी बोर्ड ने लिया। उसने आईएमएफ की अतिरिक्त व्यवस्था (एसबीए) द्वारा समर्थित पाकिस्तान के आर्थिक सुधार कार्यक्रम की दूसरी तथा अंतिम समीक्षा पूरी करने के बाद यह फैसला किया। इसके साथ, एसबीए के तहत देय राशि करीब तीन अरब अमेरिकी डॉलर हो गई है। आईएमएफ की उप प्रबंध निदेशक एंटोनेट सयेह ने कहा, आगे आने वाली चुनौतियों को देखते हुए पाकिस्तान को इस कठिन परिश्रम से प्राप्त स्थिरता का लाभ उठाना चाहिए। वर्तमान व्यवस्था से आगे बढ़कर मजबूत, समावेशी तथा टिकाऊ वृद्धि के लिए ठोस वृहद आर्थिक नीतियों और संरचनात्मक सुधारों के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि निरन्तर बाह्य समर्थन भी महत्वपूर्ण होगा। आईएमएफ अधिकारी ने कहा कि मजबूत, दीर्घकालिक समावेशी वृद्धि हासिल करने और रोजगार सृजन के लिए संरचनात्मक सुधारों में तेजी लाने और पर्याप्त रूप से वित्तपोषित बेनजीर आय सहायता कार्यक्रम के माध्यम से सबसे वंचित लोगों को निरंतर संरक्षण प्रदान करने की आवश्यकता है।

पेरू में बस हादसा, 25 की मौत

200 मीटर गहरी खाई में गिरी बस, नीचे नदी में बहे कई यात्री, तलाश जारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। साउथ अमेरिका के पेरू में सोमवार को खाई में बस गिरने से 25 लोगों की मौत हो गई है। हादसे में 12 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। बस में 50 से ज्यादा लोग सवार थे। घटना उत्तरी पेरू में हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बस लगभग 200 मीटर (लगभग 650 फीट) गहरी खाई में गिरी। नीचे नदी थी। कई यात्री इसमें बह गए, जिनकी तलाश की जा रही है।

रेस्क्यू वर्कर और फायरफाइटर्स घटनास्थल पर मौजूद हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं लोकल प्रशासन ने इलाके में 48 घंटे के शोक की घोषणा की है। वहीं अधिकारी हादसे की वजह की जांच कर रहे हैं।

पेरू में पिछले साल सड़क हादसों में 3 हजार से ज्यादा मौतें: पेरू में अक्सर ऐसी एक्सीडेंट की खबरें सामने आती रहती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसकी वजह खराब सड़कें, ट्रैफिक सिस्टम की कमी,

प्रशासन की लापरवाही और लोगों का तेज स्पीड में गाड़ी चलाना है। पिछले साल सड़क हादसों में 3100 लोगों की मौत हुई थी।

अमेरिका में 27 अप्रैल को कार हादसे में 3 भारतीय महिलाओं की मौत हो गई थी। हादसा साउथ कैरोलिना के ग्रीनविले काउंटी में हुआ। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तीनों महिलाएं गुजरात के आणंद जिले की रहने वाली थीं।

इनका नाम रेखाबेन पटेल, संगीताबेन पटेल और मनीषाबेन पटेल है। हादसा उस वक्त हुआ, जब महिलाओं की कार हाईवे पर अनियंत्रित होकर पहले बैरिकेड से टकराई, फिर पुल से नीचे गिरकर पेड़ों में फंस गई।

पश्चिमी अफगानिस्तान में हमला, नमाज के दौरान शिया मस्जिद में गोलीबारी, 6 नमाजियों की मौत

इस्लामाबाद , एजेंसी। पश्चिमी अफगानिस्तान में एक बंदूकधारी ने शिया मस्जिद के अंदर गोलीबारी कर 6 नमाजियों की हत्या कर दी। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि जिस वक्त मस्जिद के अंदर गोलीबारी की घटना हुई। उस वक्त लोग नमाज पढ़ रहे थे। इस हमले में छह लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

तालिबान के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों और अफगानिस्तान के एक पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि हमलावर ने मस्जिद को इसलिए निशाना बनाया, क्योंकि यह शिया मस्जिद है। तालिबान के आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी के मुताबिक, हमला सोमवार रात हेरात प्रांत के गुजरा जिले में हुआ।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जांच चल रही है। किसी ने तुरंत हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इस हमले में एक अन्य उपासक भी घायल हो गया और हमलावर घटनास्थल से भाग गया है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि मारे गए लोगों में मस्जिद के इमाम भी शामिल हैं।

अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने

एक्स पर कहा, मैं इमाम जमान मस्जिद पर हमले की कड़ी निंदा करता हूं। मैं इस आतंकवादी कृत्य को सभी धार्मिक और मानवीय मानकों के खिलाफ मानता हूं। गौरतलब है कि अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट समूह का सहयोगी तालिबान का एक प्रमुख प्रतिद्वंद्वी है और अक्सर देशभर में स्कूलों, अस्पतालों, मस्जिदों और शिया क्षेत्रों को निशाना बनाता है। 20 साल के युद्ध के बाद देश से अमेरिकी और नाटो सैनिकों की अराजक वापसी के आखिरी हफ्तों के दौरान, अगस्त 2021 में तालिबान ने अफगानिस्तान में सत्ता पर कब्जा कर लिया था।

अधिक उदार रुख के शुरुआती वादों के बावजूद तालिबान ने धीरे-धीरे इस्लामी कानून या शरिया की कठोर व्याख्या को फिर से लागू किया, जैसा कि उन्होंने 1996 से 2001 तक अफगानिस्तान के अपने पिछले शासन के दौरान किया था।

चीन ने कोरोना पर जानकारी पब्लिश करने वाले वैज्ञानिक को लैब से निकाला

वायरोलॉजिस्ट ने डिलीट किया ऑनलाइन पोस्ट

शंघाई , एजेंसी। इंगलैंड से कोरोना वैक्सीन कोवशिल्ड पर चौंकाने वाली जानकारी सामने आने के बाद चीन में कोरोना पर रिसर्च में शामिल वैज्ञानिक को लैब से बाहर निकालने का मामला सामने आया है। चीन में कोविड-19 वायरस के एक अनुक्रम को प्रकाशित करने वाले पहले वैज्ञानिक उन्हें अपनी प्रयोगशाला से निकाले जाने के बाद रविवार से धरने पर बैठे थे। इससे जुड़ी एक ऑनलाइन पोस्ट उन्होंने डिलीट कर दी। वायरोलॉजिस्ट झांग योंगझेन ने सोमवार को एक ऑनलाइन पोस्ट में लिखा कि उन्हें और उनकी टीम को अचानक जानकारी दी गई कि उन्हें उनकी प्रयोगशाला से बाहर किया जा रहा है। उन्होंने पहली बार जनवरी 2020 की शुरुआत में कोरोना वायरस पर अनुक्रम (सीक्वेंस) प्रकाशित किया था। इस कदम से पता चलता है कि कैसे चीनी सरकार ने कोरोनो वायरस प्रकोप से निपटने की जांच से बचने के लिए वैज्ञानिकों पर दबाव और नियंत्रण बनाए रखा है। झांग ने यह पोस्ट चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो पर लिखा था, लेकिन बाद में इसे हटा दिया गया। बारिश के बावजूद झांग रविवार से अपनी प्रयोगशाला के बाहर बैठे थे। झांग से जब मंगलवार को फोन पर बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने कहा कि उनके लिए कुछ भी कहना असहज है, लेकिन सोमवार को समाचार एजेंसी एपी के एक सहयोगी ने पुष्टि की कि विरोध हो रहा था।

नेतन्याहू होंगे गिरफ्तार! अरेस्ट वारंट से भड़का अमेरिका, दी अंजाम भुगतने की चेतावनी

येरुशलम, एजेंसी। गाजा पट्टी में भीषण नरसंहार के चलते इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ ऐक्शन हो सकता है। रिपोर्ट है कि अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय उनकी गिरफ्तारी का वारंट जारी करने वाली है। वारंट सिर्फ नेतन्याहू ही नहीं इजरायली रक्षा मंत्री और आईडीएफ चीफ के खिलाफ भी जारी हो सकता है। आईसीसी के इस कदम ने अमेरिका को भड़का दिया है। उसने चेतावनी दी है कि अगर ऐसा हुआ तो आईसीसी अंजाम भुगतने को तैयार रहे।

गाजा पट्टी में इजरायली सेना के कत्लेआम से मरने वालों की तादाद 34 हजार पार कर गई है। गाजा में मरने वालों में ज्यादातर निर्दोष बच्चे और महिलाएं हैं। गाजा पर जमीनी और हवाई ऑपरेशनों रोकने के लिए यूएन समेत कई अंतरराष्ट्रीय संगठन

आवाज उठा चुके हैं लेकिन, नेतन्याहू ने अपने कदम पीछे नहीं किए।

एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में दोनों पार्टियों के सांसदों ने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय को चेतावनी दी है कि यदि शीर्ष इजरायली अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया तो वाशिंगटन अदालत के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगा। बता दें कि आईसीसी नेतन्याहू, इजरायली रक्षा मंत्री समेत आईडीएफ चीफ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस मामले पर आईसीसी ऐक्शन लेने की तैयारी कर रहा है। हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के अध्यक्ष माइकल मैककॉल ने कहा कि आईसीसी अधिकारियों को मंजूरी देने के लिए एक विधेयक पास होने की उम्मीद है, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों को लगता है कि उसकी धमकी के बाद आईसीसी अपने कदम वापस ले सकता है। अमेरिकी सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने गाजा युद्ध के लिए नेतन्याहू के गिरफ्तारी वारंट जारी करने को लेकर आईसीसी की निंदा की है।

जॉनसन ने एक बयान में कहा, यह अपमानजनक है कि आईसीसी कथित तौर पर इजरायल के प्रधान मंत्री नेतन्याहू और अन्य वरिष्ठ इजरायली अधिकारियों के खिलाफ निराधार गिरफ्तारी वारंट जारी करने की योजना बना रहा है। आईसीसी की ऐसी अराजक कार्रवाई सीधे तौर पर अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को कमजोर करेगी। यदि बाइडेन प्रशासन द्वारा चुनौती नहीं दी गई, तो आईसीसी अमेरिकी नेताओं, हमारे राजनयिकों और सैन्य कर्मियों के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी कर सकती है। इससे हमारे देश की संप्रभुता खतरे में पड़ सकती है।

पुतिन के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी कर चुका आईसीसी

बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब आईसीसी ने किसी देश के सर्वोच्च नेता पर इस तरह का ऐक्शन लिया हो। इससे पहले आईसीसी ने यूक्रेन पर युद्ध के आरोप में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इस ऐक्शन के तहत आईसीसी के नियमों को मानने वाले किसी भी देश के दौरे पर उस नेता पर गिरफ्तारी का खतरा रहता है।

एक मई को क्यों मनाया जाता है मजदूर दिवस?

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस हर साल 1 मई को मनाया जाता है. जिसे लेबर डे, मई दिवस, श्रमिक दिवस आदि नामों से भी जाना जाता है. किसी भी देश के विकास में वहां के मज़दूर का सबसे बड़ा योगदान होता है. ऐसे में यह दिवस उनके हक की लड़ाई उनके प्रति सम्मान भाव और उनके अधिकारों के आवाज को बुलंद करने का प्रतीक है. 19वीं शताब्दी में संयुक्त राज्य अमेरिका में श्रमिक संघ आंदोलन में मजदूर दिवस की उत्पत्ति हुई थी. 1889 में मार्कसवादी इंटरनेशनल सोशलिस्ट कांग्रेस ने एक महान अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन के लिए एक प्रस्ताव अपनाया. जिसमें उन्होंने मांग की कि श्रमिकों को दिन में 8 घंटे से अधिक काम नहीं करना चाहिए. इसके बाद यह एक वार्षिक आयोजन बन गया और 1 मई को मजदूर दिवस के रूप में मनाया जाने लगा. 14 जुलाई, 1889 को यूरोप में सोशलिस्ट पार्टियों की पहली अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा घोषित किए जाने के बाद मई दिवस पहली बार 1 मई, 1890 को मनाया गया था. यूरोप में 1 मई को ऐतिहासिक रूप से ग्रामीण पारंपरिक किसान त्योहारों से जोड़ा गया है, लेकिन बाद में मई दिवस आधुनिक श्रमिक आंदोलन से जुड़ गया. कैसे हुई मजदूर दिवस की शुरुआत? वहीं, भारत के चेन्नई में 1 मई 1923 में लेबर किसान पार्टी ऑफ हिंदुस्तान की अध्यक्षता में मजदूर दिवस मनाने की परंपरा की शुरूआत हुई. इस दौरान कई संगठनों व सोशल पार्टियों का समर्थन मिला. जिसका नेतृत्व वामपंथी कर रहे थे. आपको बता दें कि पहली बार इसी दौरान मजदूरों के लिए लाल रंग का झंडा वजूद में आया था. जो मजदूरों पर हो रहे अत्याचार व शोषण के खिलाफ आवाज उठाने का प्रतिक है.

क्या है इस दिन का उद्देश्य?

- मजदूर दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों को श्रमिकों और उनकी समस्याओं के प्रति जागरूक करना है.
- इस दिवस का मुख्य उद्देश्य है मजदूरों की उपलब्धियों का सम्मान करना. उनके योगदान की चर्चा करना.
- उनके अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करना.
- मजदूर संगठन को मजबूत करना आदि.

रोजाना सिर्फ 8 घंटे काम की मांग का वो आंदोलन जिसकी याद में मनता है मजदूर दिवस

हर साल 1 मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है. इसे अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस, लेबर डे, मई डे, कामगार दिवस, या श्रम दिवस भी कहा जाता है. इस दिन को मनाने का मकसद मज़दूरों और श्रमिकों को सम्मान देना, उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाना, उनके योगदान को याद करना, और उनके अधिकारों के लिए आवाज़ बुलंद करना है. मज़दूर दिवस की शुरुआत अमेरिका में 135 साल पहले हुई थी. 1889 में अंतरराष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन में तय हुआ था कि हर मज़दूर से दिन में सिर्फ़ 8 घंटे काम लिया जाएगा और 1 मई को छुट्टी दी जाएगी. भारत में मज़दूर दिवस की शुरुआत 1 मई, 1923 को लेबर किसान पार्टी ऑफ़ हिन्दुस्तान ने मद्रास में की थी. इस दिन पहली बार लाल झंडे को मज़दूर दिवस का प्रतीक माना गया था.

बीते तीन दशकों के वैश्वीकरण ने रोज़गार की परिभाषा भी बदली है और स्वरूप भी. काम करने के तौर तरीकों में काफी बदलाव आए हैं, कोरोना संक्रमण के दौरान दुनिया भर में रिमोट वर्किंग का रूप भी देखने को मिला. मज़दूर और मज़दूरी दोनों के अर्थ समय के साथ बदले हैं, ऐसे में 132 साल से चली आ रही मई दिवस की परंपरा के आज क्या मायने हैं?

क्या आज के दौर में भी मज़दूर दिवस की ज़रूरत है?

दुनिया में सबसे ज्यादा बंधुआ मज़दूर भारत में हैं. विश्व गुलामी सूचकांक की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2016 में भारत में 80 लाख लोग आधुनिक गुलामी में जी रहे थे. यानी औसतन एक हज़ार भारतीयों में से छह को अपने काम का मेहनताना नहीं मिल रहा था. हालांकि भारत सरकार ने इन आँकड़ों पर सवाल उठाए हैं.

गुडवीव इंटरनेशनल नाम की एक संस्था के साल 2020 के सर्वे के मुताबिक महामारी की वजह से मज़दूरों के कर्ज़ में फंसने का जोखिम तीन गुना बढ़ गया है. अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के अनुसार साल 2016 में दुनिया भर में 4 करोड़ से ज़्यादा लोग बंधुआ मज़दूरी का शिकार थे. अनुमानों के मुताबिक इनमें से 71 फीसदी महिलाएं थीं. इस साल जारी हुई विश्व असमानता रिपोर्ट की मानें तो भारत में श्रम से होने वाली कुल कमाई का सिर्फ 18 प्रतिशत हिस्सा ही महिलाओं के हाथ आता है. सरकार के अपने आँकड़े बताते हैं कि देश के कुल श्रमिकों में से 93 फीसदी असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं. यानी उनके लिए न्यूनतम वेतन जैसी सामाजिक सुरक्षा के हक पाना और मुश्किल है. अखिल भारतीय खेत मज़दूर यूनियन के संयुक्त सचिव विक्रम सिंह कहते हैं, देश में करोड़ों शहरी असंगठित मज़दूर और ग्रामीण खेत मज़दूर है जो किसी भी कानून के दायरे में नहीं आते. आज तक हम खेत मज़दूरों के लिए एक केंद्रीय कानून नहीं बना पाए हैं. इसलिए मज़दूर दिवस न केवल अधिक प्रासंगिक हो गया है बल्कि हमारी पीढ़ी की ज़िम्मेदारी बन गया है.

दुनिया भर की समाजवादी और श्रमिक पार्टियों के संगठन द्वितीय अंतरराष्ट्रीय ने साल 1889 के पेरिस सम्मेलन में मज़दूरों के हकों की आवाज़ बुलंद करने के लिए 1 मई का दिन चुना था. ये पश्चिम में औद्योगीकरण का दौर था और मज़दूरों

मजदूर दिवस

से सूर्योदय से सूर्यास्त तक काम करने की उम्मीद की जाती थी. अक्टूबर 1884 में अमेरिका और कनाडा की ट्रेड यूनियनों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑर्गेनाइज्ड ट्रेड्स एंड लेबर यूनियन ने तय किया कि मज़दूर 1 मई, 1886 के बाद रोज़ाना 8 घंटे से ज़्यादा काम नहीं करेंगे. जब वो दिन आया तो अमेरिका के अलग-अलग शहरों में लाखों श्रमिक हड़ताल पर चले गए. इन विरोध प्रदर्शनों के केंद्र में शिकागो था. यहां दो दिन तक हड़ताल शांतिप्रिय तरीके से चली. लेकिन तीन मई की शाम को मैकॉर्मिक हार्वेस्टिंग मशीन कंपनी के बाहर भड़की हिंसा में दो मज़दूर पुलिस फायरिंग में मारे गए. अगले दिन फिर दोनों पक्षों के बीच झड़पें हुईं जिनमें 7 पुलिसवालों समेत 12 लोगों को जान गँवानी पड़ी. इसी वजह से द्वितीय अंतरराष्ट्रीय ने 1 मई का दिन चुना था. शुरुआत में दुनिया भर के मज़दूरों से सिर्फ रोजाना 8 घंटे काम की मांग को लेकर एकजुट होने के लिए कहा गया था. इसके बाद 1889 से लेकर 1890 तक अलग अलग देशों में मज़दूरों ने प्रदर्शन किए. ब्रिटेन के हाइड पार्क में 1890 की पहली मई को तीन लाख मज़दूरों 8 घंटे काम की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे. जैसे-जैसे वक्त बीता ये दिन श्रमिकों के बाकी अधिकारों की तरफ ध्यान दिलाने का भी एक मौका बन गया.

आज मज़दूर दिवस है. इस दिन को दुनिया भर के कामकाजी लोगों के सम्मान के तौर पर मनाया जाता है.

दिलचस्प बात ये है कि आरएसएस से संबंध रखने वाला भारतीय मज़दूर संगठन (बीएमएस) पिछले कुछ सालों से 1 मई की जगह विश्वकर्मा जयंती यानी 17 सितंबर को राष्ट्रीय मज़दूर दिवस घोषित किए जाने की मांग कर रहा है. संगठन के पूर्व अध्यक्ष सजी नारायणन आरएसएस से जुड़ी मैगज़ीन ऑर्गेनाइज़र के लिए एक लेख में दलील देते हैं, बीएमएस ने औद्योगिक रिश्तों में कम्युनिस्टों की वर्ग-शत्रुता के बजाए औद्योगिक परिवारका सिद्धांत सामने रखा है. हम विश्वकर्मा जैसी हस्तियों से मिलने वाले त्याग- तपस्या-बलिदान और कर्म ही पूजा है की सीख पर चलते हैं. मई दिवस एक पश्चिमी सिद्धांत है और भारत के श्रमिकों को उस तरह प्रेरणा नहीं देता जैसी उन्हें विश्वकर्मा जयंती से मिल सकती है. लेकिन सिंधु की नज़र में बीएमएस की मांग मज़दूरों के सरोकारों को धार्मिक मान्यताओं का रंग देने की कोशिश है. वो कहती हैं, मज़दूरों का शोषण सिर्फ भारत में नहीं बल्कि पूरी दुनिया में हो रहा है. विश्वकर्मा संघर्ष का प्रतीक नहीं है. मई दिवस का ताल्लुक कामगार वर्ग के संघर्ष से है.

दुनिया के 34 साल बाद भारत में शुरू हुआ मजदूर दिवस

1 मई को दुनिया भर में मजदूर दिवस या श्रमिक दिवस मनाया जा रहा है. भारत में मई दिवस और इंटरनेशनल लेबर डे को कामगारों के बीच जश्न के साथ मनाए जाने की शुरुआत दुनिया के करीब 34 साल बाद हुई. मजदूरों का सम्मान, उनके काम के घंटे, मेहनताने वगैरह को लेकर एक व्यवस्था के लिए आंदोलन शुरू होने की याद में इस दिन को दुनिया के कई देशों और अपने देश के कई राज्यों में सार्वजनिक अवकाश रहता है. मजूदरों के लिए समर्पित उस आंदोलन को शिकागो आंदोलन के नाम से भी जानते हैं.

आज से 138 साल पहले दुनिया भर में मजदूरों के लिए काम करने की कोई समय-सीमा तय नहीं थी. उनके लिए कोई नियम-कायदे ही नहीं होते थे. मजदूरों से लगातार 15 घंटे या उससे भी ज्यादा समय तक काम लिया जाता था. उनकी छुट्टियों को लेकर भी कोई व्यवस्था नहीं थी. इसकी वजह से साल 1886 में 1 मई को अमेरिका के शिकागो शहर में एकजुट होकर हजारों मजदूरों ने बड़ा प्रदर्शन किया था. उनकी मांग थी कि मजदूरी का समय 8 घंटे निर्धारित किया जाए. इसके अलावा हफ्ते में एक दिन छुट्टी दी जाए.

रंग लाया था शिकागो का मजदूर आंदोलन

आज लगभग पूरी दुनिया में वैधानिक रूप से कर्मचारियों, मजदूरों या कामगारों के लिए एक दिन में काम के 8 घंटे तय हैं. इसकी सबसे बड़ी वजह शिकागो आंदोलन को ही माना जाता है. हफ्ते में एक दिन छुट्टी की शुरुआत भी इस आंदोलन की देन ही मानी जाती है. धीरे-धीरे पूरी दुनिया में 1 मई को मजदूर दिवस या कामगार दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत हो गई. दुनिया के कई देशों में 1 मई को राष्ट्रीय अवकाश के तौर पर मनाया जाता है.

आंदोलन में 4 मजदूर बलिदान- 100 घायल

अमेरिका में शिकागो आंदोलन तेज होने लगा और आंदोलनकारियों ने 4 मई, 1886 को स्थानीय पुलिस को निशाना बनाकर बम फेंक दिया. पुलिस की जवाबी गोलीबारी में 4 मजदूरों की मौत हो गई. साथ ही करीब 100 मजदूर पुलिस की गोली से घायल हो गए. इसके बावजूद उनका आंदोलन चलता रहा. इसके तीन साल बाद 1889 में पेरिस में हुए इंटरनेशनल सोशलिस्ट कॉन्फ्रेंस में बलिदान देने वाले मजदूरों की याद में 1 मई के दिन को समर्पित करने का फैसला किया गया था.

भारत में कब हुई मजदूर दिवस की शुरुआत

भारत में लेबर किसान पार्टी ऑफ हिंदुस्तान ने चेन्नई (तत्कालीन मद्रास) में 1 मई 1923 को मजदूर दिवस मनाने की शुरुआत की थी. वामपंथी और सोशलिस्ट पार्टियां तब इसका नेतृत्व कर रही थीं. उसी दिन पहली बार मजदूरों की एकजुटता और संघर्ष के प्रतीक के तौर पर लाल रंग का झंडा इस्तेमाल किया गया था. भारत में तब से हर साल यह दिन मनाया जाता है. इस दिन खास तौर पर मज़दूरों के हक और अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करने और उनके शोषण को रोकने को लेकर आवाज बुलंद की जाती है.

शिकागो दंगे ने बदल दिए थे मजदूरों के काम करने के नियम

देश-दुनिया में मजदूर दिवस हर साल 1 मई को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य मजदूरों और श्रमिकों की उपलब्धियों का सम्मान करना और उनके द्वारा किये गए योगदान को याद करना है। इसके साथ ही मजदूरों के हक और अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करना और शोषण को रोकना है। मजदूरों और श्रमिकों को सम्मान देना होता है, इसे लेबर डे और श्रमिक दिवस भी कहा जाता है। मजदूरों के इस आंदोलन की शुरुआत 1 मई 1886 को अमेरिका में हुई थी। इस आंदोलन में अमेरिका के मजदूर अपनी मांगों को लेकर सड़क पर आ गए थे, दरअसल उस समय मजदूरों से 15-15 घंटे काम लिया जाता था। इस आंदोलन के बीच मजदूरों पर पुलिस ने गोली चला दी जिसमें मजदूरों की जान चली गई, वहीं 100 से ज्यादा श्रमिक घायल हो गए। इस आंदोलन के तीन साल बाद 1889 में अंतरराष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन की बैठक हुई। जिसमे तय हुआ कि हर मजदूर से केवल दिन के 8 घंटे ही काम लिया जाएगा। इस सम्मेलन में ही 1 मई को मजदूर दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा गया, साथ ही हर साल 1 मई को छुट्टी देने का भी फैसला लिया गया। अमेरिका में श्रमिकों के आठ घंटे काम करने के निमय के बाद कई देशों में इस नियम को लागू किया गया।

भारत में लेबर डे की शुरुआत कब हुई अमेरिका में भले ही 1 मई 1889 को मजदूर दिवस मनाने का प्रस्ताव आ गया हो। लेकिन भारत में ये आया करीब 34 साल बाद। वहीं भारत में मजदूर दिवस मनाने की शुरुआत 1 मई 1923 को चेन्नई से हुई। लेबर किसान पार्टी ऑफ हिंदुस्तान की अध्यक्षता में ये फैसला किया गया। इस बैठक को कई सारे संगठन और सोशल पार्टी का समर्थन मिला। जो मजदूरों पर हो रहे अत्याचारों और शोषण के खिलाफ आवाज उठा रहे थे।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस से जुड़े रोचक तथ्य

- विश्व भर में विभिन्न इंडस्ट्री और क्षेत्रों में कार्य करने वाले श्रमिकों और काम्मगारों के योगदानों को सम्मानित करने के लिए इंटरनेशनल लेबर डे या विश्व मजदूर दिवस मनाया जाता है।
- 14 जुलाई 1889 को यूरोप में सोशलिस्ट पार्टियों की पहली अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा घोषित किए जाने के बाद, मई दिवस पहली बार 1 मई 1890 को मनाया गया था।
- श्रम दिवस या मजदूर दिवस 80 से अधिक देशों में मनाया जाता है। विश्व में 80 से अधिक देशों (भारत सहित) में मजदूर दिवस पर छुट्टी रहती है।
- अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस के बावजूद इसकी उत्पत्ति शिकागो में हेमार्केट मामले की स्मृति में हुई, कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका में श्रम दिवस सितंबर में पहले सोमवार को मनाया जाता है न कि 01 मई को।
- महाराष्ट्र दिवस और गुजरात दिवस भी 01 मई को मनाया जाता है।
- भारत में पहला मई दिवस 1923 में द लेबर किसान पार्टी ऑफ हिंदुस्तान द्वारा चेन्नई (तब मद्रास) में मनाया गया था।
- लेबर किसान पार्टी ऑफ हिंदुस्तान द्वारा भारत में पहली बार मई दिवस समारोह का आयोजन किया गया था।
- भारत में मई दिवस या मजदूर दिवस या अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस, तमिल में उऱ्ऱोपलार नाल और मराठी में कामगार दिवस जैसे कई नामों से जाना जाता है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका से 10 साल पहले 1872 में कनाडा ने मजदूर दिवस मनाया था।
- पेरिस में श्रमिकों के लिए हर साल 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय एकता श्रमिक दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई थी।
- इस दिन खास तौर पर मजदूरों के हक और अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करने और उनके शोषण को रोकने को लेकर आवाज बुलंद की जाती है।